रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं..

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

दैनिक
नव प्रदेश

www.navpradesh.com
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 9 | कारोबार/खेल

बिलासपुर, शुक्रवार, 28 अगस्त 2026 शुक्ल पक्ष-पूर्णिमा, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-12 अंक- 137 पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

नेपाल जलप्रलय

359 मौतों की पुष्टि, 288 भारतीय लापता

■ 1,500 लोग लापता, चीन में भी 200 भारतीय फंसे

कुमार अभिनव

काठमांडू/नवप्रदेश। नेपाल-तिब्बत सीमा पर बुधवार को आए विनाशकारी जलप्रलय ने हिमालयी क्षेत्र में भारी तबाही मचा दी है। नेपाल में अब तक 270 और तिब्बत में 3 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि दोनों तरफ करीब 1,500 लोग लापता बताए जा रहे हैं। लापता लोगों में सैकड़ों विदेशी नागरिक और कैलाश मानसरोवर यात्री भी शामिल हैं। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता नेपाल में मौजूद 288 भारतीय नागरिक हैं, जिनसे अभी संपर्क नहीं हो पा रहा है। वहीं चीन की ओर करीब 200 भारतीय फंसे हैं, जिन्होंने निकासी के लिए मदद मांगी है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक अब तक तमिलनाडु के 21 भारतीयों को सुरक्षित बचाया गया है। प्रारंभिक जांच में इस भीषण बाढ़ का कारण हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियर और चट्टानों के विशाल हिस्से का टूटकर नदी में गिरना बताया जा रहा है। इसके बाद पानी, बर्फ, पत्थर और मलबे का तेज बहाव नेपाल के भोटेकोसी-त्रिशूली नदी तंत्र में नीचे की ओर बढ़ा और कई बस्तियों, सड़कों, पुलों तथा बिजली परियोजनाओं को अपनी चपेट में ले लिया। नेपाल में 270 से अधिक मौतों की पुष्टि हो चुकी है, जबकि तिब्बत में 3 मौतों और 550 से ज्यादा लोगों के लापता होने की सूचना है। राहत-बचाव में 5,000 से अधिक कर्मियों को लगाया गया है।

राहत के लिए 20 अरब जुटाएगा नेपाल: नेपाल सरकार ने बाढ़ से हुए भारी नुकसान और राहत-पुनर्वास के लिए तत्काल 20 अरब नेपाली रुपए जुटाने की तैयारी की है। इसके साथ ही विश्व बैंक से करीब 25 अरब नेपाली रुपए तक की आपात सहायता पर भी चर्चा चल रही है। विश्व बैंक ने विभिन्न स्रोतों ■ शेष पृष्ठ 8 पर

बाढ़-भूस्खलन में फंसे छत्तीसगढ़ियों की मदद के लिए हेल्पलाइन जारी, साय ने जनहानि पर जताया दु:ख

रायपुर /नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार ने नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन के कारण फंसे राज्य के नागरिकों की सहायता और सुरक्षित वापसी के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नेपाल में प्राकृतिक आपदा से हुई जनहानि पर गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए कहा है कि संकट की इस घड़ी में भारत नेपाल के पीड़ितों के साथ एकजुटता के साथ खड़ा है। राज्य सरकार के अनुसार नेपाल में फंसे छत्तीसगढ़ के नागरिक अथवा उनके परिजन सहायता और आवश्यक जानकारी के लिए आपदा प्रबंधन हेल्पलाइन 1070 तथा दूरभाष 91-771-2223471 पर संपर्क कर सकते हैं।

नेपाल का सैलाब भारत तक, बिहार-यूपी-उत्तराखंड अलर्ट

नेपाल में आया जलप्रलय अब भारत के सीमावर्ती राज्यों के लिए भी चिंता का कारण बन गया है। भोटेकोसी का पानी त्रिशूली और फिर नारायणी नदी में पहुंचता है, जो भारत में प्रवेश करने के बाद गंडक कहलाती है। इसी वजह से बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के संवेदनशील इलाकों में नदियों की निगरानी बढ़ा दी गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्रियों से स्थिति और तैयारियों की समीक्षा की है। बिहार में गंडक के बढ़े बहाव के बाद निचले इलाकों से 4,000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित निकाला गया, हालांकि गुरुवार सुबह तक पानी का दबाव कम होने लगा था और तटबंध सुरक्षित बताए गए। उत्तर प्रदेश में गंडक, नारायणी, राप्ती और रोहिणी से जुड़े संवेदनशील इलाकों में सतर्कता बढ़ाई गई है। उत्तराखंड के चंपावत में शारदा नदी के आसपास एसडीआरएफ को अलर्ट पर रखा गया है।

बड़ी संख्या में तीर्थयात्री है लापता

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि नेपाल में 288 भारतीय नागरिक अभी संपर्क से बाहर हैं। इनमें त्रिशूली-1 पावर प्रोजेक्ट में काम करने वाले 73 भारतीय भी शामिल हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए तमिलनाडु के 37 और 49 यात्रियों के दो समूह, पश्चिम बंगाल के 32 लोगों का समूह, विभिन्न राज्यों के 61 नागरिक और केरल के 33 लोगों का समूह भी प्रभावित लोगों की सूची में है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि संचार व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित होने के कारण संपर्क नहीं हो पाना अपने आप में मृत्यु की पुष्टि नहीं है और आंकड़े लगातार अपडेट हो रहे हैं। चीन की ओर भी करीब 200 भारतीय कैलाश मानसरोवर यात्री फंसे हैं। भारतीय दूतावास चीनी अधिकारियों के संपर्क में है और अलग-अलग स्थानों पर मौजूद यात्रियों को सुरक्षित निकालने की कोशिश की जा रही है।

21 भारतीय बचाए गए दूतावासों में कंट्रोल रूम

विदेश मंत्रालय के मुताबिक तमिलनाडु के 21 भारतीयों को सुरक्षित बचा लिया गया है। काठमांडू और बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास प्रभावित भारतीयों और उनके परिजनों की सहायता के लिए लगातार काम कर रहे हैं। मंत्रालय ने नई दिल्ली में भी कंट्रोल रूम सक्रिय किया है। नेटवर्क और सड़क संपर्क टूटने के कारण कई लोगों की वास्तविक स्थिति की पुष्टि करने में मुश्किल आ रही है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने विदेश सचिव, विदेश मंत्रालय के अधिकारियों तथा काठमांडू और बीजिंग में भारतीय राजदूतों के साथ स्थिति की समीक्षा की है।

भारत ने दो विमानों से 47.5 टन मदद पहुंचाई

नेपाल की मदद के लिए भारत ने राहत अभियान तेज कर दिया है। पहले भारतीय वायुसेना के ष्ट-130छ्व विमान से 10 टन आपदा राहत सामग्री, दवाइयां, अस्थायी शेल्टर और अन्य जरूरी सामान भेजा गया। इसके बाद दूसरे विमान से 37.5 टन राहत सामग्री, दवाइयां और खाद्य सामग्री भेजी गई। इस तरह भारत अब तक 47.5 टन सहायता नेपाल पहुंचा चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री से बात कर हर संभव मदद का भरोसा दिया है। भारत ने कहा है कि नेपाल की जरूरत के मुताबिक राहत और बचाव सहायता आगे भी जारी रहेगी।

युवाओं और खिलाड़ियों से वर्चुअल संवाद

युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा प्लेग्राउंड चाहिए

■ ओलंपिक खेलों में भागीदारी बढ़ानी होगी, अभी से खिलाड़ी तैयार करें

नई दिल्ली/ए.। पीएम मोदी ने गुरुवार को 1,500 से ज्यादा जगहों पर युवाओं और खिलाड़ियों से वर्चुअल संवाद किया। उन्होंने कहा कि ओलंपिक के 20 से ज्यादा खेलों में भारत की भागीदारी नहीं रही। ओलंपिक में भारत की भागीदारी बढ़ानी होगी।

2036 ओलंपिक के लिए अभी से खिलाड़ी तैयार करें। मोदी ने कहा- 15 अगस्त को देश के सामने स्पोर्ट्स विजन रखा। यह सिर्फ मेडल जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि विकसित भारत और देश की खेल शक्ति बढ़ाने का अभियान है। पीएम ने कहा- मैं हमेशा कहता हूं- जो खेले, वो खिले। आज युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा स्पोर्ट्स सेंटर ■ शेष पृष्ठ 8 पर

नेशनल स्पोर्ट्स डे और मेजर ध्यानचंद पर: 29 अगस्त को नेशनल स्पोर्ट्स डे मनाया जाता है। यह महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को याद करने का दिन है। करीब 100 साल पहले भारतीय सेना की हॉकी टीम न्यूजीलैंड गई थी, जिसमें ध्यानचंद भी शामिल थे। भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को आज और मजबूत किया जा रहा है।

खेलो इंडिया संवाद पर: सरकार मजबूत स्पोर्ट्स इकोसिस्टम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। खेलो इंडिया संवाद में युवा खेल, गवर्नेंस और विकसित भारत पर सुझाव दे सकेंगे। उनके विचार देश को आगे बढ़ाएंगे।

शीतल और अवनी लेखरा की उपलब्धि पर: शीतल के आर्चरी मेडल और अवनी लेखरा के दो मेडल ने जम्मू-कश्मीर और देश को गौरवान्वित किया। झंडू कुमार समेत कई पैरा एथलीट प्रेरणा दे रहे हैं। फौजा सिंह ने 100 साल की उम्र के बाद भी फिटनेस की मिसाल पेश की।

ओलंपिक में नए खेलों पर: देश के हर जिले में खेल प्रतिभाएं हैं। ओलिंपिक के 20 से ज्यादा खेलों में भारत की भागीदारी नहीं रही है, जबकि दूसरे देश मेडल जीत रहे हैं। भारत को नए खेलों में भी आगे बढ़ना होगा। लंबी समुद्री तटरेखा के बावजूद सर्फिंग में भारत अभी पीछे है।

फंडामेंटल्स ऑफ जेनेटिक्स की परीक्षा भी रद्द, जांच के लिए पुलिस को पत्र

नवप्रदेश लगातार

रायपुर/नवप्रदेश। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में पेपर लीक के मामले लगातार बढ़ते जा रहें हैं। बुधवार को लगाए गए पेपर लीक के आरोप में बड़ा अपडेट सामने आया ■ शेष पृष्ठ 8 पर

परीक्षा से पहले वायरल हुई थी प्रश्नपत्र की पीडीएफ

जानकारी के अनुसार, 19 अगस्त को सुबह 10 बजे होने वाली 'फंडामेंटल्स ऑफ जेनेटिक्स' की परीक्षा से करीब 5 घंटे पहले प्रश्नपत्र की पीडीएफ छात्रों के बीच वायरल होने का मामला सामने आया था। वायरल पीडीएफ में मौजूद सवालों और परीक्षा में पूछे गए सवालों के एक जैसे होने का दावा किया गया था। पीडीएफ में प्रश्नपत्र के तीनों पार्ट के सवाल मौजूद थे। वहीं 6 नंबर वाले लॉन्ग आंसर वाले प्रश्न और उनके उत्तर भी इसमें होने की बात सामने आई थी। मामला सामने आने के बाद विश्वविद्यालय प्रबंधन ने जांच के लिए तेलीबांधा पुलिस को पत्र लिखा था।

अब तक तीन परीक्षाएं रद्द

इंदिरा गांधी कृषि विवि में पेपर लीक से जुड़े मामले में अब तक कुल तीन परीक्षाएं रद्द की जा चुकी हैं। इससे पहले 7 अगस्त को आयोजित बीएससी कृषि प्रथम वर्ष की प्लांट पैथोलॉजी और 20 अगस्त को आयोजित बीएससी कृषि द्वितीय वर्ष की एंटोमोलॉजी परीक्षा को निरस्त किया गया था। अब 19 अगस्त की 'फंडामेंटल्स ऑफ जेनेटिक्स' परीक्षा भी रद्द कर दी गई है।

आज बेबाक

घर - घर की यही कहानी है। महंगाई ने सबका जीना मुहाल कर रखा है। हर गृहणी रूंधे गले से यही गा रही है - सखी सैंया तो खूब ही कमात हैं महंगाई डायन खाए जात है...। इधर सरकार यही दावा कर रही है कि आल इज वैल। शक्कर ही नहीं खाद्य तेल से लेकर आलू - प्याज सहित तमाम दैनिक उपयोग की वस्तुएं लोगों की पहुंच से बाहर हो रही है। आमदनी चवन्नी और खर्चा रुपैया वाली स्थिति बन गई है। सरकार से नाउम्मीद लोग महंगाई से ही पूछ रहे हैं - हाय महंगाई तू कहां से आई, तुझे क्यों मौत न आई...।

कस्टडी में मौत पर सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर, सुको ने मांगी जांच रिपोर्ट

■ सिर में चोट से हुई थी श्रवण की मौत, सुप्रीम कोर्ट ने 13 अक्टूबर से पहले मांगी जांच रिपोर्ट

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिलासपुर में जनवरी 2024 में श्रवण सूर्यवंशी उर्फ सरवन तामरे की हिरासत के बाद हुई मौत के मामले में सीबीआई ने हत्या की एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सुप्रीम कोर्ट के 12 अगस्त 2026 के आदेश के बाद यह कार्रवाई की गई। फिलहाल एफआईआर में आरोपियों के नाम की जगह अज्ञात व्यक्ति दर्ज हैं। कोर्ट ने ■ शेष पृष्ठ 8 पर

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल पर आपत्तिजनक टिप्पणी, सार्वजनिक माफी मांगनी होगी

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रामेन डेका के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में हाईकोर्ट ने प्रणव कलिता और लक्ष्यधर राजबोंगसी को शर्तों के साथ राहत दी है। कोर्ट ने दोनों को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने, फेसबुक पर प्रमुखता से माफीनामा पोस्ट करने और आपत्तिजनक सामग्री हमेशा के लिए हटाने का निर्देश दिया है। दोनों ने अपने फेसबुक अकाउंट पर असमिया भाषा में राज्यपाल के खिलाफ कथित आपत्तिजनक पोस्ट

और कार्टून साझा किए थे। शिकायत के बाद राजभवन की ओर से रायपुर के सिविल लाइंस थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इसे रद्द कराने के लिए दोनों ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई। सुनवाई के दौरान 14 अगस्त 2026 को याचिकाकर्ताओं ने बिना शर्त माफी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

जशपुर में 'अंतरिक्ष संगवारी' के लिए पहल, चयनित विद्यार्थियों को मिलेगा विशेष प्रशिक्षण

10 हजार बच्चों में खोजे जाएंगे भावी अंतरिक्ष यात्री

■ बेंगलुरु भ्रमण के साथ अंतरिक्ष यात्री शुभांशु से संवाद का भी अवसर

रायपुर/नवप्रदेश। जशपुर के स्कूली विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गुरुवार को कैम्प कार्यालय बगिया में 'अंतरिक्ष संगवारी' पहल का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम के तहत जिले के सभी 8 विकासखंडों के कक्षा 8वीं से 12वीं तक के करीब 10 हजार विद्यार्थियों की स्क्रीनिंग की जाएगी। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

अंतरिक्ष संगवारी

- 10,000 विद्यार्थी – जिलेभर में होगी स्क्रीनिंग
- कक्षा 8वीं से 12वीं – विद्यार्थी होंगे शामिल
- 8 विकासखंड – जशपुर जिले के सभी ब्लॉक शामिल
- 15 सितंबर – पंजीयन की अंतिम तिथि
- 26 सितंबर – चयन परीक्षा
- 27 से 29 सितंबर – मूल्यांकन और साक्षात्कार
- 1 से 7 अक्टूबर – रायपुर में विशेष प्रशिक्षण
- 15 अक्टूबर से – प्रस्तावित बेंगलुरु भ्रमण
- 26 अक्टूबर – पुरस्कार समारोह

परीक्षा-साक्षात्कार से होगा चयन

कार्यक्रम में कक्षा 8वीं से 12वीं तक के लगभग 10 हजार विद्यार्थियों की स्क्रीनिंग की जाएगी। 15 सितंबर तक पंजीयन किया जा सकेगा। इसके बाद 26 सितंबर को परीक्षा और 27 से 29 सितंबर के बीच मूल्यांकन व साक्षात्कार होंगे। चयनित विद्यार्थियों के लिए 1 से 7 अक्टूबर तक रायपुर में विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। इसके बाद 15 अक्टूबर से प्रस्तावित बेंगलुरु यात्रा में विद्यार्थियों को अंतरिक्ष एवं विज्ञान से जुड़े संस्थानों और गतिविधियों को नजदीक से समझने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम का समापन 26 अक्टूबर को पुरस्कार समारोह के साथ होगा।

कोपेडीह में महुआ शराब के अड्डों पर पुलिस का धावा, 5 आरोपी गिरफ्तार, 210 लीटर शराब जब्त

धमतरी/नवप्रदेश। अवैध कच्ची महुआ शराब के खिलाफ धमतरी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भखारा थाना क्षेत्र के ग्राम कोपेडीह में एक साथ दबिश देकर 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने तीन अलग-अलग प्रकरणों में आरोपियों के कब्जे से 210 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब जब्त की है, जिसकी कीमत करीब 21 हजार रुपये बताई गई है। कार्रवाई के बाद सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक धमतरी श्रीमती भावना पांडेय के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री डी.सी. पटेल के मार्गदर्शन में भखारा पुलिस द्वारा अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और भंडारण के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत ग्राम कोपेडीह में थाना भखारा की अलग-अलग टीमों ने दबिश देकर तीन अलग-अलग मामलों में कार्रवाई की।

20 वर्षीय युवक भी शराब के साथ गिरफ्तार

अपराध क्रमांक 106/2026 में पुलिस ने राम कुमार माथुर पिता उतरा माथुर, उम्र 20 वर्ष, निवासी कोपेडीह को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 50 लीटर महुआ शराब, कीमत 5 हजार रुपये, जब्त की गई। इस मामले में भी धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। इस तरह भखारा पुलिस की तीन अलग-अलग कार्रवाइयों में कुल 5 आरोपियों से 210 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब जब्त की गई।

पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। धमतरी पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं भंडारण के खिलाफजीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

एक ही मामले में तीन आरोपी दबोचे गए

अपराध क्रमांक 105/2026 में पुलिस ने अशोक माथुर पिता विट्ठल राम माथुर, उम्र 54 वर्ष, संदीप कुमार माथुर पिता अशोक माथुर, उम्र 29 वर्ष तथा सुनील कुमार माथुर पिता अशोक माथुर, उम्र 35 वर्ष, सभी निवासी ग्राम कोपेडीह को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से 110 लीटर हाथ भट्टी से निर्मित कच्ची महुआ शराब बरामद हुई, जिसकी कीमत 11 हजार रुपये है।

50 लीटर शराब के साथ गोवर्धन गिरफ्तार

अपराध क्रमांक 104/2026 में पुलिस ने गोवर्धन चंदेल पिता उत्तम चंदेल, उम्र 40 वर्ष, निवासी कोपेडीह को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 50 लीटर महुआ शराब, जिसकी कीमत 5 हजार रुपये है, जब्त की गई। मामले में धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

न्यूज गैलरी

जल संरक्षण के लिए 10 हजार ट्रेंच सह बंधान निर्माण का लक्ष्य

बेमेतरा/नवप्रदेश। जनपद पंचायत बेरला क्षेत्र में जल संरक्षण एवं जल संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए विकसित भारत की गारंटी–जी राम जी योजना के अंतर्गत विभिन्न जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता के साथ कराया जा रहा है। वर्तमान वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए वर्षा जल के अधिकतम संचयन और भू-जल स्तर में वृद्धि के उद्देश्य से ग्राम पंचायतों में व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बेरला सुश्री दिव्या ठाकुर ने बताया कि जल संरक्षण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके तहत सोख्ता गड्ढे, सैंड फिल्टर, पौधरोपण, वाटर हार्वेस्टिंग सहित अन्य जल संरक्षण कार्य लगातार कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जनपद पंचायत बेरला क्षेत्र में वर्षा जल के संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन के लिए लगभग 10 हजार ट्रेंच सह बंधान (स्ट्रञ्ज) निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इन कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। ट्रेंच सह बंधान के निर्माण से वर्षा जल को भूमि में रोकने और उसके भू-जल में पुनर्भरण को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

महामाया मंदिर में शिव-पार्वती विवाह उत्सव, जयघोष से गूंजा परिसर

महासमुंद/नवप्रदेश। सावन माह के पावन अवसर पर महामाया मंदिर परिसर में एक माह तक चल रहे श्रावणी पूजा एवं

विशेष रुद्राभिषेक कार्यक्रम के तहत 25 अगस्त को भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। यजमान श्रीमती सीतादेवी मनोजकांत साहू परिवार द्वारा आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से सहभागिता की। इस अवसर पर नगर के विद्वान पुरोहित पंडित पंकज तिवारी ने भगवान शिव की महिमा, उनके दिव्य स्वरूप तथा शिव-पार्वती विवाह की पौराणिक कथा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि सावन माह में भगवान शिव की आराधना और रुद्राभिषेक का विशेष महत्व है। श्रद्धा एवं भक्ति के साथ की गई शिव आराधना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। शिव-पार्वती विवाह उत्सव के दौरान महामाया मंदिर परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया था। बड़ी संख्या में नगर के धर्मप्रेमी नागरिक, माताएं-बहनें और युवा श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हुए। धार्मिक अनुष्ठान और विवाह उत्सव के दौरान गूंजते 'हर-हर महादेव' के जयघोष से पूरा मंदिर परिसर शिवमय हो गया।

अवैध शराब के खिलाफ पुलिस का अभियान तेज, चार आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले में अवैध महुआ शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन के खिलाफपुलिस का विशेष अभियान लगातार

जारी है। इसी क्रम में पुलिस ने सरायपाली, सिंघोड़ा और पिथौरा थाना क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान 22.190 लीटर अवैध महुआ व देशी शराब, जिसकी कुल कीमत 4,540 रुपये है, जब्त की गई। सरायपाली थाना क्षेत्र के ग्राम बालसी में पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर विक्रम रात्रे (23) को 10 लीटर महुआ शराब के साथ पकड़ा। जब्त शराब की कीमत करीब 2,000 रुपये बताई गई है। आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत कार्रवाई की गई। सिंघोड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम कंवरपाली में पुलिस ने नेहरू लाल रौतिया (68) के घर की बाड़ी में दबिश दी। यहां बिक्री के लिए रखी 12 लीटर महुआ शराब बरामद हुई, जिसकी कीमत करीब 2,400 रुपये है। आरोपी के खिलाफधारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

पर्यटन, आजीविका, स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं के विकास पर दिया जोर

कलेक्टर ने दूरस्थ अंचलों का सघन भ्रमण कर विकास कार्यों का लिया जायजा

धमतरी/नवप्रदेश। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जयंत नाहटा ने जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों का सघन भ्रमण कर विकास कार्यों, पर्यटन स्थलों, आजीविका गतिविधियों, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन का जायजा लिया। लगभग एक दर्जन गांवों के भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों एवं हितग्राहियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं, आवश्यकताएं और सुझाव सुने तथा संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सर्वप्रथम कुकरेल पहुंचकर मछली पालन गतिविधियों का निरीक्षण किया। उन्होंने मत्स्य पालन से जुड़े हितग्राहियों से चर्चा कर उत्पादन, आय, बाजार व्यवस्था और गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए

कि मछली पालन से जुड़े हितग्राहियों को तकनीकी मार्गदर्शन, गुणवत्तापूर्ण मत्स्य बीज, प्रशिक्षण और बाजार उपलब्ध कराने की समुचित व्यवस्था की जाए, ताकि उनकी आय में निरंतर वृद्धि हो सके।

इसके बाद मॉडमसिल्ली में जल संसाधन विभाग द्वारा पर्यटकों की सुविधा के लिए विकसित किए जा रहे गार्डन का निरीक्षण किया। उन्होंने गार्डन के बेहतर रखरखाव, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, शौचालय और पर्यटकों के लिए आवश्यक अन्य सुविधाओं के संबंध में संबंधित समिति से चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि पर्यटन स्थलों पर नियमित साफ सफाई, सुरक्षा और रखरखाव की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता को ध्यान में रखते हुए पर्यटन सुविधाओं का विकास इस तरह किया जाए, जिससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आजीविका के नए अवसर सृजित हों। उरपुटी में प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत निर्मित आवासों का निरीक्षण कर कलेक्टर ने हितग्राहियों से योजना के लाभ एवं आवास निर्माण की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवास निर्माण से संबंधित शेष कार्यों को शीघ्र पूरा कराया जाए तथा पात्र परिवारों को बिजली, पानी, सड़क, शौचालय और अन्य मूलभूत सुविधाओं से भी जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से कमजोर एवं दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले पात्र परिवारों तक शासन की योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से पहुंचना चाहिए। भोथापारा में वीबीआरएमजी के तहत निर्मित आजीविका डबरी का अवलोकन किया गया। इस डबरी में 17 हितग्राहियों द्वारा मछली पालन किया जा रहा है। डबरी में रोहू, कतला एवं झींगा आदि मछलियों के बीज डाले गए हैं। कलेक्टर ने हितग्राहियों से चर्चा कर मछली पालन से होने वाली आय, उत्पादन और विपणन व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि हितग्राहियों को नियमित तकनीकी मार्गदर्शन, मत्स्य आहार, प्रशिक्षण और बाजार से जोड़ने की व्यवस्था की जाए, ताकि यह गतिविधि स्थायी एवं लाभदायक आजीविका का माध्यम बन सके।

रक्षाबंधन का शगुन भाजपा ने निभाया बहनों से किया वादा

महतारी वंदन नहीं, भरोसे की राखी है: रंजना साहू ने रक्षाबंधन पर्व पर मुख्यमंत्री का जताया आभार

धमतरी/नवप्रदेश। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश की बहनों के लिए बड़े भाई का फर्ज निभाते हुए महतारी वंदन योजना की सितम्बर माह की 31वीं किश्त जारी कर बहनों को रक्षाबंधन का उपहार दिया। जशपुर में आयोजित विष्णु भैया संग बहनों का रक्षाबंधन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने यह सौगात प्रदान की। इस अवसर पर क्षेत्र की बहनों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की कलाई पर राखी बांधकर उनके प्रति स्नेह, विश्वास और आत्मीयता प्रकट की। वहीं मुख्यमंत्री ने बहनों के खातों में महतारी वंदन योजना की आगामी किश्त की राशि जारी कर रक्षाबंधन के पर्व को और खास बना दिया। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी की पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर समय पूर्व बहनों को महतारी वंदन की 31वीं किश्त जारी करना प्रदेश की मातृशक्ति के प्रति सरकार के सम्मान और संवेदनशीलता को दर्शाता है।श्रीमती रंजना साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बड़े भाई का फर्ज निभाते हुए रक्षाबंधन के पावन अवसर पर प्रदेश की बहनों को आर्थिक संबल का उपहार दिया है। महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त, आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार महिला सशक्तिकरण और मातृशक्ति के सम्मान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। रक्षाबंधन पर बहनों के खातों में राशि पहुंचना सरकार की संवेदनशील सोच और बहनों के प्रति अपनेपन का प्रमाण है।

तमिलनाडु में बंधक बनाए गए महासमुंद के चार श्रमिक मुक्त

स्थानीय प्रशासन के समन्वय से रेस्क्यू; जल्द लौटेंगे महासमुंद

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले के सरायपाली तहसील अंतर्गत ग्राम बरिहापाली के श्रमिकों को तमिलनाडु में बंधक बनाए जाने की शिकायत पर जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें सुरक्षित मुक्त करा लिया है। गुरुवार शाम करीब 5 बजे रेस्क्यू टीम और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से श्रमिकों को बंधन से मुक्त कराया गया। प्रशासनिक एवं कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उनके देर रात अथवा शुक्रवार को महासमुंद के लिए रवाना होने की संभावना है।

परसों तक उनके जिले में पहुंचने की उम्मीद है।

पत्नी की शिकायत पर प्रशासन ने दिखाई तत्परताजानकारी के अनुसार बरिहापाली के पुनीत राम यादव (65) सहित उनके परिवार के सदस्य रोजगार के लिए तमिलनाडु के नमक्कल जिले के परामती वेलुर तहसील अंतर्गत ग्राम परिवेसोलीपालयम गए थे। वहां काम करने के दौरान श्रमिकों को कार्य पसंद नहीं आया और वे वापस गांव लौटना चाहते थे। आरोप है कि ठेकेदार ने उन्हें वापस भेजने से इनकार कर दिया, जिसके बाद परिजनों ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई।

पुनीत राम यादव की पत्नी मीना यादव ने सरायपाली एसडीएम मनोज कुमार खांडे के समक्ष आवेदन देकर अपने पति और अन्य श्रमिकों को वापस लाने की मांग की थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई शुरू की।

वापसी की तैयारियां जारी

श्रम पदाधिकारी डीएन पात्र ने बताया कि श्रमिकों को तमिलनाडु के वेलुर तहसील क्षेत्र में मुक्त करा लिया गया है। मौके पर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। प्रक्रिया पूरी होने के बाद श्रमिकों के महासमुंद रवाना होने की संभावना है।

एससी-एसटी की सूची के विस्तार को बताया सामाजिक न्याय की संवैधानिक प्रक्रिया

शासन से आरक्षण के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अनुभवजन्य आंकड़े जुटाने की मांग की

महासमुंद/नवप्रदेश। एससी एवं एसटी की सूची में समय-समय पर हुए विस्तार को लेकर अधिवक्ता सुमीत सिंह ढिल्लों ने इसे सामाजिक न्याय और वास्तविक समानता के संवैधानिक सिद्धांत की अभिव्यक्ति बताया है। उन्होंने कहा कि यह धारणा भ्रामक है कि 1950 के बाद एससी एवं एसटी की सूची में किया गया विस्तार केवल राजनीतिक उद्देश्यों से हुआ है। उनके अनुसार सूची में बदलाव संविधान द्वारा निर्धारित

प्रक्रिया के तहत सामाजिक ास्तविकताओं और वंचित समुदायों की पहचान से जुड़ा विषय है। अधिवक्ता ढिल्लों के अनुसार संविधान के अनुच्छेद 341(1) एवं 342(1) के तहत 1950-51 में जारी प्रारंभिक राष्ट्रपति आदेशों का दायरा तत्कालीन परिस्थितियों और उपलब्ध सामाजिक-प्रशासनिक आंकड़ों तक सीमित था। उस समय रियासती क्षेत्रों, विशेषकर भाग-ग राज्यों तथा जनजातीय बहुल क्षेत्रों में व्यवस्थित जनसांख्यिकीय सर्वेक्षण एवं जनगणना संबंधी जानकारी का अभाव था। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माताओं ने इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए संसद को एससी एवं एसटी की सूचियों में संशोधन, समावेशन और अपवर्जन की संवैधानिक शक्ति प्रदान की। इसलिए 1950 के बाद सूची में हुआ विस्तार किसी नई जाति के मनमाने सृजन का विषय नहीं, बल्कि संवैधानिक व्यवस्था के अंतर्गत समय के साथ सामाजिक वास्तविकताओं को समायोजित करने की प्रक्रिया है। अधिवक्ता ने कहा कि भारतीय संविधान केवल औपचारिक समानता की अवधारणा तक सीमित नहीं है, बल्कि वास्तविक समानता को सुनिश्चित करने का प्रयास करता है। उनका तर्क है कि असमान परिस्थितियों में मौजूद लोगों के साथ समान व्यवहार करना अपने आप में असमानता को कायम रख सकता है। वास्तविक समानता का उद्देश्य ऐतिहासिक और सामाजिक रूप से वंचित वर्गों को प्रभावी अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें बराबरी की स्थिति में लाना है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न निर्णयों का उल्लेख करते हुए कहा कि आरक्षण समानता के सिद्धांत का अपवाद नहीं, बल्कि वास्तविक समानता हासिल करने का एक माध्यम है।

छत्तीसगढ़ में पूर्व-सैनिक करेंगे बाल-संप्रेक्षण गृह की सुरक्षा, सरकार ने हाईकोर्ट में शपथ-पत्र दिया

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बाल संप्रेक्षण गृह की बदहाल सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए पूर्व सैनिकों की सेवाएं लेने की तैयारी चल रही है। चाइल्ड ऑफ सेफ्टी सेल की सुरक्षा पर उठे सवाल और जनहित याचिका पर राज्य शासन ने हाईकोर्ट में शपथ-पत्र दिया है।

जिसमें कहा है कि पूर्व सैनिकों की नियुक्ति के लिए सैनिक कल्याण बोर्ड को पत्र लिखा गया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने जनहित याचिका पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को भी पक्षकार बनाने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 24 सितंबर को होगी। दरअसल, 11 जुलाई की रात बिलासपुर में नूतन चौक स्थित बाल संप्रेक्षण गृह में चौकीदार की हत्या कर दी गई। बताया गया कि यहां के चार नाबालिग लड़कों ने मिलकर उसकी जमकर पिटाई की थी, जिसके बाद उसके हाथ-पैर बांध कर गला दबाकर हत्या कर दी। इस मामले में जमकर बवाल हुआ और धरना प्रदर्शन भी किया। हाईकोर्ट ने इसे गंभीरता से लेते हुए प्रदेश के बाल संप्रेक्षण गृह की सुरक्षा पर सवाल उठाते हुए जनहित याचिका के रूप में सुनवाई शुरू की है। शासन का जवाब- सैनिक कल्याण बोर्ड को लिखा पत्र जनहित याचिका पर राज्य सरकार ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए उठाए गए कदमों का विस्तृत ब्यौरा पेश किया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने शपथ पत्र पेश कर बताया कि संस्थानों की सुरक्षा बढ़ाने, सुरक्षा ऑडिट कराने और सुरक्षा के लिए पूर्व सैनिकों की सेवाएं लेने के संबंध में सैनिक कल्याण बोर्ड से पत्राचार किया गया है। 156 पूर्व सैनिकों तैनात करने की है योजना हाईकोर्ट में बताया गया कि महिला एवं बाल विकास विभाग ने सभी जिला कलेक्टर्स, डीजीपी और होमगार्ड्स डीजी को संस्थानों की सुरक्षा ऑडिट व पुख्ता इंतजाम के निर्देश जारी किए हैं। 26 संस्थानों में 156 पूर्व सैनिकों की तैनाती व सेवाओं के संबंध में सैनिक कल्याण बोर्ड से जानकारी मांगी गई है। गश्त व पेट्रोलिंग करने के निर्देश पीएचक्यू ने सभी एसपी को नियमित पेट्रोलिंग, रात्रि गश्त, संस्थानों के स्टाफ का पुलिस वेरिफिकेशन, नोडल अधिकारी की नियुक्ति, मॉक ड्रिल और मासिक समीक्षा करने को कहा है। जेजे एक्ट, पॉक्सो और मिशन वात्सल्य के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों, काउंसलर्स और हाउस मदर्स/फादर्स के लिए आवासीय ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किए गए। महासमुंद और बिलासपुर से भागे अधिकांश बच्चे मिले सरकार ने हाईकोर्ट को बताया कि महासमुंद बाल देखरेख संस्थान से भागे 8 बच्चों में से 5 को बरामद कर लिया गया है, जबकि बाकी 3 की तलाश जारी है। वहीं बिलासपुर संस्थान से भागे 4 बच्चों में से 3 को वापस लाया जा चुका है और बचे 1 बच्चे की तलाश की जा रही है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय से मांगा गया जवाब हाईकोर्ट में केंद्र सरकार की तरफ से बताया गया कि जुवेनाइल और बाल संप्रेक्षण गृहों का प्रबंधन केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में आता है, इस पर हाईकोर्ट ने केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को पक्षकार बनाने का निर्देश दिया। कोर्ट ने सुरक्षा व्यवस्था व 156 सुरक्षा गार्डों की तैनाती के वित्तीय भार/मदद पर स्थिति स्पष्ट करते हुए व्यक्तिगत शपथ पत्र देने को कहा है।

न्यूज गैलरी

श्रीगंगानगर-पुरी एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी-3 कोच

बिलासपुर/नवप्रदेश। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा व अधिकाधिक यात्रियों को कंफर्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से गुजरने वाली गाड़ी 20471/20472 श्री गंगानगर-पुरी-श्री गंगानगर एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी-3 कोच की सुविधा अस्थायी रूप से उपलब्ध कराई जा रही है । इस व्यवस्था के तहत श्री गंगानगर से चलने वाली गाड़ी संख्या 20471 श्री गंगानगर-पुरी एक्सप्रेस में दिनांक 06 से 27 सितम्बर 2026 तक तथा पुरी से चलने वाली गाड़ी संख्या 20472 पुरी-श्री गंगानगर एक्सप्रेस में दिनांक 09 से 30 सितम्बर 2026 तक एक अतिरिक्त एसी थ्री कोच की सुविधा अस्थायी रूप से उपलब्ध रहेगी। इस सुविधा की उपलब्धता से इस गाड़ी में यात्रा करने वाले अधिकाधिक यात्री लाभान्वित होंगे ।

धरना-प्रदर्शन की तैयारी बैठक 30 को

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ जिला शाखा बिलासपुर की आवश्यक एवं मासिक बैठक 30 अगस्त को दोपहर 2.30 बजे कर्मचारी भवन, कंपनी गार्डन के सामने आयोजित की जाएगी। बैठक में आगामी 30 सितंबर को प्रस्तावित संभागीय धरना-प्रदर्शन एवं रैली की तैयारियों को लेकर रणनीति पर चर्चा की जाएगी।

संघ के जिला अध्यक्ष किशोर शर्मा ने बताया कि 2 अगस्त को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष, रायपुर में आयोजित साधारण सभा की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार 30 सितंबर को संभागीय स्तर पर धरना-प्रदर्शन और रैली आयोजित की जानी है। इसे लेकर बिलासपुर जिले के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ बैठक में आवश्यक तैयारियों, जिम्मेदारियों और आगामी कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक में शिक्षकों के लिए टेट की अनिवार्यता तथा रोकी गई पदोन्नति के मुद्दे पर भी चर्चा की जाएगी।

इसके अलावा संघ की नई नियमावली के अनुसार आजीवन एवं वार्षिक सदस्यता अभियान को गति देने को लेकर रणनीति तैयार की जाएगी।

कलाई पर बंधने वाली राखी भले ही धागे की होती है, इसके साथ जुड़ी भावनाएं जीवनभर के रिश्ते को मजबूती देती है

रक्षाबंधन पर सजे रिश्तों के धागे, भाई-बहन के स्नेह से महकेगा आज शहर

बिलासपुर/नवप्रदेश। सावन की रिमझिम फुहारों और उत्सवी उल्लास के बीच रक्षाबंधन का पर्व एक बार फिर भाई-बहन के अटूट स्नेह, विश्वास और भावनाओं को मजबूत करने आ पहुंचा है। कलाई पर बंधने वाली राखी भले ही धागे की होती है, लेकिन इसके साथ जुड़ी भावनाएं जीवनभर के रिश्ते को मजबूती देती हैं। बहनों के लिए यह केवल राखी बांधने का दिन नहीं, बल्कि बचपन की यादों को संजोने और भाई की खुशहाली की कामना करने का अवसर है। वहीं भाइयों के लिए बहन की रक्षा, सम्मान और हर परिस्थिति में उसके साथ खड़े रहने के संकल्प का पर्व है। रक्षाबंधन को लेकर शहर से लेकर गांव तक उत्साह का माहौल है। बाजारों में रंग-बिरंगी राखियों की दुकानें सज गई हैं। बच्चों के लिए कार्टून और आकर्षक डिजाइन वाली राखियों से लेकर युवाओं के लिए स्टाइलिश और पारंपरिक राखियों की मांग है। बहनों ने भाइयों के लिए राखी के साथ मिठाई, कपड़े, उपहार और उनकी पसंद की दूसरी चीजें खरीदनी शुरू कर दी हैं। दूर रहने वाले भाई-बहनों ने भी पर्व पर घर पहुंचने की तैयारी की है। राखी में बंधा बचपन, यादों में लौटता भाई-बहन का संसाररक्षाबंधन का सबसे खूबसूरत पक्ष यह है कि उम्र बढ़ने के साथ भाई-बहन की जिंदगी भले अलग-अलग दिशाओं में आगे बढ़ जाए, लेकिन राखी का धागा उन्हें फिर बचपन की उन्हीं गलियों में ले जाता है। बचपन में छोटी-छोटी बातों पर होने वाली नोकझोंक, एक-दूसरे की शिकायतें, साथ खेलना और माता-पिता से डांट खाने के बाद फिर साथ हो जाना–ये यादें रक्षाबंधन के दिन ताजा हो उठती हैं।बहन जब भाई की कलाई पर राखी बांधती है तो उसके पीछे केवल परंपरा नहीं, बल्कि बचपन से लेकर आज तक साझा किए गए अनगिनत सुख-दुख की कहानी होती है। भाई भी बहन को उपहार देकर उसके प्रति अपने स्नेह का इजहार करता है। यही कारण है कि रक्षाबंधन का रिश्ता केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि भावनाओं का रिश्ता माना जाता है। आज रोजगार, पढ़ाई और कारोबार के कारण बड़ी संख्या में भाई-बहन अलग-अलग शहरों और राज्यों में रहते हैं।

कई परिवारों में भाई विदेश या दूसरे राज्यों में नौकरी करते हैं तो बहनें भी विवाह के बाद दूसरे शहरों में चली जाती हैं। ऐसे में रक्षाबंधन का पर्व उनके लिए और भी खास हो जाता है।जो भाई-बहन एक-दूसरे तक नहीं पहुंच पाते, वे कुरियर और डाक के माध्यम से राखियां और उपहार भेज रहे हैं। मोबाइल वीडियो कॉल ने भी पर्व को नई सुविधा दी है। बहनें दूर बैठे भाइयों की कलाई पर ऑनलाइन शुभकामनाओं के साथ राखी बांधने की रस्म निभा रही हैं।

खेल अलंकरण के लिए 82 खिलाड़ी प्रशिक्षक और निर्णायक चयनित

बिलासपुर/नवप्रदेश। राज्य शासन ने खेल अलंकरणों के लिए चयनित खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों की सूची जारी कर दी है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2023-24, 2024-25 और 2025-26 के लिए कुल 82 खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं निर्णायकों को पुरस्कार और सम्मान प्रदान किया जाएगा। वहीं मुख्यमंत्री ट्रॉफी के लिए पांच दलों के कुल 43 खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों का चयन किया गया है। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 29 अगस्त को राजधानी रायपुर में राज्य अलंकरण समारोह आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय चयनित खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों को राज्य अलंकरण प्रदान करेंगे। समारोह में उप मुख्यमंत्री एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव अध्यक्षता करेंगे। राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में शहीद राजीव पाण्डेय पुरस्कार, शहीद कौशल यादव पुरस्कार, वीर हनुमान सिंह पुरस्कार, शहीद पंकज विक्रम सम्मान और शहीद विनोद चौबे सम्मान के लिए चयनित खिलाड़ियों एवं खेल से जुड़े प्रतिभावान व्यक्तियों को पुरस्कृत किया जाएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ट्रॉफी के लिए चयनित पांच दलों के खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को भी सम्मानित किया जाएगा। राज्य शासन द्वारा खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों तथा निर्णायकों के योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से यह राज्य अलंकरण समारोह आयोजित किया जा रहा है।

अमाली मार्ग पर ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

बिलासपुर/करगीरोड/नवप्रदेश। कोटा के ग्राम पंचायत अमाली में कोटा से अमाली जाने वाले मार्ग पर कोलवाशरी के भारी वाहनों चलने से लगभग एक से डेढ़ किलोमीटर सड़क में बड़े बड़े गड्ढे तालाब नुमा बन गया था जिसमें अमाली, लमकनिहापारा,लमेरपारा, बिल्ली बंद, पोड़ी नवागांव, जाने और आने वाले ग्रामीणों को काफी परेशानी सामना करना पड़ा है ,वहीं लोकनिर्माण विभाग द्वारा समय-समय पर ध्यान नहीं दिया जाता है ना मौके पर अधिकारी भी नहीं जाते, अधिकारियों की अनदेखी के कारण सड़क पर गड्ढे और दलदल नज़र आ रहे हैं, स्थानीय ग्रामीणों को चारपहिया वाहन, मोटरसाइकिल,के साथ साथ पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है , समय पर अपने निर्धारित काम पर नहीं पहुंच पाते थे, अमाली सरपंच, और ग्रामीणों ने अमाली के मुख्य मार्ग से होकर गुजरने वाले भारी वाहनों से सड़क की सड़क स्थिति दल दल और बड़े बड़े गड्ढे बन गया है,कोलवाशरी प्रबंधन को मंगलवार को सरपंच और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सड़क को आम जनता के चलने के लिए जल्द ही बनाने के सहयोग करने कहा तो प्रबंधन का कहना था की खतवा फाटक से अमाली कोटा जाने वाले मार्ग जनप्रतिनिधियों नई सड़क बनाने की मांग पर केन्द्रित राज्य मंत्री ने छत्तीसगढ़ शासन को पत्र लिखा है, जल्द ही सड़क बन जायेंगी,कोलवाशरी प्रबंधन ने सड़क बनाने में कोई सहयोग नहीं करने की बात ही और जहां शिकायत करना है कर लो हम सड़क नहीं बनायेंगे, वहीं ग्राम पंचायत अमाली सरपंच और ग्रामीण ने बड़ी संख्या में कोलवाशरी जाने वाले रास्ते पर मंगलवार को 1 बजे से जेसीबी मशीन से सड़क के बीचोंबीच बड़ा सा गड्ढा खोदकर सड़क पर भारी वाहनों की आवा-जाही को बंद कर जाम कर दिया सड़क में भारी वाहनों की लम्बी लाइन लग गई वहीं कोटा रतनपुर मुख्य मार्ग पर भी भारी वाहनों की लम्बी लाइन दिखाई दे रहा था, आक्रोशित ग्रामीणों ने कहा कि जब तक सड़क नहीं बनायेंगे तब तक भारी वाहनों को जाने नहीं देंगे वहीं सड़क पर बड़ी संख्या ग्रामीण , जनप्रतिनिधि, हाई स्कूल-कॉलेज छात्र छात्राओं ने भी धरना दिया था , वहीं मौके पर शांति व्यवस्था और कोई अप्रिय घटना ना घटे मौके पर सूचना मिलने के बाद कोटा थाना प्रभारी शशीकांत भरद्वाज ने ग्रामीण सरपंच और कोलवाशरी प्रबंधन कर्मचारी व लोकनिर्माण के सब इंजीनियर को आम जनता के लिए सड़क बनाने की आम सहमति पर चर्चा किया वहीं ब्लाक के उच्च अधिकारियों कोई नहीं आये स्थानीय ग्रामीणों को कोटा थाना प्रभारी शशीकांत भरद्वाज ने ग्रामीण और कोलवाशरी प्रबंधन को ग्रामीण की समस्या को अवगत कराते हुए कहा कि समय समय पर सड़क पर मरम्मत कार्य कराने को कहा गया, वहीं ग्रामीणों का कहना है की जब तक सड़क नहीं बनायेंगे तब तक रास्ते को जाम कर देंगे वहीं मौके पर दोपहर के बाद सड़क पर बड़े बड़े गड्ढे को जेसीबी मशीन से डब्लू एम एम और डस्ट डालें का कार्य चालू कर दिया गया था वहीं लोकनिर्माण विभाग और कोलवाशरी प्रबंधन कर्मचारी मौजूद थे। ग्राम पंचायत अमाली में कक्षा 10 वीं तक स्कूल होने से आगे के 11वीं 12वीं को छात्र छात्राओं को प्रतिदिन कोटा हाई सेकेंडरी स्कूल पड़ने सायकल से कोटा आना जाना पड़ता है सड़क पर बड़े बड़े गड्ढे और दलदल होने से सायकल मोटरसाइकिल चल नहीं पा रहा है और समय पर स्कूल , कालेज और कोई ज़रूरी कार्य के लिए समय पर पहुंच नहीं पाते है।

मुस्लिम समाज ने निकाली जुलूसे-मोहम्मदी

बिलासपुर/करगीरोड/नवप्रदेश। कोटा नगर में मंगलवार की शाम से बारिश के बौछारों के बीच बुधवार 26-अगस्त को सुबह 10 बजे खुले आसमान के बीच खुशनुमा माहौल मसौहार्दपूर्ण-वातावरण में 'पैग़म्बरे-इस्लाम' मोहम्मद साहब के जन्मदिवस के अवसर पर अंजुमन-इस्लामिया मस्जिद कमेटी कोटा के नेतृत्व में मुस्लिम समाज कोटा ने निकाली जुलूसे-मोहम्मदी जो कि मस्जिदपारा-मस्जिद कंपाउंड से निकलकर मेन रोड के चौंक चौराहे से गुजरते हुए जय स्तंभ नाका चौंक होते हुए मौहारखार पहुंची...दोपहर होते होते मौहारखार से वापस जय स्तंभ नाका चौंक होते हुए मस्जिदपारा मस्जिद कंपाउंड में पहुंचकर समाप्त हुई..जौहर की नमाज के सलातो-सलाम के बाद लंगर की फातिहा-खानी हुई उसके बाद समाजिक लंगर का कार्यक्रम पूरे दोपहर तक जारी रहा। हुसैनी यंग कमेटी के युवाओं द्वारा सजाए गए 'गुंबदे-खिजरा-मोहम्मद-साहब के रोजे-मुबारक' जिसे की तिरंगे झंडे सहित इस्लामिक झंडे से पूरी तरह से सजाया गया था..जुलूस का मुख्य आकर्षण रहा जिसे कोटा नगर के पेंटर व झांकी निर्माता राम पेंटर के सहयोग से बनाया गया था..मंगलवार 25 अगस्त की शाम बारिश की बौछारों के बीच हुसैनी-यंग कमेटी के युवाओं ने मोहम्मद साहब की रोजे मुबारक से सजी आकर्षक झांकी के साथ रात 08 बजे बाइक-रैली' पूरे कोटा नगर में घूमकर माहौल को और भी खुशनुमा बना दिया..इस्लामिक नारो इस्लामिक झंडे भारत के राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के साथ हुसैनी यंग कमेटी के युवाओं को जोश देखने लायक था। जुलूसे मोहम्मदी के वापसी के दौरान अग्रवाल-समाज व बोल बम-कावरिया समिति के सदस्य आनंद अग्रवाल-संजू गुप्ता ने जुलूसे मोहम्मदी का स्वागत करते मुस्लिम समाज के लोगों के लिए अग्रसेन भवन के अंदर में जलपान की व्यवस्था बनाई गई थी जिस पर मुस्लिम समाज कोटा ने आभार जताय ,किसी भी समाज के सामाजिक-कार्यक्रमों में इस प्रकार का सामाजिक सरोकार समाज के लोगों को और करीब लाता है,यही इस भारत वर्ष की इस हिंदुस्तान की असली गंगा जमुना तहजीब है। जुलूसे-मोहम्मदी निकलने के दौरान से ही मौजूदा कोटा थाना प्रभारी शशिकांत भारद्वाज लगातार यातयात व्यवस्था बनाने में स्वयं पेट्रोलिंग करते रहे।

सुविचार

जीतने का मज़ा तब ही आता है साहेब, जब पूरी दुनिया आपके हारने का इंतज़ार कर रही हो - अज्ञात

महिला वोटरों को साधने की कोशिश

उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा और समाजवादी पार्टी के अलावा कांग्रेस ने भी उत्तरप्रदेश की महिला वोटरों को रिझाने की कोशिश शुरू कर दी है। तीनों ही राजनीतिक पार्टियां खुद को महिला हितों की सबसे बड़ी संरक्षक के रूप में पेश कर रही हैं। रक्षाबंधन के पूर्व यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राखी के दिन सभी महिलाओं के लिए बस यात्रा फ्री करने की घोषणा करने के साथ ही साठ साल से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए बस यात्रा पूरी तरह निःशुल्क करने का भी ऐलान कर दिया। उन्होंने बाकायदा महिलाओं के साथ चर्चा भी की और कहा कि उनकी सरकार की सारी योजनाएं बेटी को ही केन्द्र में रखकर बनाई जा रही हैं। इसके पूर्व योगी सरकार ने यूपी की आधी आबादी महिलाओं के हित में और भी कई कदम उठाये हैं और अब उसने महिलाओं को हर माह दी जाने वाली एक हजार रूपये की राशि को बढ़ाकर सालाना पचास हजार करने की घोषणा की है। वहीं दूसरी ओर सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने भी अपनी पार्टी की महिला सांसदों और कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक की और ऐलान किया की यदि समाजवादी पार्टी सत्ता में आई तो वह सही मायनों में आधी आबादी को पूरी आबादी दिलाएगी। सपा ने पहले ही महिलाओं को 40 हजार रूपये सालाना देने की घोषणा कर दी थी। जबकि जब सपा सत्ता में थी तो महिलाओं को सिर्फ पांच सौ रूपये महिना मिलता था और उसमें भी धांधली की जाती थी। कांग्रेस पार्टी भी महिलाओं को साधने की कवायद में लगी हुई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पुणे में छात्राओं से चर्चा की थी और छात्राओं व मलिाओं के शोषण पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी। कुल मिलाकर उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनावों में आधी आबादी का समर्थन प्राप्त करके अपनी सरकार बनाने के लिए तीनों ही राजनीतिक पार्टियां महिलाओं को अपने पक्ष में करने का कोइ भी मौका नहीं छोड़ रही हैं। रही बात भाजपा की तो उत्तरप्रदेश में हुए पिछले लोकसभा और विधानसभा चुनाव में यूपी की अधिकांश महिलाओं का समर्थन भाजपा को ही मिलता रहा है। अभी भी भाजपा वहां सत्ता में है और चुनाव अचार सहिंता लगने से पहले वह महिलाओं के लिए और भी कई कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा कर सकती है। ऐसी स्थिति में इस बार भी उत्तरप्रदेश की आधी आबादी लगभग छह करोड़ महिलाओं में से अधिकांश का समर्थन भाजपा और उसके सहयोगी दलों को प्राप्त हो तो कोई हैरत नहीं होगी। देखना होगा कि आगामी विधानसभा चुनाव में उत्तरप्रदेश की महिलाओं का समर्थन किस राजनीतिक पार्टी को ज्यादा प्राप्त होता है।

उपहारों में नहीं, रिश्तों के अनमोल विश्वास में है राखी का मोल

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

रक्षाबंधन पर्व रक्षा के तात्पर्य से बांधने वाला एक ऐसा सूत्र है, जिसमें बहनें अपने भाईयों के माथे पर तिलक लगाकर जीवन के हर संघर्ष तथा मोर्चे पर उनके सफल होने तथा निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर रहने की ईश्वर से प्रार्थना करती हैं तथा उनके सुखद जीवन के लिए मंगलकामना करती हैं। भाई इस कच्चे धागे के बदले अपनी बहनों की हर प्रकार की विपत्ति से रक्षा करने का वचन देते हैं और उनके शील एवं मर्यादा की रक्षा करने का संकल्प लेते हैं। वास्तव में भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन स्नेह, सौहार्द एवं सद्भावना का एक ऐसा पर्व है, जो उन्हें अटूट एकता के सूत्र में बांध देता है।

रक्षाबंधन मनाए जाने के संबंध में अनेक पौराणिक एवं ऐतिहासिक प्रसंगों का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि जब देवराज इन्द्र बार-बार राक्षसों से परास्त होते रहे और हर बार राक्षसों के हाथों देवताओं की हार से निराश हो गए तो इन्द्राणी ने बहुत कठिन तपस्या की और अपने तपोबल से एक रक्षासूत्र तैयार किया। यह रक्षासूत्र इन्द्राणी ने देवराज इन्द्र की कलाई पर बांध दिया। तपोबल से युक्त इस रक्षासूत्र के प्रभाव से देवराज इन्द्र राक्षसों को परास्त करने में सफल हुए। तभी से रक्षाबंधन पर्व की शुरूआत हुई। एक उल्लेख यह भी मिलता है कि जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया था, तब उन्होंने एक ब्राह्मण वेश धारण कर अपनी दानशील प्रवृत्ति के लिए तीनों लोकों में प्रसिद्ध राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी और बलि द्वारा उनकी मांग स्वीकार कर लिए जाने पर भगवान वामन ने अपने पग से सम्पूर्ण पृथ्वी को नापते हुए बलि को पाताल लोक भेज दिया। कहा जाता है कि उसी की याद में रक्षाबंधन पर्व मनाया गया।

रक्षाबंधन पर्व से कई ऐतिहासिक प्रसंग भी जुड़े हैं। ऐतिहासिक दृष्टि से इस पर्व की शुरूआत मध्यकालीन युग से मानी जाती है। भारतीय इतिहास ऐसे प्रसंगों से भरा पड़ा है, जब राजपूत योद्धा अपनी जान की बाजी लगाकर युद्ध के मैदान में जाते थे तो उनके देश की बेटियां उन वीर सैनिकों की आरती उतारकर उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा करती थी तथा वीर रस के गीत गाकर उनकी हौंसला अफ्जाई करते हुए उनसे राष्ट्र की रक्षा का प्रण भी कराती थी। कहा जाता है कि उस जमाने में अधिकांश मुस्लिम शासक हिन्दू युवतियों का बलपूर्वक अपहरण करके उन्हें अपने हरम की शोभा बनाने का प्रयास किया करते थे और ऐसी परिस्थितियों से बचने के लिए राजपूत कन्याओं ने बलशाली राजाओं को राखियां भेजकर उनके साथ भ्रातृत्व संबंध स्थापित कर अपने शील की रक्षा करनी आरंभ कर दी थी। उसी परम्परा ने बाद में रक्षाबंधन पर्व का रूप ले लिया।

चितौड़ की महारानी कर्मावती का प्रसंग तो इस संबंध में विशेष रूप से उल्लेखनीय है। जब गुजरात के शासक बहादुरशाह ने चितौड़ पर आक्रमण कर दिया तो चितौड़ की महारानी कर्मावती घबरा गई। उन्हें चितौड़ के साथ-साथ स्वयं की तथा चितौड़ की अन्य राजपूत बालाओं की सुरक्षा का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था। कोई उपाय न सूझने पर रानी कर्मावती ने बादशाह हुमायूं को राखी के धागे में रक्षा का पैगाम भेजा और हुमायूं को अपना भाई मानते हुए उनसे अपनी सुरक्षा की प्रार्थना की। बादशाह हुमायूं महारानी कर्मावती का यह रक्षासूत्र और संदेश पाकर भाव विभोर हो गए और अपनी इस अनदेखी बहन के प्रति अपना कर्त्तव्य निभाने तुरन्त अपनी विशाल सेना लेकर चितौड़ की ओर रवाना हो गए लेकिन जब तक वह चितौड़ पहुंचे, तब तक महारानी कर्मावती और चितौड़ की हजारों वीरांगनाएं अपने शील की रक्षा हेतु अपने शरीर की अग्नि में आहूति दे चुकी थी। उसके बाद हुमायूं ने महारानी कर्मावती की चिता की राख से अपने माथे पर तिलक लगाकर बहन के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वहन करने के लिए जो कुछ किया, वह इतिहास के पन्नों पर स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया तथा इसी के साथ रक्षाबंधन पर्व के इतिहास में एक अविस्मरणीय अध्याय भी जुड़ गया। इस ऐतिहासिक घटना के बाद ही यह परम्परा बनी कि कोई भी महिला या युवती जब किसी व्यक्ति को राखी बांधती है तो वह व्यक्ति उसका भाई माना जाता है।

समय के साथ-साथ रक्षाबंधन पर्व के स्वरूप और मूल उद्देश्य में बहुत बदलाव आया है। तेजी से आधुनिकता की ओर अग्रसर आज के इस भागदौड़ भरे और स्वार्थपरक जमाने में जहां बहनों के लिए अब राखी का अर्थ भाई से महंगे उपहार तथा नकदी इत्यादि पाना हो गया है, वहीं भाई भी अपनी निजी जिन्दगी की व्यस्तताओं के चलते बहनों के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वहन सही ढ़ंग से नहीं कर पाते। ऐसे में यह पवित्र पर्व अब रुपये-पैसे तथा साड़ी, आभूषण व अन्य कीमती उपहारों इत्यादि के लेन-देन का पर्व बनता जा रहा है और भाई-बहन के बीच राखी का मोलभाव होने की वजह से धीरे-धीरे इस पर्व की मूल भावनाएं सिकुड़ रही हैं। कच्चे धागों की जगह रेशम के धागों ने ले ली और अब इन धागों की अहमियत कम होती जा रही है। रक्षाबंधन महज कलाई पर एक धागा बांधने की रस्म नहीं है बल्कि यह भाई-बहन के अटूट स्नेह, पवित्रता और सद्भावना का पर्व है। यह पर्व रिश्तों की पवित्रता और वचनबद्धता का प्रतीक है। इसलिए रक्षाबंधन पर्व को चंद रुपयों या कीमती उपहारों से तोलकर देखना इस पर्व के अंतस में विद्यमान पवित्र भावना का अपमान है।

धर्म व नैतिकता का संदेश देता रक्षाबंधन

विजय मिश्रा

श्रावण माह पर्वों का भी माह है। इस माह में अनेक पर्व आते हैं, जो की भारतीय संस्कृति की प्राचीन मूल्यों का संरक्षण- संवर्धन करते हैं। श्रावण माह की पूर्णिमा को हिंदुओं का महापर्व रक्षाबंधन मनाया जाता है।भाई-बहन के बीच निस्वार्थ प्रेम और विश्वास का अहसास इस पर्व में सुवासित है। वृहद अर्थों में देखें तो रक्षा बंधन केवल भाई-बहन के स्नेह का प्रतीक मात्र नहीं है। इसमें परस्पर संरक्षण, जनकल्याण, उत्तरदायित्व,धर्म और नैतिकता का संदेश समाहित है। मानवीय मूल्यों के महत्व को बनाए रखने प्रेरित करता है। रक्षाबंधन संदेश देता है कि मानवीय रिश्तों- बंधनों को बनाना उतना ही आसान होता है जितना कि कागज, मिट्टी, रेत पर रक्षाबंधन लिखना किंतु बने हुए रिश्ते- बंधनों की मान मर्यादा को बनाए रखना उतना ही कठिन होता है जितना कि पानी पर पानी लिखना। दरअसल मानवीय रिश्ता अत्यंत संवेदनशीलता, सद्भावना और पवित्र प्रेम विश्वास की मांग करता है। इस दृष्टि से कह सकते हैं कि रक्षाबंधन महज एक धागे का पर्व नहीं है, अपितु भारतीय सांस्कृतिक सुदृढ़ता का जीता जागता साक्ष्य है। इस अनमोल साक्ष्य में भी छेड़छाड़ करने की कोशिश आधुनिकता की चकाचौंध से सराबोर समाज ने की है।इसके असल स्वरुप ,मूल आत्मा को प्रभावित- परिवर्तित करने के उदाहरण भी मिलते हैं, पर आज भी अपने अक्षुण्ण मूल्यों के साथ इस की प्रासंगिकता बरकरार है। पुरातन संस्कृति का संरक्षक बना हुआ है।यह पर्व सभी धर्मों में भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को अटूट बनाए रखने की महत्ता- आवश्यकता को व्यक्त करता है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि बदलते हुए वक्त-विचार के साथ ही इस पर्व को मनाने के तौर-तरीकों में मार्डन टेक्नोलॉजी, नवाचार - व्यावहारिक बदलाव आ गया है। नई पीढ़ी में डिजिटल राखी का चलन बढ़ गया है। आज के वैश्विक युग में सात समंदर पार बैठे भाई -बहिनों की दूरी को 'ई-राखी', वीडियो कॉल ने मिटा दिया है। कोरियर की सुविधा को पछाड़ते हुए सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से भाई- बहिनों की भावनाएं पलक झपकते एक दूसरे तक पहुँच जाती हैं। रक्षाबंधन का मान बढ़ाते हुए बहनों को भाईयों की ओर से देय उपहारों का भी स्वरूप बदल गया है। मिठाई डिब्बों और नकद रुपयों की जगह डिजिटल गिफ्ट, गैजेट्स ने ले लिया है।बहनों के सुरक्षित भविष्य हेतु फाइनेंशियल इन्वेस्टमेंट का चलन भी बढ़ गया है। उल्लेखनीय है कि रक्षाबंधन के बदलते स्वरूप में पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक सराहनीय पहल भी हुई है। पर्वों और पर्यावरण की बिगड़ती दशा -दिशा को लेकर चिंतित प्रबुद्ध नव पीढ़ी ने नवाचार किया है। प्लास्टिक और रसायनों से बनी राखियों की जगह फल फूल के बीजों से, सूती धागों से निर्मित इको-फ्रेंडली राखियों के प्रचलन को बढ़ावा दिया है। आधुनिक युग में इस त्योहार का सबसे खूबसूरत पहलु उजागर हो रहा है कि बहनें सक्षम सशक्त हो रही हैं। आत्मनिर्भता की सीढ़ी चढ़ती बहनों ने सुरक्षा की बैशाखी के बजाय स्वसुरक्षा का पाठ कंठस्थ कर लिया है। इसलिए यह पर्व 'रक्षा के संकल्प से निकलकर आपसी सम्मान और सह-अस्तित्व' का प्रतीक बनकर उभर रहा है। अब तो बहनें केवल भाईयों को ही नहीं अपने हरेक रक्षकों को रक्षाबंधन बांधने लगी हैं। वे अपनी मां,बहन सहित सैनिकों पुलिसकर्मियों, पेड़ पौधों को भी रक्षासूत्र बांधने में आगे हैं। इसीलिए आज के तनावपूर्ण -एकाकी जीवन में इस पर्व का महत्व और भी ज्यादा बढ़ गया है। अपने जड़ों से जोड़ने, पारिवारिक बिखराव को रोकने, सर्व धर्म को एक सूत्र में पिरोने के दृष्टि से इस पर्व की उपादेयता बनी रहेगी।

रक्षा बंधन भाई-बहन के स्नेह-प्यार का अनूठा पर्व

मुकेष ऋषि

रक्षा बंधन एक राष्ट्रीय पर्व है। यह पर्व सभी घरों में मनाया जाता है; लेकिन आज के समय में इन पर्वों, त्योहारों के स्वरूपों में कुछ कमियाँ देखने को मिल रही हैं। यद्यपि होना नहीं चाहिए। होना क्या चाहिए? होता क्या है होता ऐसा है कि इस पुनीत पर्व के षुभ अवसर पर बहिन भाई को राखी बॉधने के प्यार में इतना डूब जाती है कि बहुमूल्य राखियॉ खरीद करके धन की बर्बादी कर डालती है। कितनी बहनें तो भाइयों से धन ऐंठने का अच्छा अवसर समझती हैं। वे ऐसा करती हैं कि बहुत संख्या में राखियॉ खरीद लेती हैं और घर से लेकर आस-पड़ोस के सभी भाइयों को राखियॉ बॉधकर रूपए ऐंठ लेती हैं। बेचारे भाई भी रूपए देने से इनकार नहीं कर पाते हैं। प्रमुखतः राखी बॉधना और बंधवाना न कोई खेल है और न खिलौना। जिस किसी भाई का बहन नहीं है, तो वह बेचारा बँधवाने से वंचित हो जाता है और मन ही मन भारी अफ्सोस करता है। ष! मेरी भी बहिन होती, तो हमारी कलाई पर प्यार से राखी बॉधती, तो आज का दिन उसके जीवन में कितना सुनहला पैगाम देता। उसका मन औरों की तरह प्रफुल्लित होता।

ठीक उसी तरह किसी बहन का भाई नहीं हो, तो वह भी उस दिन मन-ही-मन सोचती होगी, काष! प्यारा भाई होता, तो प्यार भरी मीठी-मीठी बातें सुनाकर उसकी कलाई पर राखी बॉधती और उसका अंर्तमन चमन की बहारों की भॉति खिलखिला उठता। आज के समय में जिसे हम राखी कहते हैं, उसका सही नाम रक्षाबंधन है। रक्षा बंधन क्या है? किसकी रक्षा का बंधन? बंधन तो एक अनुबंध है? नियम है, एक विषेष घेरा है, व्रत है, अनुषासन है। वह बंधन मात्र एक धागे के रूप में होता है। उसी सूत को बहिन भाई की कलाई पर बॉधते समय अपने प्यार, स्नेह एवं हार्दिक पवित्र भावनाओं को इस कदर जोड़ती है कि वही धागा, वही बंधन उसके जीवन की रक्षा हेतु कवच का काम करने लगता है। कवच के बारे में जानते है? लड़ाई के मैदान में षूरवीर उसे धारण करते हैं, तब लड़ाई लड़ते हैं। वह उन्हें पग-पग पर अस्त्रों-षस्त्रों से तन में जख्म लगने से सुरक्षा प्रदान करता है। कितनी महत्वपूर्ण षक्तियों का जखीरा उस बंधन में छुपा रहता है। यह हमें कुछ-न-कुछ अनुषासन सिखाता है। अनुषासन का अर्थ होता है- अनुषासन यानि षासन के पीछे चलना। नियमों, आदर्शों की रूपरेखा के अनुसार चलना। अनादि काल से प्रकृति के सभी घटक एक निष्चित नियम का पालन करते आ रहे हैं, तभी तो सृष्टि का संतुलन बना हुआ है। बहन भाई के लिए कितना ममत्व रखती है। वह हर वक्त यही षुभकामनाएं करती हैं कि मेरे भाई का जीवन किस तरह सुखी, समुन्नत और मूल्यवान् बने। यही बोध कराने के लिए वह उसकी कलाई पर राखी बॉधती है। हमें भी बहिन द्वारा किए गए उपकारों और बताए गए उसके संदेष को जीवन में उतारना चाहिए। उन नियमों और आदर्शों से भरे पथ पर व्रतषील बनकर चलने का सदा प्रयास करना चाहिए। प्रेरणाप्रद पर्व कहॉ से उत्पन्न हुए? इस परंपरा की षुरूआत कैसे हुई? इस संबंध में वेदों, षास्त्रों में वर्णन मिलता है। रक्षाबंधन गुरू और षिष्य के अनुषासन का पर्व है। गुरू अपने षिष्य की कलाई पर मंत्रोच्चाण करते हुए विधि-विधानपूर्वक रक्षा सूत्र बॉधते थे, जो सूत्र कठोर नियमों और आदर्शों से परिपूर्ण होता था। उसे अपनाकर षिष्य जीवन की सुरक्षा स्वयं करते थे। यह रक्षा सूत्र कठोर नियमों का, आदर्शों का प्रतीक है। इसे संकल्पपूर्वक धारण किया जाता है, तो निम्न-स्तरीय जीवन का उत्थान हो जाता है। गुरू षिष्य को व्रत-बंधन के द्वारा उन आदर्शों और सिद्धांतों के बीज को अंतःकरण में वोकर उसके निकृष्ट जीवन को उत्कृष्ट बनाता है। श्रावण मास में ही प्रकृति का स्वरूप सुंदर, आकर्षक और हरा भरा हो जाता है, जो कि ज्येष्ठ-वैषाख की चिलचिलाती धूप में सूखा-मुरझाया और जला हुआ सा रहता है। मेढ़क भी महीनों तक जमीन के अंदर रहते हैं, लेकिन जब सतरंगी रैनबो नभमंडल पर छा जाता है और मूसलाधार वृष्टि होती है, तो वह बाहर निकलकर टर्र-टर्र की आवाज से वातावरण को गुंजायमान कर देता है। इसी समय मयूर भी नभ में छाए काले बादलों को देखकर हर्षोल्लास के साथ नृत्य करने में भाव-विभोर एवं मदमस्त हो जाता है। कितना सुहावना है यह मौसम जिसका यह श्रावणी पर्व, रक्षा बंधन सबके समक्ष पधार कर प्रकृति के घटकों से प्रेरणा लेने के लिए उत्प्रेरित करता है। षिष्य के प्रति गुरू का, भाई के प्रति बहिन का ठीक इन्हीं घटकों की तरह स्नेह, श्रद्धा और प्यार सलग्न रहता है। यह व्रत बंधन जीवनी षक्ति और संजीवनी बुटी के समान है। लक्ष्मण जी जब मूर्च्छित हुए थे, तो उन्हें होष में लाने के लिए संजीवनी बुटी का प्रयोग ही सफल रहा, जिसे हनुमान जी के कठिन प्रयास से लाया गया था। उसी प्रकार सफल षिष्य जब निकृष्ट जीवन जीता रहता है, किसी बहन का भाई अंधकारों में भटकता रहता है, तो षिष्य के लिए गुरू का मार्गदर्षन संकल्पित आदर्शों के माध्यम से तथा भाई के लिए बहन का भावानात्मक प्यार का स्त्रोत ही उसके अस्तित्व, जीवन में हरियाली लाने में मदद करता है। पुराणों में और भी एक कथा आती है। प्राचीन समय में बलि नाम का एक राजा था। वह बहुत ही दानी थी, जो उसके पास जाता, कभी खाली हाथ नहीं लौटता था। एक समय की बात है कि उसकी परीक्षा लेने के लिए भगवान् विष्णु उसके यहॉ वामन अवतार लेकर पहुँचे। राजा बलि को अपने कर्म की ख्याति से थोड़ा अहं भी हो चुका था। भगवा् ने राजा बलि से मात्र तीन कदम जमीन की मॉग की। राजा वचन दे चुके थे, अंततः भगवान् तीन कदम में तीनों लोक और उसके तन को भी माप लिए और राजा बलि को अपने बंधन में बॉध लिए। उनकी पत्नी ने राजा बलि की ऐसी विचित्र स्थिति देखी। वह भगवान् विष्णु को अपना भाई मानती थी। उसने अपने पति को उस बंधन से मुक्त कराने के लिए भगवान् विष्णु की कलाई पर राखी बॉधी। भगवान् विष्णु खुष होकर राजा बलि को अपने बंधन से स्वतंत्र कर दिए। इस कहानी से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए कि बहन का प्यार अनोखा प्यार होता है जो कि असंभव कार्यों को पूर्ण करने में सहयोगी सिद्ध होता है। उसी समय से सभी बहनों द्वारा भाई की कलाई पर राखी बॉधने का प्रचलन षुरू हुआ, जो कि आज तक अनवरत रूप से चला आ रहा है। हम इस पर्व का महत्व समझे और बहिनों की राखी का मान रखते हुए उनकी प्रगति, सुरक्षा, सुख व समृद्धि के लिए कुछ करें, तो पर्व मनाना, पर्व के नियम का पालन करना कुछ सार्थक हो। आज आवष्यक है इस बात की कि इस पर्व से प्रेरणा लेकर नारी समाज के लिए कुछ ठोस कदम उठाने के लिए आओं, हम सभी भाई संकल्प लें। वेद षास्त्रों के अनुसार रक्षिका को आज के आधुनिक समय में राखी के नाम से जाना जाता है। रक्षासूत्र को सामान्य बोलचाल की भाषा में राखी कहा जाता है। इसका अर्थ रक्षा करना, रक्षा हेतु तत्पर रहना या रक्षा करने का वचन देने से है। श्रावण मास की पूर्णिमा का महत्व इस बात से और बढ़ जाता है कि इस पाप पर पुण्य, कुकर्म पर सत्कर्म, कष्टों के उपर सुख, दुर्जनों पर सज्जनों का विजय हासिल करने के प्रयासों का आरंभ हो जाता है। जो व्यक्ति अपने षत्रुओं या प्रतियोगियों को परास्त करना चाहता है, उसे इस दिन वरूण देव की पूजा करनी चाहिए। दक्षिण भारत में इस दिन न केवल हिन्दु वरन मुसलमान, सिक्ख और ईसाई सभी समुद्र तट पर नारियल और पुष्प चढ़ाना षुभ समझते हैं। नारियल को भगवान षिव का रूप माना जाता है। नारियल में तीन आंखें होती है तथा भगवान षिव की भी तीन आंखें हैं। हिन्दु धर्म में प्रत्येक पूजा कार्य में हाथ में कलावा धागा बांधने का विधान है। यह धागा व्यक्ति के उपनयन संस्कार से लेकर उसके अंतिम संस्कार तक सभी संस्कारों में बांधा जाता है। राखी का धागा भावनात्मक एकता का प्रतीक है। स्नेह व विष्वास की यह डोर है। धागे से संपादित होने वाले संस्कारों में उपनयन संस्कार, विवाह और रक्षाबंधन प्रमुख है। पुरातन काल से वृक्षों को रक्षा सूत्र बांधने की परंपरा है। बरगद के वृक्ष के स्त्रियां धागा लपेटकर रोली, अक्षत, चंदन, धूप और दीप दिखाकर पूजा कर अपने पति के दीर्घायु होन की कामना करती है। आंवले के पेड़ पर धागा लपेटने के पीछे मान्यता है कि इससे उनका परिवार धन-धान्य से परिपूर्ण होगा। वह भाइयों को इतनी षक्ति देता है कि वह अपनी बहन की रक्षा करने में समर्थ हो सके। श्रावण का प्रतीक राखी का यह त्यौहार धीरे-धीरे राजस्थान के अलावा अन्य कई प्रदेषों में भी प्रचलित हुआ और सोन, सोना अथवा सरमन नाम से जाना गया। भारतीय धर्म-संस्कृति के अनुसार रक्षाबंधन का त्योहार श्रावण माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। यह त्योहार भाई-बहन को स्नेह की डोर मे बांधता है। इस दिन बहन अपने भाई के मस्तक पर टीका लगाकर रक्षा का बंधन बांधती है, जिसे राखी कहते हैं। यह हिंदु व जैन त्योहार है, जो प्रतिवर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। श्रावण में मनाये जाने के कारण इसे श्रावणी या सलूनो भी कहते हैं। रक्षाबंधन में राखी या रक्षासूत्र का सबसे अधिक महत्व है। राखी कच्चे सूत जैसे सस्ती वस्तु से लेकर रंगीन कलावे, रेषमी धागे, तथा सोने या चॉदी जैसी मॅहगी वस्तु तक की हो सकती है। रक्षाबंधन भाई बहन के रिष्ते का प्रसिद्ध त्योहार है, रक्षा का मतलब सुरक्षा और बंधन का मतलब बाध्य है। रक्षाबंधन के दिन बहनें भगवान से अपने भाईयों की तरक्की के लिए भगवान से प्रार्थना करती है। राखी सामान्यतः बहनें, भाई को ही बॉधती हैं। परंतु ब्राह्मणों, गुरूओं और परिवार में छोटी लड़कियों द्वारा सम्मानित संबंधियों में भी बॉधी जाती है। कभी-कभी सार्वजनिक रूप से किसी नेता या प्रतिष्ठित व्यक्ति को भी राखी बॉधी जाती है। रक्षाबंधन के दिन बाजार में कई सारे उपहार बिकते है, उपहार और नए कपड़े खरीदने के लिए बाजार में लोगों की सुबह से षाम तक भीड़ होती है। घर में मेहमानों का आना जाना रहता है। रक्षाबंधन के दिन भाई अपने बहन को राखी के बदले कुछ उपहार देते हैं।

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। दिन के आरंभिक भाग में विदेश स्थित रिश्तेदारो अथवा व्यवहारों से शुभ समाचार मिलेंगे। विदेश यात्रा का अवसर भी मिल सकता है।

वृषः आज के दिन आपको दैनिक कार्यो के अतिरिक्त भाग दौड़ करनी पड़ेगा लेकिन इसका कोई सकारात्मक परिणाम नही मिलेगा। यात्रा से सेहत में अकस्मात नरमी आएगी।

मिथुनः आज के दिन पूर्वार्ध में पहले मिली सफलता के कारण निश्चिन्त रहेंगे महत्त्वपूर्ण कार्यो में लापरवाही करेंगे लेकिन मध्यान के बाद ही स्थिति को भाँप कर मेहनत के लिये प्रेरित होंगे।

कर्कः आज का दिन आपको प्रतिकूल फल देगा। आज दिन भर शरीर में स्फूर्ति की कमी रहेगी भावुकता भी अधिक रहने से स्वास्थ्य पर इसका नकारात्मक असर पड़ सकता है। आज आप अधिकांश कार्यो को बे मन से करेंगे जिससे कार्यो में विलम्ब होगा।

सिंहः आज का दिन भी आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कार्य क्षेत्र पर आज बेहतर काम के लिए सम्मानित होंगे।

कन्याः आज के दिन आपमे धैर्य की कमी रहेगी। किसी भी कार्यो को लेकर पहले लापरवाही करेंगे बाद में उसे जल्दबाजी में करने पर कुछ ना कुछ कमी रह जायेगी।

तुलाः आज के दिन आपको बुद्धि विवेक का लाभ मिलेगा आपकी सोच दूरदर्शी रहेगी लेकिन इससे मनिच्छित सफलता नही मिल सकेगी दिन के पहले भाग में घर मे पुरानी बात के कारण मतभेद रहेंगे।

वृश्चिकः आज आप अपने आस-पास कई बदलाव अनुभव करेंगे। कार्य क्षेत्र पर आज आपके मन के अनुसार कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी लेकिन मध्यान के समय आप अपनी आलसी प्रवृति के कारण लाभ के अवसर हाथ से गवां सकते है।

धनुः आज आप धन लाभ की कामना से अधिकांश कार्य करेंगे लाभ होगा भी लेकिन खर्च लगे रहने से हाथ मे रुकेगा नही।

मकरः आज का दिन संभावनाओं पर ज्यादा केंद्रित रहेगा। परिश्रम करने में कमी नही रखेंगे फिर भी सफलता असफलता संपर्क में रहने वालों पर निर्भर रहेगी।

कुंभः आज के दिन आप अपनी ही धुन में रहेंगे। मन की ज्यादा सुनेंगे और करेंगे भी वैसा ही किसी का कार्यो में दखल देना कुछ ज्यादा ही अखरेगा जरासी बात पर नाराज हो जाएंगे जिससे मुख्य लक्ष्य से भटक सकते है।

मीनः आज के दिन आपमें भावुकता अधिक रहने के कारण छोटी-छोटी बाते दिल पर लेंगे अपने कार्यो को छोड़ अन्य के काम मे टांग अड़ाएंगे।

QUIZ TIME

1) नेपाल कितने भारत के राज्यों के साथ सीमा साझा करता है?
2) अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में कुल कितने द्वीपसमूह/चट्टानी क्षेत्र हैं?
3) ईद-मिलाद-उन-नबी त्योहार को किस नाम से भी जाना जाता है?
4) मानव सौन्दर्य के अध्ययन को क्या कहते हैं?
5) किस रोबोट ने 100 मीटर दौड़ में उसैन बोल्ट के समय को पीछे छोड़ा है?

उत्तरमाला- (1) 5 (2) 836 (3) मौलिद (4) कैलोलॉजी (5) लाइटनिंग

RamaQuiz

पहेली

शब्द सामर्थ्य -142

[illegible]

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 141 का हल

उप मुख्यमंत्री अरुण साव व क्रिकेटर वर्मा 'खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम में हुए शामिल

■ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर तिलक वर्मा और यूथ-आइकन डॉ. प्रियंका बिस्सा भी कार्यक्रम में हुए शामिल

रायपुर/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव आज रायपुर में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (NIT) में आयोजित 'खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम में शामिल हुए। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर आयोजित देशव्यापी 'खेलो इंडिया संवाद' को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय युवा मामले व खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने वर्चुअली संबोधित किया। उन्होंने देश के विभिन्न शहरों से लगभग 1600 स्थानों से जुड़े 8 लाख से अधिक युवाओं को संबोधित किया। देशभर के एथलीट्स और खेल जगत की प्रसिद्ध हस्तियां भी इसमें वर्चुअली शामिल हुए। रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर तिलक वर्मा और यूथ-आइकन डॉ. प्रियंका बिस्सा भी मौजूद थीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'खेलो इंडिया संवाद' में देशभर के युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब हम खेल की बात करते हैं, तो ये केवल मेडल जीतने तक सीमित नहीं है। ये विकसित भारत के निर्माण में भारत की खेलशक्ति और भारत की युवाशक्ति को एक साथ जोड़ने का अभियान है। उन्होंने कहा, ÷जो खेले, वो खिले। और खेल में खिलना सिर्फ मैदान पर जीतना नहीं है, खेल में खिलना मतलब व्यक्तित्व का खिलना, परिवार का खिलना और देश का गौरव बढ़ाना।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'खेलो इंडिया संवाद' को वर्चुअली संबोधित किया

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत में 21वीं सदी का आधुनिक स्पोर्ट्स इकोसिस्टम बनाने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। आज स्पोर्ट्स और स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटीज से लेकर आधुनिक ट्रेनिंग सेंटर्स तक देश में एक ऐसी व्यवस्था बनाई जा रही है, जिसमें प्रतिभा को पहचानने से लेकर उसे दुनिया के मंच तक पहुंचाने तक हर स्तर पर सहयोग मिले। हम दुनिया के दूसरे देशों के साथ भी स्पोर्ट्स साइंस, प्रशिक्षण, कोचिंग और अनुभव साझा करने के लिए सहयोग बढ़ा रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि 'खेलो इंडिया संवाद' सिर्फ खेल की बात करने का कार्यक्रम नहीं है। ये एक ऐसे संवाद का मंच है जिसका एक-एक विचार देश के स्पोर्ट्स विजन को एक नई दिशा दे सकता है। इसके साथ जो युवा संवाद हो रहा है, वो युवाओं के विचारों और महत्वाकांक्षाओं को देश के सपनों से जोड़ने का बहुत बड़ा माध्यम है। इस कार्यक्रम में स्पोर्ट्स इकोसिस्टम, टैलेंट डेवलपमेंट, गवर्नेंस और विकसित भारत को लेकर युवा क्या सोचते हैं, उनके सुझाव क्या हैं, इन बातों को सुनकर उन्हें नीतियों के निर्माण में शामिल किया जाएगा।

न्यूज गैलरी

छत्तीसगढ़ में यूसीसी बैठक: विवाह, तलाक और लिव-इन रिलेशन पर मंथन

रायुपर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (ष्टष्ट) को लेकर आज प्रदेश में एक बड़ी और महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के सभी समुदायों के लिए विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और संपत्ति के अधिकारों से जुड़ा एक समान कानून तैयार करना था। इसके अलावा, समाज में तेजी से बढ़ते लिव-इन रिलेशनशिप के मामलों को नियमानुसार दायरे में लाने और इसके नियमन पर भी विशेष रूप से चर्चा की गई।बैठक में राज्यभर से 200 से अधिक प्रबुद्ध जन, विभिन्न समाजों के प्रमुख, विधि विशेषज्ञ तथा सरकार से जुड़े निगम, मंडल और आयोगों के प्रतिनिधि शामिल हुए। परिचर्चा के दौरान सिख समाज का प्रतिनिधित्व करते हुए अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा ने एक कानून की अवधारणा का स्वागत किया। हालांकि, उन्होंने यह बिंदु भी प्रमुखता से रखा कि ड्राफ्ट में सिख समुदाय से जुड़े प्रावधानों और उनकी विशिष्टताओं का स्पष्ट जिक्र किया जाना चाहिए। एक ओर जहां अधिकांश सामाजिक प्रतिनिधियों ने इस पहल का समर्थन किया, वहीं मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (ष्टक्क्रू) ने बैठक में तीखी आपत्ति दर्ज कराई। ष्टक्क्रूके प्रतिनिधियों ने इस बैठक और कानून का सीधा विरोध करते हुए आरोप लगाया कि यह कदम भारतीय जनता पार्टी का एक राजनीतिक प्रोपेगेंडा है, जिसका उद्देश्य केवल अल्पसंख्यकों को परेशान करना है। विरोध और सुझावों के इस दौर के बीच शासन स्तर पर सभी पक्षों की राय दर्ज कर ली गई है।

टाटा पावर की याचिका पर छत्तीसगढ़ बिजली कंपनी के इंजीनियरों ने जताई आपत्ति

रायपुर/नवप्रदेश। टाटा पावर कंपनी लिमिटेड की ओर से बिजली वितरण की याचिका पर बिजली कंपनियों के इंजीनियर संघ ने आपत्ति जताई है। कंपनी ने छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के समक्ष रायपुर जिले के अंतर्गत आने वाले रायपुर, धरसीवां, मंदिर हसौद और अभनपुर तहसीलों के भौगोलिक क्षेत्र में समानांतर विद्युत वितरण लाइसेंस प्राप्त करने के लिए याचिका प्रस्तुत की है। याचिका में कंपनी ने इन क्षेत्रों में बिजली वितरण अधिकार की मांग की है। याचिका के विरोध में छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल पत्रोपाधि अभियंता संघ ने आयोग के समक्ष विस्तृत अभ्यावेदन प्रस्तुत किया है। कहा गया है कि ऐसा होता है तो बिजली कंपनी और ग्राहकों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। विद्युत अधिनियम 2003 एवं वर्ष 2005 के नियमों (नवंबर 2022 संशोधन सहित) के अनुसार समानांतर लाइसेंस के लिए विशिष्ट क्षेत्र सीमाएं तय हैं। चार तहसीलों के इस प्रस्ताव की वैधानिक वैधता और उपयुक्त सरकार की अधिसूचना पर स्पष्ट परीक्षण की मांग की गई है। चुनिंदा औद्योगिक और उच्च राजस्व वाले क्षेत्रों में निजी कंपनी को अनुमति मिलने से सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के राजस्व पर असर पड़ेगा, जिससे ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों के सामान्य उपभोक्ताओं पर वित्तीय बोझ बढ़ सकता है। क्रॉस-सब्सिडी का संतुलन बिगड़ सकता है। संघ ने आयोग से मांग की है कि इस पर स्वतंत्र वित्तीय एवं नियामकीय प्रभाव अध्ययन कराया जाना आवश्यक है। वर्तमान विद्युत अधोसंरचना, उपकेंद्रों और लाइनों का उपयोग बिना स्पष्ट नीति के नहीं होना चाहिए। समानांतर नेटवर्क बनाने से अनावश्यक पूंजीगत निवेश और तकनीकी जटिलताएं बढ़ेंगी। कर्मचारियों के हितः सार्वजनिक क्षेत्र में कार्यरत अभियंताओं और कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा, कैडर संरचना तथा भविष्य के अवसरों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

मुख्यमंत्री ने 'अंतरिक्ष संगवारी' अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण पहल का किया शुभारंभ

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज कैम्प कार्यालय बगिया में विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान से जोड़ने और उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से 'अंतरिक्ष संगवारी' अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण पहल का शुभारंभ किया। जिला प्रशासन जशपुर एवं प्क्ल्ड थ्वनदकंजपवद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस अभिनव कार्यक्रम के माध्यम से कक्षा 8वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान, अंतरिक्ष यात्रा और अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण से परिचित होने का अवसर मिलेगा।मुख्यमंत्री श्री साय ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जशपुर के विद्यार्थियों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए लगातार नवाचार किए जा रहे हैं। जिले के बच्चों में प्रतिभा और सीखने की अपार क्षमता है। उन्हें सही अवसर, मार्गदर्शन और आधुनिक वैज्ञानिक संसाधन उपलब्ध कराकर विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है।

1484 वनरक्षक पदों के लिए लिखित परीक्षा 13 दिसंबर को, 16,762 अभ्यर्थी होंगे शामिल

■ वन मंत्री बोले: युवाओं का लंबा इंतजार फाइनली खत्म हुआ

रायुपर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ वन विभाग में वनरक्षक के 1484 रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया तेज कर दी गई है। भर्ती की लिखित परीक्षा 13 दिसंबर 2026 को होगी। शारीरिक मापदंड और शारीरिक दक्षता परीक्षा में सफल 16,762 अभ्यर्थी लिखित परीक्षा में शामिल होंगे। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के निर्देश और भर्ती प्रक्रिया की लगातार समीक्षा के बाद लिखित परीक्षा की तारीख तय की गई है। विभाग ने लंबित मामलों का निराकरण करते हुए परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी है।

मेरिट के आधार पर होगा चयन

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और मेरिट के आधार पर पूरी की जाएगी। सभी योग्य अभ्यर्थियों को समान अवसर दिया जाएगा। किसी भी तरह की अनियमितता के लिए जगह नहीं होगी। लिखित परीक्षा निर्धारित नियमों, सुरक्षा व्यवस्था और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत आयोजित की जाएगी।

युवाओं के परिश्रम और सपनों का सम्मान : मंत्री

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रदेश के हजारों युवा लंबे समय से इस भर्ती का इंतजार कर रहे हैं। युवा पूरी मेहनत से परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। सरकार की प्राथमिकता है कि भर्ती प्रक्रिया समय पर पूरी हो और योग्य युवाओं को जल्द रोजगार का अवसर मिले। उन्होंने कहा कि वनरक्षक की नौकरी सिर्फ रोजगार का अवसर नहीं है, बल्कि प्रदेश के जंगल और वन्यजीवों की सुरक्षा से जुड़ी जिम्मेदारी भी है। चयनित युवा वन, जैव विविधता और वन्यजीवों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

1484 नियुक्तियों से मजबूत होगी मैदानी व्यवस्था

वनरक्षक के 1484 पदों पर नियुक्ति होने से वन विभाग की मैदानी टीम मजबूत होगी। इससे वन संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा, जैव विविधता संरक्षण और वन अपराधों की रोकथाम से जुड़े कामों को गति मिलेगी। 13 दिसंबर को परीक्षा तय होने के बाद 16,762 अभ्यर्थियों को अपनी तैयारी के लिए स्पष्ट समयसीमा मिल गई है। सरकार का कहना है कि युवाओं को रोजगार का अवसर देने के साथ प्रदेश की वन संपदा को मजबूत सुरक्षा देना भर्ती का प्रमुख उद्देश्य है।

वनरक्षक संभालेंगे मैदानी स्तर की जिम्मेदारी

वन विभाग में वनरक्षक मैदानी स्तर पर वन संरक्षण व्यवस्था की अहम कड़ी हैं। जंगलों की सुरक्षा, अवैध कटाई रोकना, वन अपराधों पर कार्रवाई, वन्यजीवों की सुरक्षा और स्थानीय लोगों के साथ समन्वय जैसे कामों में उनकी भूमिका रहती है। खासकर नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में शांति और विकास का दायरा बढ़ने के साथ वन प्रबंधन से जुड़े काम भी बढ़ रहे हैं। ऐसे क्षेत्रों में वन विभाग की मैदानी व्यवस्था मजबूत करने के लिए नए वनरक्षकों की नियुक्ति अहम मानी जा रही है।

रक्षाबंधन पर बीयर आफर से भड़का विवाद, क्लब पहुंचा बजरंग दल

■ द बीयर कैफे में 'सिब्लिंग्स कराओके नाइट पोस्टर में 1+1 ड्रिंक्स ऑफर से भड़का विवाद

रायपुर/नवप्रदेश। रक्षाबंधन पर रायपुर के एक क्लब ने 'सिब्लिंग्स कराओके नाइट' का आयोजन किया है, जिसे लेकर बजरंग दल ने विरोध जताया है। द बीयर कैफे ने 28 अगस्त को भाई-बहनों के लिए कराओके नाइट का आयोजन रखा है। क्लब के सोशल मीडिया पोस्ट में शाम 7 से 8 बजे तक ड्रिंक्स पर 1+1 ऑफर देने की बात कही गई थी।

इस ऑफर को लेकर बजरंग दल ने आपत्ति जताई है। संगठन के कार्यकर्ता आज अंबुजा मॉल पहुंचे और कार्यक्रम में शराब के ऑफर का विरोध किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का त्योहार है। ऐसे त्योहार को शराब और क्लब पार्टी से जोड़ना ठीक नहीं है।

अंबुजा मॉल में विरोध को लेकर पुलिस बल तैनात

पोस्टर के मुताबिक कार्यक्रम 28 अगस्त को शाम 7 से 9 बजे तक होना है। इसमें शाम 7 से 8 बजे के बीच ड्रिंक्स पर 1+1 हैप्पी ऑवर का ऑफर भी दिया गया था। क्लब के इस प्रचार के बाद बजरंग दल ने विरोध में अपना पोस्टर जारी किया। इसमें लिखा गया- 'रक्षा बंधन पवित्र है, इसे शराब और क्लब से मत जोड़ो।' संगठन ने सवाल उठाया कि भाई-बहन के रिश्ते से जुड़े त्योहार पर शराब के ऑफर के साथ कार्यक्रम का प्रचार क्यों किया जा रहा है। बजरंग दल के कार्यकर्ता गुरुवार को क्लब पहुंचे। यहां उन्होंने रक्षाबंधन से जुड़े कार्यक्रम में शराब के ऑफर को लेकर विरोध जताया। संगठन का कहना है कि त्योहार की गरिमा को ध्यान में रखते हुए इस तरह के प्रचार और ऑफर से बचना चाहिए।

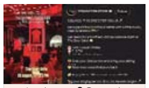

पहले सोशल मीडिया पोस्ट, फिर बजरंग दल का विरोध

द बीयर कैफे की ओर से सोशल मीडिया पर 'सिब्लिंग्स कराओके नाइट' का पोस्टर शेयर किया गया था। इसमें लिखा गया कि 'सिब्लिंग बॉन्डिंग' म्यूजिक, मस्ती और कराओके के साथ और बेहतर होगी। पोस्ट में भाई या बहन के साथ कार्यक्रम में आने की अपील की गई थी।

रायपुर सेंट्रल जेल में गायत्री परिवार ने मनाया अनोखा रक्षाबंधन

■ अपनों से दूर बंदियों के सूने हाथों में सजा विश्वास का धागा

■ गायत्री परिवार का संदेशः भूल सुधारकर श्रेष्ठ जीवन की शुरुआत

रायपुर/नवप्रदेश। परिवार और समाज की मुख्यधारा से दूर रहकर अपनी गलतियों का प्रायश्चित कर रहे बंदियों के जीवन में इस रक्षाबंधन आत्मिक उजियारा फैल गया। अखिल विश्व गायत्री परिवार, रायपुर के तत्वावधान में केंद्रीय जेल रायपुर में एक ऐसा भावुक और प्रेरणादायी रक्षाबंधन पर्व मनाया गया, जिसने पत्थर से दिल को भी पिघला दिया। बहनों के आंचल की छांव और ममता भरे अहसास ने जेल में बंद बंदियों में सलाखों के दर्द को कुछ पल के लिये भुला दिया। इस आत्मीय आयोजन के दौरान गायत्री परिवार की बहनों ने लगभग 200 बंदी भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा। राखी बंधवाते ही कई बंदी भाइयों के सब्र का बांध टूट गया और उनकी आंखों से छलक आए आंसू इस बात की गवाही दे रहे थे कि भाई-बहन का यह पवित्र बंधन हर दूरी और हर दीवार से बहुत ऊपर है। इस अवसर पर केवल रस्म अदायगी नहीं हुई, बल्कि बंदियों के मानसिक और आध्यात्मिक उत्थान पर विशेष जोर दिया गया। गायत्री परिवार की ओर से सभी को सत्संकल्प का पाठ कराया गया। जिला समन्वयक लच्छुराम निषाद ने बंदियों को संबोधित करते हुए कहा कि, ÷कानून की नजर में भले ही व्यक्ति अपराधी हो सकता है, लेकिन ईश्वर की नजर में हर आत्मा में सुधार की असीम संभावना होती है। जेल कोई अंत नहीं, बल्कि खुद को टटोलने और एक नया इंसान बनकर उभरने का स्वर्णिम अवसर है।÷ उन्होंने युगदृष्टा पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के विचारों का स्मरण कराते हुए कहा कि सद्विचार, सदाचार और आत्मसंयम ही मनुष्य के सबसे बड़े आभूषण हैं। कार्यक्रम का सबसे मर्मस्पर्शी क्षण वह था जब गायत्री परिवार की बहन प्रेमलता चंद्राकर ने ममता और भाई-बहन के स्नेह से ओत-प्रोत भावुक गीत प्रस्तुत किया। सुरों की उस रागमय पुकार ने जेल के उस कठोर माहौल को पूरी तरह भावनात्मक बना दिया। अपनों से बिछड़ने का दर्द और बहनों का अहेतुकी प्रेम देखकर वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं।

बिहान की दीदियों ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को राखी बांधकर दी बधाई

रायपुर/नवप्रदेश। कबीरधाम जिले के बिहान स्व-सहायता समूहों से जुड़ी दीदियों और पशुपालकों का गुजरात के बनासकाठा स्थित डेयरी कोऑपरेटिव एवं अमूल डेयरी कोऑपरेटिव का शैक्षणिक भ्रमण उपयोगी और प्रेरणादायी रहा। भ्रमण से वापस लौटने के बाद बिहान समूह की दीदियों ने कवर्धा निवास पहुंचकर उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा से आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान दीदियों ने उन्हें रक्षाबंधन की बधाई देते हुए राखी बांधी और गुजरात में मिले अनुभवों तथा सीखी गई नई तकनीकों की जानकारी साझा की। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने सभी दीदियों और पशुपालकों का आत्मीय स्वागत करते हुए उनके अनुभव सुने। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है, जब वहां से मिली सीख को अपने गांव और जिले में अपनाकर आजीविका के नए अवसर तैयार किए जाएं। उन्होंने दीदियों से बनासकाठा में देखी गई उन्नत डेयरी व्यवस्था, पशुपालन तकनीक, चारा प्रबंधन, दुग्ध संकलन, गुणवत्ता नियंत्रण और सहकारी मॉडल से मिली सीख को स्थानीय स्तर पर लागू करने का आह्वान किया।

बनासकाठा में देखा सफल डेयरी और सहकारी मॉडल

उल्लेखनीय है कि उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से कबीरधाम जिले के 17 बिहान समूहों की दीदियों और 17 पशुपालकों को गुजरात के बनासकाठा के शैक्षणिक भ्रमण पर भेजा गया था। दल ने वहां डेयरी कोऑपरेटिव और अमूल डेयरी कोऑपरेटिव की कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों ने उन्नत पशुपालन तकनीक, संतुलित आहार एवं चारा विकास, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के उपाय, दुग्ध संकलन एवं प्रसंस्करण की आधुनिक व्यवस्था, दूध की गुणवत्ता जांच, डेयरी उत्पाद निर्माण और उनके विपणन की पूरी प्रक्रिया को करीब से समझा। इसके साथ ही सहकारी मॉडल के माध्यम से छोटे पशुपालकों को संगठित कर उनकी आय और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की व्यवस्था की भी जानकारी प्राप्त की। गुजरात से लौटीं दीदियों ने बताया कि वहां पशुपालन और डेयरी गतिविधियों को केवल व्यक्तिगत आय का साधन नहीं, बल्कि सामूहिक आर्थिक विकास के मॉडल के रूप में विकसित किया गया है।

रायपुर व दंतेवाड़ा में एएम/एनएस इंडिया के 'प्रोजेक्ट दक्ष' के नए बैच शुरू

■ रोजगार केंद्रित प्रशिक्षण के साथ युवाओं को मिलेगा करियर मार्गदर्शन और प्लेसमेंट सहयोग

रायपुर/नवप्रदेश। आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल 'प्रोजेक्ट दक्ष' के तहत रायपुर और दंतेवाड़ा में नए प्रशिक्षण बैचों की शुरुआत की है। स्थानीय युवाओं को बदलते रोजगार परिदृश्य के अनुरूप डिजिटल और तकनीकी कौशल से तैयार करने पर केंद्रित इस पहल के नए बैच का शुभारंभ रायपुर में 21 अगस्त को और दंतेवाड़ा में 19 अगस्त को किया गया। प्रोजेक्ट दक्ष के माध्यम से एएम/एनएस इंडिया स्थानीय युवक-युवतियों को निःशुल्क, रोजगार केंद्रित कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध करा रहा है। इसका उद्देश्य युवाओं को ऐसे व्यावहारिक और तकनीकी कौशल से जोड़ना है, जिनकी आज के रोजगार बाजार में जरूरत है और जो उन्हें बेहतर करियर अवसरों के लिए तैयार कर सकें। कार्यक्रम के नए बैचों में युवाओं को डोमेस्टिक डेटा एंट्री ऑपरेटर और डोमेस्टिक आईटी हेल्पडेस्क अटेंडेंट जैसे तकनीकी ट्रेड्स में प्रशिक्षित किया जाएगा। पाठ्यक्रम में तकनीकी जानकारी के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया गया है, ताकि प्रतिभागी प्रशिक्षण के दौरान हासिल किए गए कौशल का कार्यस्थल पर प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकें।

प्रशिक्षण से आगे, रोजगार तक पहुंच बनाने का प्रयास

प्रोजेक्ट दक्ष को केवल प्रशिक्षण कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने और निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रमाणित होने वाले प्रतिभागियों को करियर मार्गदर्शन और प्लेसमेंट सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। डिजिटल तकनीक आज लगभग हर क्षेत्र में कामकाज का अहम हिस्सा बन चुकी है। ऐसे में स्थानीय युवाओं, विशेषकर ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों से आने वाले युवक-युवतियों के लिए तकनीकी कौशल तक पहुंच उनके करियर के नए रास्ते खोल सकती है। प्रोजेक्ट दक्ष इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए युवाओं को प्रशिक्षण से रोजगार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कौशल और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने का प्रयास है। रायपुर में प्रोजेक्ट दक्ष का संचालन नैस्कॉम फाउंडेशन और जीआरए स्टेक के सहयोग से किया जा रहा है, जबकि दंतेवाड़ा में नैस्कॉम फाउंडेशन और आइसेक्ट इस पहल से जुड़े हैं।

नए बैच की शुरुआत

रायपुर में 21 अगस्त को आयोजित कार्यक्रम में एएम/एनएस इंडिया के प्रतिनिधियों के साथ परियोजना से जुड़े सहयोगी संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। दीप प्रज्ज्वलन के साथ नए प्रशिक्षण बैच की औपचारिक शुरुआत की गई।इस अवसर पर विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें बदलते रोजगार परिदृश्य में डिजिटल और तकनीकी कौशल के महत्व के बारे में बताया गया। युवाओं को प्रशिक्षण के दौरान सीखने के अवसरों का पूरा लाभ उठाने और अपने कौशल को भविष्य के करियर की मजबूत नींव के रूप में विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

'विष्णु भैया' की सौगात, प्रेम कुंवर के घर आई खुशियों की मिठास

रायपुर/नवप्रदेश। रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त की राशि महिलाओं के खातों में पहुंचने से प्रदेशभर में त्योहार की खुशियां और बढ़ गई हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित इस योजना से महिलाओं को हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता उनके लिए नियमित आर्थिक सहारे का माध्यम बन रही है। 'विष्णु के सुशासन' में योजनाओं का लाभ सीधे हितग्राहियों तक पहुंचने से महिलाओं में आत्मविश्वास और आर्थिक सुरक्षा की भावना मजबूत हो रही है। मरवाही विकासखंड के ग्राम पंचायत गुदुमदेवरी निवासी श्रीमती प्रेम कुंवर श्याम के लिए भी रक्षाबंधन से पहले मिली महतारी वंदन योजना की किस्त किसी सौगात से कम नहीं है। राशि खाते में पहुंचने की जानकारी मिलते ही उनके चेहरे पर खुशी झलक उठी। उन्होंने इस सौगात के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें स्नेहपूर्वक 'विष्णु भैया' कहा। प्रेम कुंवर श्याम ने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपये की राशि उनकी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में आर्थिक मदद करती है। रक्षाबंधन जैसे विशेष अवसर पर यह राशि और भी उपयोगी साबित हुई है।

बैलाडीला किरंदुल के वार्ड 8 में बारिश से बाढ़ जैसे हालात

■ ओवरब्रिज के पिलरों से पुराना ड्रेनेज सिस्टम हुआ बाधित

दंतेवाड़ा / नवप्रदेश। बैलाडीला किरंदुल में रविवार से हो रही तेज बारिश के बाद किरंदुल के वार्ड क्रमांक 8 में बाढ़ जैसे हालात निर्मित हो गए। निचले इलाके में बसे वार्ड के कई घरों में बारिश का पानी घुस गया। घरों में पानी भरने से टीवी, फ्रिज, पानी की मोटर जैसे बिजली के उपकरणों के साथ गद्दे, चादर, अलमारी में रखे सामान और अन्य घरेलू सामग्री भी पानी में भीगकर खराब हो गई।

स्थिति की जानकारी मिलने के बाद शासन-प्रशासन के अधिकारी और जनप्रतिनिधि तत्काल मौके पर पहुंचे और प्रभावित क्षेत्र का जायजा लिया। मौके पर जलभराव की स्थिति को देखा गया तथा नगर पालिका के कर्मचारियों द्वारा साफ-सफाई और पानी की निकासी के लिए तत्काल कार्रवाई की गई। हालांकि, वार्डवासियों का कहना है कि यह राहत तत्काल समस्या को कम कर सकती है, लेकिन स्थायी समाधान के अभाव में हर बारिश के मौसम में उन्हें इसी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

ओवरब्रिज के तीन पिलरों से ड्रेनेज सिस्टम बाधित

वार्डवासियों के अनुसार, ह्स्ष्ष्ट द्वारा बनाए जा रहे ओवरब्रिज के जिन स्थानों पर पिलर खड़े किए गए हैं, उनके ठीक नीचे ह्स्ष्ष्ट क्षेत्र और 11ष्ट खदान क्षेत्र से आने वाले पानी की निकासी के लिए वर्षों पुराना ड्रेनेज सिस्टम मौजूद है। स्थानीय लोगों का दावा है कि ओवरब्रिज के तीन पिलरों के निर्माण के कारण यह पुराना ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह बाधित हो गया है।

बताया जा रहा है कि यह पुराना ड्रेनेज सिस्टम जमीन से करीब 20 से 30 फीट नीचे बनाया गया था। तेज बारिश के दौरान 11ष्ट खदान क्षेत्र और किरंदुल शहर का बारिश का पानी छोटे-छोटे नालों के जरिए इसी मुख्य ड्रेनेज सिस्टम तक पहुंचता है। लेकिन मुख्य नाले में पानी की निकासी बाधित होने के कारण पानी आगे नहीं निकल पाता और आसपास की गलियों तथा घरों में जमा होने लगता है।

सवाल यही—तत्काल राहत के बाद स्थायी समाधान कब? फिलहाल अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के मौके पर पहुंचने तथा नगर पालिका द्वारा साफ-सफाई किए जाने से तत्काल राहत की कोशिश की गई है, लेकिन वार्डवासियों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि हर साल बारिश में घरों में पानी भरने की समस्या का स्थायी समाधान आखिर कब होगा? लोगों का कहना है कि मुआवजा या अस्थायी राहत से ज्यादा जरूरी जल निकासी की ऐसी व्यवस्था है, जिससे आने वाले वर्षों में उन्हें दोबारा इस तरह के हालात का सामना न करना पड़े।

हर साल नुकसान, स्थायी समाधान का इंतजार

वार्डवासियों का कहना है कि बारिश के मौसम में यह समस्या कोई नई नहीं है। हर साल जलभराव के कारण घरों में पानी घुसता है और लोगों को घरेलू सामान के नुकसान के साथ आर्थिक परेशानी भी उठानी पड़ती है। कई परिवारों को पानी निकालने और सामान सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए घंटों मशक्कत करनी पड़ती है।

लोगों का कहना है कि प्रशासन, नगर पालिका और संबंधित संस्थाओं को समस्या की जानकारी होने के बावजूद अब तक जल निकासी की स्थायी व्यवस्था नहीं हो सकी है। बारिश के बाद तत्काल राहत और सफाई की कार्रवाई जरूर होती है, लेकिन अगली बारिश में समस्या फिर सामने आ जाती है।

वार्डवासियों का कहना है कि उन्हें हर साल इस समस्या को बर्दाश्त करने के बजाय अब स्थायी समाधान चाहिए। लोगों ने मांग की है कि पुराने ड्रेनेज सिस्टम का तकनीकी निरीक्षण कराया जाए, ओवरब्रिज के पिलरों के कारण यदि जल निकासी बाधित हुई है तो उसे दुरुस्त किया जाए और 11C खदान क्षेत्र तथा किरंदुल शहर से आने वाले बारिश के पानी के लिए पर्याप्त क्षमता वाली नई ड्रेनेज व्यवस्था बनाई जाए।

न्यूज गैलरी

एनएमडीसी बचेली में सतर्कता जागरुकता अभियान का शुभारंभ

किरंदुल / नवप्रदेश। केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशों के अनुपालन में एनएमडीसी लिमिटेड के BIOM बचेली परिसर में सतर्कता जागरुकता अभियान 2026 का शुभारंभ किया गया। अभियान का आयोजन 17 अगस्त 2026 से 16 नवंबर 2026 तक किया जा रहा है।वर्ष 2026 के लिए अभियान का विषय ÷Probity for Prosperity" (समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा) है। अभियान के अंतर्गत केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा चिन्हित पांच प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिनमें लंबित शिकायतों का निपटान, लंबित मामलों का निपटान, क्षमता निर्माण, डिजिटल पहल तथा अनुबंध प्रबंधन शामिल हैं।अभियान के अंतर्गत क्षमता निर्माण गतिविधियों की शुरुआत करते हुए 19 अगस्त 2026 को सरकारी ई-मार्केटप्लेस की नई सुविधाओं एवं कार्यात्मकताओं पर एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संबंधित अधिकारियों को त्ट्ठरूपोर्टल की नवीनतम सुविधाओं एवं कार्यप्रणालियों से अवगत कराया गया। इस पहल का उद्देश्य था अधिकारियों की कार्यकुशलता बढ़ाना तथा सरकारी खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं दक्षता को और सुदृढ़ करना।BIOM बचेली परिसर का सतर्कता विभाग अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप निवारक सतर्कता, पारदर्शिता, जवाबदेही और सत्यनिष्ठा की संस्कृति को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बड़े बचेली में विधिक सेवा प्राधिकरण और पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

बचेली (दंतेवाड़ा)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा के माननीय सचिव महोदय के निर्देशानुसार मंगलवार, 25 अगस्त 2026 को छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक (शाखा बचेली) के परिसर में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों, सरकारी योजनाओं और साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान पुलिस थाना बचेली के सहयोग से 'साइबर जन जागरूकता अभियान' का बैनर प्रदर्शित किया गया। उपस्थित अधिकारियों ने लोगों को डिजिटल युग में बढ़ रहे ऑनलाइन फ्रॉड, ओटीपी फ्रॉड, सोशल मीडिया से जुड़ी धोखाधड़ी से बचने के व्यावहारिक तरीके बताए और सुरक्षित डिजिटल लेनदेन की सलाह दी। शिविर में नालसा की प्रमुख योजनाओं, विशेषकर 'चाइल्ड फ्रेंडली लीगल सर्विसेज फॉर चिल्ड्रेन' (बच्चों के लिए बाल-अनुकूल विधिक सेवाएं) पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। इसके साथ ही उपस्थित लोगों को निम्नलिखित महत्वपूर्ण विषयों पर कानूनी जानकारी व सलाह दी गई: इस अवसर पर ज्योति बंजारे विधिक सेवा प्राधिकरण से रीताचौहान ,संतोष दीवान, दंतेश्वरी मजूमदार, लक्की गावड़े, , बचेली पुलिस बल के जवान, छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

111 पार्थिव शिवलिंग महादेव के सामूहिक रुद्राभिषेक में उमड़ा आस्था का सैलाब

किरंदुल / नव प्रदेश। । धार्मिक आस्था, भक्ति और सामाजिक एकता का अद्भुत संगम उस समय देखने को मिला, जब श्री राघव मंदिर परिसर में नगर परिवार की सुख-शांति, समृद्धि, आरोग्यता एवं मंगलकामनाओं को लेकर 111 पार्थिव शिवलिंग महादेव का सामूहिक रुद्राभिषेक एवं शिव आराधना का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और भगवान भोलेनाथ की आराधना में लीन होकर पुण्य लाभ अर्जित किया। श्रद्धालु पूरे श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ पूजन सामग्री लेकर श्री राघव मंदिर पहुंचे। वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ एक साथ 111 पार्थिव शिवलिंगों का सामूहिक रुद्राभिषेक किया गया। मंदिर परिसर में गूंजते ÷? नमः शिवाय÷ और ÷हर-हर महादेव÷ के जयघोष से पूरा वातावरण शिवमय हो उठा।

स्मार्ट मीटर और बढ़े बिजली बिल से उपभोक्ताओं में असंतोष

कांग्रेस का घर-घर अभियान तेज,आड़ावाल में उपभोक्ताओं से संवाद कर भरवाए विरोध आवेदन

जगदलपुर / नव प्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर स्मार्ट मीटर और बिजली बिलों में बढ़ोतरी के खिलाफ कांग्रेस का डोर-टू-डोर अभियान जारी है। इसी क्रम में शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य की मौजूदगी में पूर्व विधायक रेखचंद जैन, नगरनार ब्लॉक अध्यक्ष संतोष सेठिया सहित पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने आड़ावाल में घर-घर व प्रतिष्ठानों में पहुंचकर उपभोक्ताओं की समस्याएं सुनीं। इस दौरान बिजली बिल,स्मार्ट मीटर से जुड़ी शिकायतों और आपत्तियों की जानकारी लेकर स्मार्ट मीटर विरोधी आवेदन भरवाए गए।

शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा कि स्मार्ट मीटर और बढ़े बिजली बिल को लेकर आम उपभोक्ताओं में असंतोष है। कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर वास्तविक समस्याएं दर्ज कर उन्हें सरकार के समक्ष रखेंगे। पूर्व विधायक रेखचंद जैन ने बिजली बिल में बढ़ोतरी वापस लेने, स्मार्ट मीटर पर रोक लगाने और 400 यूनिट तक आधी दर वाली बिजली योजना फिर शुरू करने की मांग की।नगरनार ब्लॉक अध्यक्ष संतोष सेठिया ने कहा कि बढ़े बिजली बिल का आर्थिक बोझ आम परिवारों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मांगें पूरी होने तक कांग्रेस का चरणबद्ध आंदोलन जारी रहेगा।इस दौरान दयाराम कश्यप, प्रणयशील मंडल, प्रकाश राव नायडू, विकास राव,प्यारे बघेल,आयतु,राम कश्यप,सुनील सिंह, महेंद्र नागवंशी,वेंकट राव,श्रीनाथ रेड्डी,सदन नायक,शंकर लाल गुप्ता सहित कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांग्रेस की प्रमुख मांगें

बिजली बिल में की गई बढ़ोतरी वापस लेने,स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक लगाने और 400 यूनिट तक आधी दर वाली बिजली योजना बहाल करने की मांग को लेकर कांग्रेस उपभोक्ताओं से आवेदन भरवा रही है। पार्टी का कहना है कि इन आवेदनों के माध्यम से उपभोक्ताओं की सामूहिक आपत्तियां सरकार तक पहुंचाई

आंदोलन के बाद अंतागढ़ में सड़क मरम्मत कार्य शुरू

■ लेकिन प्रतिबंध के बावजूद भारी वाहनों की आवाजाही जारी रखने वाले अफसरों पर कार्रवाई क्यों नहीं? : आम आदमी पार्टी

अंतागढ़ / नव प्रदेश। अंतागढ़-नारायणपुर स्टेट हाईवे की बदहाल स्थिति को लेकर आम आदमी पार्टी द्वारा आंदोलन और चक्काजाम किए जाने के बाद आखिरकार सड़क मरम्मत का काम शुरू हो गया है। पार्टी ने इसे जनता के संघर्ष की जीत बताते हुए कहा है कि यदि प्रशासन समय रहते ग्रामीणों और आम लोगों की आवाज उठाता, तो सड़क की यह दुर्दशा नहीं होती और लोगों को आंदोलन के लिए मजबूर नहीं होना पड़ता।

आम आदमी पार्टी जिला महासचिव कांकेर शिव पोटाई ने सवाल उठाया है कि सड़क की जर्जर हालत और भारी वाहनों से हो रहे नुकसान को देखते हुए प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद लंबे समय तक भारी वाहनों की आवाजाही आखिर किसकी अनुमति या संरक्षण में जारी रही? सड़क के लगातार टूटने और आवागमन प्रभावित होने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की जांच कर उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है?

राजा परवेज खान ने कहा कि अंतागढ़-नारायणपुर मार्ग पर जगह-जगह गड्ढे और दलदल जैसी स्थिति बनने से ग्रामीणों, यात्रियों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कई जगह बसों की आवाजाही तक प्रभावित हुई। इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों ने समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की। अब आंदोलन के दबाव में मरम्मत शुरू होना इस बात का प्रमाण है कि प्रशासन जनता की समस्याओं को गंभीरता से तभी लेता है, जब लोग सड़क पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर होते हैं।आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एवं बस्तर लोकसभा अध्यक्ष नरेंद्र नाग ने कहा, ÷अंतागढ़ की जनता ने सड़क की बदहाली के खिलाफ आवाज उठाई और आंदोलन किया, तब जाकर प्रशासन की नींद खुली और मरम्मत का काम शुरू हुआ।

महिला कांग्रेस ने धूमधाम से मनाया हरियाली तीज मिलन समारोह

छत्तीसगढ़ी संस्कृति और नारी शक्ति की दिखी अनुपम झलक

जगदलपुर। नव प्रदेश। शहर एवं ग्रामीण जिला महिला कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में हरियाली तीज मिलन समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य, प्रदेश कांग्रेस प्रशासनिक महामंत्री मलकीत सिंह गैदू एवं पूर्व विधायक रेखचंद जैन की मौजूदगी में शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष लता निषाद और ग्रामीण महिला कांग्रेस अध्यक्ष चंपा ठाकुर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। समारोह में पारंपरिक वेशभूषा, तीज गीत-संगीत और छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति की आकर्षक झलक देखने को मिली।

महिलाओं ने विभिन्न सांस्कृतिक और मनोरंजक गतिविधियों में भाग लेकर एक-दूसरे को तीज की शुभकामनाएं दीं। शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष लता निषाद ने कहा कि हरियाली तीज छत्तीसगढ़ की गौरवशाली लोक परंपरा का हिस्सा है। ऐसे आयोजन सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने के साथ नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि महिला कांग्रेस महिलाओं के सम्मान,अधिकार और सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है।

ग्रामीण महिला कांग्रेस अध्यक्ष चंपा ठाकुर ने कहा कि तीज मिलन सामाजिक एकजुटता और आपसी सौहार्द का पर्व है। कांग्रेस नेताओं ने भी महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण में महिलाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। इस दौरान गौरनाथ नाग,वेंकट राव,मनु सेन,अपर्णा बाजपेई,श्याम कुमारी ध्रुव,देवकी भद्रे,तौसीफ जहां,जया ध्रुव,अनीता पोयाम,संगीता रेखचंद जैन,रोशनी जैन,सुशीला बघेल सहित बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

रायपुर में एनएचआरसीसीबी छत्तीसगढ़ टीम की एकदिवसीय प्रादेशिक कार्यशाला संपन्न

नारायणपुर/ नवप्रदेश। राष्ट्रीय मानव अधिकार क्राइम कंट्रोल ब्यूरो छत्तीसगढ़ टीम की ओर से ÷मानवाधिकार : एक परिचय÷ विषय पर एकदिवसीय प्रादेशिक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन 23 अगस्त 2026 को रायपुर स्थित होटल सिटी स्टार में किया गया। कार्यशाला में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से ब्यूरो के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा विभिन्न क्षेत्रों में नागरिकों के अधिकारों, कानूनों और जिम्मेदारियों की जानकारी प्रदान करना रहा।

कार्यशाला में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों एवं विषय के जानकारों ने मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में सहभागिता करते हुए मानवाधिकार से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम में माननीय श्री आशीष श्रीवास्तव जी, चीफ लीगल एंड डिफेंस काउंसलिंग, रायपुर ने कानूनी अधिकारों एवं मानवाधिकार से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया। माननीय रिटा. मेजर श्री प्रवीण सिंह जी, एक्स. एसएसपी, बस्तर, आर्मी कोच एवं डायरेक्टर ने अनुशासन, सुरक्षा एवं नागरिक अधिकारों के संबंध में जानकारी साझा की।

माननीय डॉ. शाहिद अली जी, सुप्रसिद्ध मीडिया शिक्षाविद्, प्राध्यापक, जनसंचार विभाग, केटीयू एवं चेयरमैन, पीआरएसआई रायपुर चैप्टर ने पत्रकारिता, मीडिया की भूमिका तथा जनसंचार के माध्यम से मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता के विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी दी।इसी क्रम में माननीय श्री शिवशंकर सोनपीपरे जी, राष्ट्रीय महासचिव, न्यू छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट फाउंडेशन ने पत्रकारिता एवं समाज में जागरूकता निर्माण के क्षेत्र में मानवाधिकारों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

माननीया डॉ. प्रीति केशरवानी जी, एमडी रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट एवं कैंसर रोग विशेषज्ञ ने स्वास्थ्य संबंधी अधिकारों और स्वास्थ्य के क्षेत्र में नागरिकों के अधिकारों की जानकारी दी। वहीं माननीय श्री नरेंद्र सिंह नेहरा जी, डायरेक्टर (टेक्निकल), नकोड़ा पाइप्स इंपेक्स लिमिटेड, रायपुर ने उद्योग एवं श्रमिकों के अधिकारों से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

सरपंच की अध्यक्षता में हुई मासिक समीक्षा बैठक

शिक्षा की गुणवत्ता और बच्चों के पोषण पर हुई चर्चा

अंतागढ़ / नव प्रदेश। ग्राम पंचायत हिन्दूबिनापाल के सभा कक्ष में गुरुवार को सरपंच सुश्री सनबती आचला की अध्यक्षता में मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में ग्राम पंचायत अंतर्गत आने वाले समस्त प्राथमिक शाला हिन्दूबिनापाल, कदमपारा, सोढ़े, भूरकापारा, नूलेकी, उच्च प्राथमिक शाला हिन्दूबिनापाल, सोढ़े एवं कोयामुरी बुम होरकुल आवासीय विद्यालय सोढ़े के प्रधान अध्यापक,समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष व सदस्य तथा ग्राम पंचायत के रोजगार सचिव जीराम जी के मेट समीक्षा बैठक में उपस्थित रहे।

बैठक में मुख्य रूप से - शिक्षा की गुणवत्ता और बच्चों के पोषण स्तर पर फोकस किया गया।

शिक्षा पर चर्चा - सरपंच सनबती आचला ने सभी प्रधान अध्यापकों से कक्षावार कुल दर्ज संख्या, बालक-बालिकाओं की उपस्थिति की जानकारी ली गई। कक्षा 5वीं में अध्ययनरत बच्चों के जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा के फार्म भरने की स्थिति एवं तैयारी की समीक्षा की गई। इस अवसर पर बच्चों को परीक्षा की बेहतर तैयारी के लिए नवोदय की पुस्तकों का वितरण किया गया। वहीं कक्षा 8वीं के बच्चों के लिए आयोजित होने वाली ह्स्स्स्थ, प्रयास और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को

पोषण व कुपोषण पर विशेष चर्चा

अपने पंचायत के समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों में 0 से 5 वर्ष तक के कुल दर्ज बच्चों, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं की जानकारी ली गई। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से कुपोषित एवं अति-कुपोषित बच्चों की वर्तमान स्थिति, वजन त्यौहार के आंकड़े एवं सुधार की जानकारी ली गई। सरपंच ने निर्देश दिया कि मीनू के अनुसार गर्म पका हुआ पोषण आहार, टेक होम राशन का नियमित वितरण हो तथा कुपोषित बच्चों के घर नियमित गृह भेंट कर उनके खान-पान में सुधार लाया जाये।

गैस सिलेंडर की 45 दिन की बाध्यता समाप्त कर 25 दिन करने की मांग

■ सांसद महेश कश्यप ने केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री को लिखा पत्र

दंतेवाड़ा / नवप्रदेश। बस्तर सांसद महेश कश्यप ने दंतेवाड़ा जिले के शहरी क्षेत्रों में रसोई गैस सिलेंडर की रीफिल अवधि को 45 दिन से घटाकर 25 दिन करने की मांग को लेकर केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी को पत्र लिखा है।

सांसद श्री कश्यप ने पत्र में अवगत कराया है कि वर्तमान में दंतेवाड़ा, गीदम, बचेली, किरंदुल, बारसूर सहित जिले के नगरीय क्षेत्रों में गैस एजेंसियों द्वारा 45 दिन से पहले दूसरा सिलेंडर नहीं दिया जा रहा है, जबकि प्रदेश के अन्य शहरी क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को 25 दिन में दूसरा सिलेंडर उपलब्ध हो जाता है।

उन्होंने कहा कि शहरी परिवारों में एक सिलेंडर औसतन 25 से 30 दिन में ही समाप्त हो जाता है। 45 दिन के नियम के कारण आम जनता को 15-20 दिन तक भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। मजबूरी में लोगों को ब्लैक में महंगा सिलेंडर लेना पड़ता है ।

35 ग्राम पंचायतों के सरपंच-कोटवारों को साइबर ठगी से बचाव की दी जानकारी

शिवरीनारायण/नवप्रदेश। छग में 15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक चलाए जा रहे साइबर जागरूकता अभियान के तहत शिवरीनारायण थाना परिसर में जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में थाना क्षेत्र की 35 ग्राम पंचायतों के सरपंच, कोटवार, नागरिक और बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को बढ़ते साइबर अपराध और ऑनलाइन ठगी के मामलों से सावधान रहने के साथ ही इससे बचाव के जरूरी उपायों की जानकारी दी। बैठक में एसडीओपी शिवरीनारायण तोमेश वर्मा और थाना प्रभारी के.पी. सिंह ने साइबर अपराध के विभिन्न तरीकों के बारे में विस्तार से समझाया। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान समय में साइबर ठग नए-नए तरीकों का इस्तेमाल कर लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। कभी बैंक अधिकारी बनकर तो कभी केवाईसी अपडेट, बिजली बिल, मोबाइल सिम बंद होने या आकर्षक ऑनलाइन ऑफर का झांसा देकर लोगों से गोपनीय जानकारी हासिल की जाती है। इसके बाद बैंक खातों से रकम निकाल ली जाती है। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की कि अनजान नंबरों से आने वाले फोन कॉल और मैसेज पर तत्काल भरोसा न करें। किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने या अनजान व्यक्ति द्वारा भेजे गए ऐप को डाउनलोड करने से बचें। फर्जी केवाईसी अपडेट के नाम

पर मांगी जाने वाली जानकारी साझा नहीं करने की भी समझाइश दी गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बैंक खाता संबंधी जानकारी, एटीएम पिन, पासवर्ड, ओटीपी और अन्य गोपनीय विवरण किसी भी व्यक्ति के साथ साझा नहीं करना चाहिए। बैठक में मौजूद सरपंचों, कोटवारों और युवाओं से कहा गया कि वे अपने-अपने गांवों में भी साइबर सुरक्षा को लेकर लोगों को जागरूक करें। विशेष रूप से बुजुर्गों और ऑनलाइन बैंकिंग का उपयोग करने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई।

ग्रामीणों तक पहुंचाएं साइबर सुरक्षा

पुलिस अधिकारियों ने सरपंचों और कोटवारों से अपने-अपने गांवों में साइबर सुरक्षा को लेकर लोगों को जागरूक करने की अपील की। युवाओं से सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक उपयोग करने और संदिग्ध लिंक या एप डाउनलोड नहीं करने को कहा गया। अधिकारियों ने बताया कि साइबर अपराध से बचाव में जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण है। अभियान के दौरान ग्रामीणों तक साइबर सुरक्षा का संदेश पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

न्यूज गैलरी

गौमांस की आशंका पर हंगामा संदिग्ध हिरासत में

अंबिकापुर/नवप्रदेश। शहर के चांदनी चौक इलाके में गौमांस खरीदकर लाने की आशंका को लेकर देर रात हंगामा हो गया। जानकारी मिलने के बाद बजरंग दल और अन्य संगठनों के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू की तथा एक संदिग्ध व्यक्ति को उसके घर से हिरासत में लिया। संगठनों के प्रतिनिधियों ने थाना पहुंचकर मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की। गौ सेवा दल से जुड़े लोगों ने भी घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की वास्तविकता जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। सरगुजा के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में पूर्व में गौ तस्करी और गौवंश से जुड़े मामले सामने आते रहे हैं। इस घटना को लेकर शहर में भी चर्चा का माहौल है। पुलिस ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। फिलहाल आरोपों की पुष्टि नहीं हुई है और पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

मिलादुन्नबी पर निकला जुलूस अमन-भाईचारे का दिया संदेश

लखनपुर/नवप्रदेश। नगर में मुस्लिम समुदाय द्वारा ईद मिलादुन्नबी का पर्व पूरे अकीदत और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अंजुमन गौसिया कमेटी एवं ईद मिलादुन्नबी कमेटी के तत्वावधान में सुबह 9 बजे जामा मस्जिद से भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस में बुजुर्गों के साथ बच्चे और बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए। तिरंगा और इस्लामी झंडों के साथ निकला जुलूस नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए गांधी चौक, अब्दुल कलाम चौक, पुलिस थाना, नेशनल हाईवे-130, गुदरी बाजार चौक और प्रतीक्षा बस स्टैंड से गुजरकर जामा मस्जिद पहुंचा। इस दौरान धार्मिक नारों से नगर का माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा। जामा मस्जिद के पेश इमाम तौफीक रजा ने पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जीवन और उनकी शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए लोगों से सच्चाई, भाईचारे, अमन और इंसानियत की राह पर चलने की अपील की। लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद दी। युवाओं ने नात शरीफ पेश की। पर्व के अवसर पर मुस्लिम समाज ने घरों और मस्जिदों को रंग-बिरंगी रोशनी एवं इस्लामी झंडों से सजाया। जश्ने ईद के मौके पर अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल वितरित कर उनके अच्छे स्वास्थ्य की दुआ की गई। शांति व्यवस्था बनाए रखने पुलिस बल भी तैनात रहा। आयोजन में कमेटी पदाधिकारियों सहित समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

चक्रधर समारोह: ट्रैफिक, पार्किंग और भीड़ प्रबंधन की पहले से बनेगी कार्ययोजना

रायगढ़/नवप्रदेश। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह ने कानून व्यवस्था की समीक्षा की।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रात: 11 बजे आयोजित बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, अवैध पार्किंग, ब्लैक स्पॉट, नशे के विरुद्ध कार्रवाई तथा आगामी त्योहारों और बड़े आयोजनों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में राजस्व, पुलिस सहित संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल हुए। कलेक्टर ने शहरी क्षेत्र के प्रमुख हॉटस्पॉट स्थानों पर नियमित अभियान चलाकर कोटपा एक्ट के तहत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूल एवं महाविद्यालयों के आसपास भी निगरानी बढ़ाया जाये। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सड़क किनारे अवैध पार्किंग पर लगातार कार्रवाई करें तथा ब्लैक स्पॉट की पहचान, ऑडिट और आवश्यक सुधारात्मक कार्यों की नियमित समीक्षा किया जाए। कलेक्टर ने जिला मुख्यालय रायगढ़ में होने वाले दस दिवसीय चक्रधर समारोह एवं कुश्ती प्रतियोगिता के दौरान यातायात, पार्किंग और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था पहले से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें, ताकि आयोजन के दौरान यातायात सुचारू रहे और आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह ने आगामी ईद, कृष्ण जन्माष्टमी सहित त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था को लेकर सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रैली, जुलूस एवं अन्य आयोजनों के लिए आवश्यक अनुमति लेना अनिवार्य है। बिना अनुमति आयोजन होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आयोजन समितियों के साथ बैठक कर रूट, यातायात, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की पहले से योजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयोजक शासन की मंशा के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। प्रशासन उनकी अपेक्षाओं को पूरा करने में हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने नशीली दवाइयों की बिक्री के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने तथा कोटपा एक्ट के तहत अधिक से अधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान, 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को तंबाकू उत्पादों की बिक्री तथा शैक्षणिक संस्थानों के आसपास तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर रोक के प्रावधानों का कड़ाई से पालन कराने को कहा।

डूोन सर्वे से ग्रामीण संपत्तियों का हो रहा है सटीक अभिलेखीकरण

स्वामित्व योजना से जिले के 19,917 ग्रामीणों को मिला संपत्ति का अधिकार

रायगढ़/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का विधिवत अधिकार दिलाने के उद्देश्य से रायगढ़ जिले में स्वामित्व योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना के माध्यम से वर्षों से आबादी भूमि पर अपने मकान और परिसंपत्तियां बनाकर रह रहे ग्रामीणों को अब उनकी संपत्ति का विधिवत प्रमाणिक अभिलेख मिल रहा है। जिले में अब तक 19 हजार 917 हितग्राहियों को उनके मकानों एवं परिसंपत्तियों का स्वामित्व प्रमाण-पत्र अर्थात अधिकार अभिलेख वितरित किया जा चुका है। अधिकार अभिलेख हाथ में आने के साथ ग्रामीणों में अपनी संपत्ति को लेकर सुरक्षा और विश्वास की भावना मजबूत हुई है तथा योजना को लेकर गांवों में अभूतपूर्व उत्साह भी देखा जा रहा है। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार जिले के 884

ग्रामों की आबादी भूमि का ड्रोन के माध्यम से सर्वे कराया गया है। इनमें से भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा 774 ग्रामों के नक्शे एवं अधिकार अभिलेख जिला प्रशासन को प्राप्त हो चुके हैं। इसके पश्चात 384 ग्रामों में ग्रामीणों को अधिकार अभिलेख वितरित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। यह पूरी प्रक्रिया ग्रामीणों की संपत्तियों का वैज्ञानिक, पारदर्शी और सटीक अभिलेखीकरण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।जिले में अब तक तहसीलवार कापू में 2,218, खरसिया में 701, घरघोड़ा में 6,468, छाल में 1,282, तमनार में 1,570, धरमजयगढ़ में 1,004, पुसौर में 2,702, मुकडेगा में 1,117, रायगढ़ में 1,159 तथा लैलूंगा में 1,696 हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख वितरित किए जा चुके हैं। इस तरह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति संबंधी अधिकारों को मजबूत करने के साथ-साथ भविष्य के लिए एक व्यवस्थित संपत्ति अभिलेख तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। अधिकार अभिलेख मिलने से ग्रामीणों को अपनी संपत्ति का प्रमाणिक और व्यवस्थित रिकॉर्ड प्राप्त हो रहा है। संपत्ति का स्वामित्व प्रमाण-पत्र उपलब्ध होने से आवश्यकता पड़ने पर मकान अथवा संपत्ति के आधार पर बैंक से ऋण प्राप्त करने की प्रक्रिया भी आसान हो सकेगी।

क्या है स्वामित्व योजना

स्वामित्व योजना के अंतर्गत ग्रामीण आबादी भूमि में स्थित मकानों एवं अन्य परिसंपत्तियों का जीआईएस आधारित सर्वेक्षण तथा ड्रोन से भू-मापन किया जाता है। सर्वेक्षण के आधार पर प्रत्येक संपति की स्थिति, सीमा और क्षेत्रफल का निर्धारण कर स्वामित्व प्रमाण-पत्र यानी अधिकार अभिलेख तैयार किया जाता है। ग्रामीण आबादी के सर्वेक्षण का कार्य राजस्व विभाग एवं भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।इस व्यवस्था से गांवों में स्थित निजी और सार्वजनिक संपत्तियों का व्यवस्थित रिकॉर्ड तैयार होगा। संपति की सीमा और क्षेत्रफल स्पष्ट होने से भविष्य में निजी संपत्ति से जुड़े विवादों में कमी आने की उम्मीद है। वहीं रास्ते, ग्राम पंचायत की खुली भूमि, नाले, तालाब और सरोवर जैसी सार्वजनिक उपयोग की संपत्तियों की सीमाएं भी स्पष्ट होंगी।

दुकान के छत की सीमेंट शीट हटाकर चोरी, आरोपी गिरफ्तार

अनूपपुर/नवप्रदेश। जिले में चोरी एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब के विशेष निर्देश पर बिजुरी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दुकान की छत की सीमेंट शीट हटाकर चोरी करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मामले में बालिग आरोपी मोहन सिंह गोंड़ सहित एक विधि से संघर्षरत बालक को पकड़ा है। बालिग आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार, आरकेव्हीव्ही स्कूल रोड, पानी टंकी के पास बिजुरी निवासी संतोष शुक्ला पिता स्व. रामसहाय शुक्ला, उम्र 50 वर्ष, की सीमेंट शीट से बनी इलेक्ट्रॉनिक की दुकान है। 23 एवं 24 अगस्त 2026 की दरमियानी रात अज्ञात चोरों ने दुकान की छत पर लगी सीमेंट शीट हटाकर अंदर प्रवेश किया और इलेक्ट्रॉनिक सामान चोरी कर फरार हो गए। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना बिजुरी में अपराध क्रमांक के तहत धारा

331(4), 305(ए) बीएनएस में प्रकरण दर्ज कर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। चोरी गए सामान में 5 नग कॉपर बेंडिंग वायर रील, करीब 4 किलोग्राम वजन, कूलर का एग्जॉस्ट फैन, एक सीलिंग फैन, कूलर मोटर का स्टेटर, मिनी कूलर एग्जॉस्ट फैन के दो स्टेटर तथा तीन सीलिंग फैन के स्टेटर शामिल थे। चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब 15 हजार रुपये बताई गई। विवेचना के दौरान पुलिस ने मोहन सिंह गोंड़ पिता मैकू सिंह गोंड़ एवं उसके साथी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों द्वारा चोरी करना स्वीकार किए जाने के बाद उनकी निशानदेही पर चोरी गया शत-प्रतिशत मशरूका बरामद कर लिया गया।

प्रशासन और नपा में समन्वय नही, सब्जी विक्रेता परेशान

मनेंद्रगढ़/नवप्रदेश। मनेंद्रगढ़ में लगने वाले साप्ताहिक बाजार के दौरान प्रशासन और नगर पालिका की समन्वय की कमी के कारण दुकानदारों और दूर-दराज से आए सब्जी विक्रेताओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

रक्षा बंधन त्योहार के एक-दो दिन पहले लगने वाले इस साप्ताहिक बाजार में खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के लोग पहुंचे थे, जिससे त्योहारी सीजन में सामानों की बिक्री बढ़ जाती है। ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के पावन अवसर पर शहर में जुलूस और मिलाद का आयोजन धूमधाम से किया गया। इसी के मद्देनजर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कोतवाली थाना मनेंद्रगढ़ में जनप्रतिनिधियों और समाज के प्रमुखों की उपस्थिति में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई थी। थाना प्रभारी विवेक पाटले ने बताया कि बैठक में यह तय हुआ था कि बुधवार को साप्ताहिक बाजार दोपहर 12:00 बजे के बाद लगेगा, जिसकी सूचना नगर पालिका को भी दी गई थी, लेकिन बैठक में नगर पालिका से कोई शामिल नहीं हुआ। वहीं, मुख्य नगर पालिका अधिकारी अजय राजपूत ने इस मामले में जानकारी न होने की बात कहते हुए संज्ञान लेकर स्थिति स्पष्ट करने की बात कही है। प्रशासनिक संवादहीनता का खामियाजा मुख्य बाजार के सब्जी विक्रेताओं को भुगतना पड़ा, जिन्हें दोपहर 12:00 बजे तक दुकानें लगाने नहीं दिया गया। इसके चलते दूर-दराज से आए विक्रेता परेशान होते रहे और उनकी दुकानें दोपहर 1:00 बजे के बाद ही खुल पाईं। दूर-दराज से आए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के इन विक्रेताओं को 4 से 5 घंटे तक दुकान न खोलने देने के कारण भारी परेशानी उठानी पड़ी।

मानवाधिकार से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा

चाम्पा/नवप्रदेश। राष्ट्रीय मानव अधिकार क्राइम कंट्रोल ब्यूरो छत्तीसगढ़ टीम की ओर से 'मानवाधिकार : एक परिचय' विषय पर एकदिवसीय प्रादेशिक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन 23 अगस्त को रायपुर स्थित होटल सिटी स्टार में किया गया। कार्यशाला में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से ब्यूरो के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा विभिन्न क्षेत्रों में नागरिकों के अधिकारों, कानूनों और जिम्मेदारियों की जानकारी प्रदान करना रहा।कार्यशाला में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों एवं विषय के जानकारों ने मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में सहभागिता करते हुए मानवाधिकार से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में आशीष श्रीवास्तव , चीफ लीगल एंड डिफेंस काउंसलिंग, रायपुर ने कानूनी अधिकारों एवं मानवाधिकार से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया। रिटा. मेजर प्रवीण सिंह जी, एक्स. एसएसपी, बस्तर, आर्मी कोच एवं डायरेक्टर ने अनुशासन, सुरक्षा एवं नागरिक अधिकारों के संबंध में जानकारी साझा की। डॉ. शाहिद अली, सुप्रसिद्ध मीडिया शिक्षाविद्, प्राध्यापक, जनसंचार विभाग, केटीयू एवं चेयरमैन, पीआरएसआई रायपुर चैप्टर ने पत्रकारिता, मीडिया की भूमिका तथा जनसंचार के माध्यम से मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता के विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। इसी क्रम में शिवशंकर सोनपीपरे, राष्ट्रीय महासचिव, न्यू छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट फाउंडेशन ने पत्रकारिता एवं समाज में जागरूकता निर्माण के क्षेत्र में मानवाधिकारों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

दो लाख 94 हजार महिलाओं को मिली रक्षाबंधन की सौगात

रायगढ़/नवप्रदेश। रक्षाबंधन से पहले जिले की 2 लाख 94 हजार से अधिक महिलाओं को महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त के रूप में आर्थिक संबल मिला।

मुख्यमंत्री साय ने बालोद जिले के डौंडीलोहारा में आयोजित महतारी वंदन सम्मान समारोह से प्रदेश की 67 लाख से अधिक माताओं-बहनों के बैंक खातों में योजना की 31वीं किस्त के रूप में 631 करोड़ 38 लाख रुपये से अधिक की राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री द्वारा रिमोट का बटन दबाते ही हितग्राही महिलाओं के मोबाइल पर राशि अंतरण के संदेश पहुंचने लगे। इस अवसर पर रायगढ़ जिले की ई-केवाईसी पूर्ण कर चुकी 2 लाख 94 हजार 773 महिलाओं के खातों में 27 करोड़ 4 लाख 49 हजार रुपये की राशि अंतरित हुई। मुख्यमंत्री साय ने बहनों को रक्षाबंधन की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि माताओं-बहनों के चेहरे की मुस्कान, उनका आत्मविश्वास और उनका आशीर्वाद ही सरकार की सबसे बड़ी ताकत है।

द्वादश ज्योतिर्लिंग की झांकी ने मोहा श्रद्धालुओं का मन, नशामुक्त का लिया संकल्प

खरौद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की काशी खरौद नगर स्थित ओम शांति भवन सेवाकेंद्र में सावन माह पर द्वादश ज्योतिर्लिंग की भव्य एवं आकर्षक झांकी सजाई गई।

सावन माह के दौरान झांकी के दर्शन के लिए नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। पूरे माह सेवाकेंद्र में श्रद्धा एवं आध्यात्मिकता का वातावरण बना रहा। सावन के अंतिम सोमवार को सेवाकेंद्र में विशेष सावन उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माताओं एवं बहनों ने सावन झूले

का आनंद लिया। साथ ही विश्व कल्याण, सुख-शांति एवं समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए शुभ संकल्प लिए गए। कार्यक्रम के साथ ही ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा चलाए जा रहे 10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाभियान को भी गति दी जा रही है। अभियान के अंतर्गत विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए खरौद नगर एवं आसपास के विभिन्न स्कूलों में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। विद्यालयों में विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में नगर के जनप्रतिनिधियों, पुलिस प्रशासन एवं विद्यालयों के शिक्षकों का महत्वपूर्ण सहयोग मिल रहा है। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र द्वारा आध्यात्मिक जागरूकता, संस्कार एवं नशामुक्ति के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। सावन उत्सव के माध्यम से जहां श्रद्धालुओं को आध्यात्मिकता से जोड़ा गया, वहीं नशामुक्ति अभियान के जरिए स्वस्थ एवं संस्कारवान समाज के निर्माण का संदेश दिया गया। उक्त बातें सेवाकेंद्र प्रभारी बीके मंजु दीदी ने बताई।

आयोजन

महिलाओं की सहभागिता से समाज होगा मजबूत

सावन महोत्सव में झेरिया यादव समाज की महिलाओं और बच्चों ने बिखेरी प्रतिभा

कोरबा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज (पंजीयन क्रमांक 5066) की ग्रामीण इकाई द्वारा ग्राम खरमोर स्थित सामुदायिक भवन में बुधवार को सावन महोत्सव का आयोजन उल्लास और उत्साह के साथ किया गया। धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित इस आयोजन में महिलाओं एवं बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ इष्टदेव श्री राधा-कृष्ण के विधिवत पूजन-अर्चन से हुआ। मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ श्रीमती सैलाना बी.एल. यादव का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इसके साथ ही अन्य अतिथियों का भी सम्मान किया गया।

मुख्य अतिथि सैलाना बी.एल. यादव ने कहा कि महिलाओं को समाज की प्रत्येक गतिविधि में सक्रिय रूप से भागीदारी निभानी चाहिए। महिलाओं की सहभागिता से समाज अधिक संगठित और सशक्त बनेगा।

उन्होंने कहा कि महिलाएं समाज की प्रगति में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इस दौरान उन्होंने महिलाओं

के साथ वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। समापन अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में शामिल महिलाओं एवं बच्चों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। भानु यादव ने अतिथियों, प्रतिभागियों और समाजजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में सैलाना बी.एल. यादव, फिरतीन बाई, मंजर बाई, लक्ष्मीबाई, दिलेश्वरी बाई, हेमलता यादव, आशा देवी, कमलाबाई, गीताबाई, शकुंतला बाई, गोमती यादव, सरिता यादव, भारती यादव, संध्या यादव, सुनीता यादव, ओम यादव, जमुना बाई, कमला यादव, साधमती यादव, ज्योति यादव, पूनम यादव, दीपिका यादव, मीना यादव सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। कोरबा जिला अध्यक्ष रिखीराम यादव एवं मूरत यादव के मार्गदर्शन तथा आयोजन समिति के अध्यक्ष उमेंद यादव के नेतृत्व में नित्यानंद यादव, टोकराम यादव, प्रेमलाल यादव, सुखनंदन यादव, रामप्रसाद यादव, सुनील यादव सहित समाज के वरिष्ठजन एवं बड़ी संख्या में समाजबंधुओं की उपस्थिति रही।

बच्चों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

सावन महोत्सव में बच्चों ने एकल एवं समूह नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। वहीं राधा-कृष्ण फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में नन्हे प्रतिभागियों ने मनमोहक वेशभूषा में प्रस्तुति देकर खूब तालियां बटोरीं। महिलाओं के लिए कुर्सी दौड़, मेहंदी और रंगोली सहित विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। सावन की हरियाली की थीम पर हरे रंग की साड़ियों में सजी महिलाओं ने आयोजन में विशेष आकर्षण जोड़ा।

एनएच के 175 मवेशियों को नगर पंचायत ने पहुंचाया गौठान

बाराद्वार/नवप्रदेश। जिले के कलेक्टर के सख्त निर्देश के बाद नगर पंचायत द्वारा नेशनल हाईवे एवं बाराद्वार नगरीय क्षेत्र में खुले में विचरण करने वाले पालतू एवं आवारा पशुओ को सडक से हटाकर गौठान ले जाने की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

नगर पंचायत नया बाराद्वार क्षेत्र में मुख्य मार्गों पर आवारा पशुओं के कारण बढ़ रहे सड़क हादसों और यातायात में आ रही बाधाओं को देखते हुए नगर पंचायत प्रशासन ने यह कदम उठाया है। सीएमओ मनोज कश्यप ने बताया कि नगर में पशुओं के खुले में विचरण करने से आमजन के आवागमन में बाधा उत्पन्न होने एवं सड़क दुर्घटनाओं की संभावना को देखते हुए नगर पंचायत द्वारा पशु मालिकों को अपने पालतू पशुओं को खुले में न छोड़ने एवं उन्हें सुरक्षित रूप से अपने घर या परिसर में ही रखने की समझाइश दी जा रही है। इसके अलावा नगर पंचायत द्वारा नगर की स्वच्छता, यातायात व्यवस्था एवं आमजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लगातार निगरानी की जा रही है एवं सीएमओ ने बताया कि पशुओं को खुले में छोड़ने वाले पशु मालिकों के विरुद्ध अब कार्यवाही भी की जाएगी। वही बाराद्वार शहर की सड़कों को आवारा मवेशियों से मुक्त कर दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाये जाने हेतू नगर पंचायत द्वारा प्रयास किया जा रहा है, जिसमें नगर के लोगो का सहयोग भी बेहद आवश्यक है।

अधिकारियों और कर्मचारियों को सौंपी जिम्मेदारी

सीएमओ के द्वारा पूरे अभियान के संचालन हेतु उप अभियंता उत्तम सिंह कंवर को नोडल अधिकारी एवं सफाई दरोगा विकास कुमार देवांगन को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। श्री देवांगन को गौठान में पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था का जिम्मा भी सौंपा गया है। इसके अलावा जैजैपुर चौक से गुप्ता ढाबा मार्ग तक के मवेशियों को हटाने के लिए गणपत लाल बरेठ, दिलीप कुमार कुर्रे और हेतराम कोसले को तैनात किया गया है। गुप्ता ढाबा से मुक्ताराजा नया बस स्टैंड तक की व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी अशोक चौरसिया, सुरेन्द्र बरेठ और भीम कुमार को दी गई है एवं गौठान में पशुओं की देखरेख और चारा-पानी की व्यवस्था के लिए मुरारी लाल बरेठ की ड्यूटी लगाई गई है। बुधवार को गौठान में मवेशियो की कुल संख्या 175 तक पहूंच गई है।

न्यूज गैलरी

सर्व यादव समाज की बैठक में नगर इकाई का हुआ गठन

मुगेली/नवप्रदेश। बुधवार को श्रीराधाकृष्ण मंदिर खर्राघाट में सर्व यादव समाज की आयोजित बैठक में सर्व यादव समाज के नगर इकाई के पदाधिकारियों का चुनाव किया गया, जिसमें सर्व सम्मति से विजय यादव कबीर वार्ड को नगर अध्यक्ष, पुष्पेन्द्र यादव उपाध्यक्ष, श्याम यादव सचिव, एवं राजेश यादव को कोषाध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष नरेश राम यादव, उपाध्यक्ष सतीश यादव, विनय यादव, महासचिव देवीशंकर यादव, सलाहकार अमर यादव, मनहरण यादव कोषाध्यक्ष फूलचंद यादव प्रचार मंत्री मोहित यादव, राजेंद्र यादव, तहसील अध्यक्ष प्रहलाद यादव, कोषाध्यक्ष सोनू यादव, संगठन मंत्री आनंद (जल्ला)यादव, राजकुमार यादव सरपंच प्रतिनिधि रामगढ, सरहू यादव, संतोष यादव, बिहारी यादव, लक्की यादव, रामजी यादव शिक्षक नगर, हिरेश यादव, रितेश यादव तिलक वार्ड, हिमांशु यादव कृष्णा यादव, पृथ्वी यादव बड़ाबाजार पृथ्वी यादव तिलक वार्ड ॠषभ यादव मोहन लाल यादव कबीर वार्ड सहित बडी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

चौबीस घंटे अखंड हरिकीर्तन रामधुनी, 25 मंडलियों ने दी प्रस्तुति

मुंगेली/नवप्रदेश। सावन मास में भगवान शिव की अराधना के साथ-साथ गांव-गांव में हरिकीर्तन, रामधुनी और सावन झूला जैसे अनेक धार्मिक आयोजन का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में सेतगंगा में स्थित श्रीरामजानकी मंदिर प्रांगण में 25 से 26 अगस्त तक 24 घण्टे की अखण्ड हरिकीर्तन रामधुनी का आयोजन किया गया। सेतगंगा सहित आसपास के गांवो दूरदराज की लगभग 25 रामधुनी मंडलियो ने हिस्सा लिया। पंडरिया, पंडोतरा, बोदा, बीजातराई, रमईपुर, कुबा, दुल्लापुर, शुक्लाभांठा सहित विभिन्न गांवो की मंडलियो ने अपनी शानदार प्रस्तुतियां दी। दो दिनो तक मंदिर प्रांगण परिक्षेत्र में रामधुनी/हरिकीर्तन की गुंज से भक्तिमय का माहौल बना रहा। श्रध्दालूओं ने पारंपरिक वादयंत्र ढोलक, झांझ मंजीरा के साथ-साथ गायन वादन और आकर्षण वेशभूषा में नृत्य कला की शानदार प्रस्तुति दी गई। पंडरिया की पुरूष और महिला की संयुक्त मंडली ने विशेष वेशभूषा में नृत्य प्रस्तुत कियें। जिसे दर्शको ने खूब सराहा। कार्यक्रम को सफल बनाने मे पं. राधेश्याम दास, केशव सिंह परिहार, नारायण शर्मा, रमाकांत सोनी, राजू सोनी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों का योगदान रहा।

अनूठी पहल: राशन कार्ड का उपहार देकर बहनों के चेहरे पर लाई मुस्कान

मुंगेली/नवप्रदेश। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर एन्डुज वार्ड के पार्षद ने अपने वार्ड की बहनों को एक अनूठा और उपयोगी उपहार देते हुए राशन कार्ड प्रदान किए। इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ उनके परिवार की खुशियों को मजबूत करना रहा। राखी के अवसर पर बहनों को सम्मानपूर्वक राशन कार्ड प्रदान करते हुए पार्षद रोशन सोनी ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं, बल्कि बहनों के सम्मान, सुरक्षा और सहयोग का संकल्प लेने का भी अवसर है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद परिवारों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। राशन कार्ड मिलने पर वार्ड की बहनों ने युवा पार्षद का आभार व्यक्त करते हुए इस पहल की सराहना की। रक्षाबंधन के मौके पर किया गया यह प्रयास क्षेत्र में भाई-बहन के रिश्ते के साथ सेवा और जनसरोकार की मिसाल बनकर सामने आया।

गर्भवती युवती की अस्पताल में मौत

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। बलरामपुर जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम डिगनगर में 19 वर्षीय अविवाहित गर्भवती युवती और उसके गर्भ में पल रहे सात माह के शिशु की मौत का मामला सामने आया है। तबीयत बिगड़ने के बाद युवती को राजपुर अस्पताल से मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर किया गया था, जहां बुधवार शाम उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। गर्भस्थ शिशु को भी नहीं बचाया जा सका। जानकारी के अनुसार युवती का राजपुर क्षेत्र के ग्राम बगाड़ी निवासी एक युवक से संबंध था। परिजनों को इसकी जानकारी युवती के करीब पांच माह की गर्भवती होने के बाद हुई। इसके बाद परिवार ने संबंधित युवक से संपर्क कर युवती से शादी करने की बात कही। परिजनों का आरोप है कि युवक ने शादी से इनकार कर दिया। इसी बीच गर्भावस्था सात माह तक पहुंच गई। अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजन युवती को राजपुर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया। यहां उपचार के दौरान बुधवार शाम युवती की मौत हो गई। गर्भ में पल रहे सात माह के शिशु की भी मौत हो गई।

फिर सवालों के घेरे में अग्निशमन विभाग, भीषण आग ने खोली तैयारियों की पोल

इलेक्ट्रॉनिक दुकान में आग से लाखों का सामान जलकर राख

मुंगेली/नवप्रदेश। नगर के दाऊपारा क्षेत्र में बुधवार देर रात 26 अगस्त को उस समय हड़कंप मच गया, जब दुबे मोबाइल पाइंट में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया और दुकान में रखे मोबाइल फोन सहित बड़ी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर खाक हो गया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार घटना में लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। हालांकि आग लगने के वास्तविक कारणों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। आग की भयावहता को देखते हुए आसपास की दुकानों और प्रतिष्ठानों में भी दहशत का माहौल निर्मित हो गया। स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पाने के लिए तत्काल प्रशासन को सूचना दी। वही सूचना देने के बाद भी फायर ब्रिगेड के नहीं पहुंचने पर दुकान संचालक के द्वारा स्थानीय लोगों की मदद से आग बुझाने में जुट गए और आग पर काबू पाने का लगातार प्रयास जारी रहा, फायर ब्रिगेड के पहुंचने में देरी पर लोगों में नाराजगी-घटना के बाद एक बार फिर नगर में फायर ब्रिगेड की व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए। स्थानीय लोगों एवं दुकान संचालक की ओर से प्रशासन को सूचना दिए जाने के बावजूद फायर ब्रिगेड के घटनास्थल तक पहुंचने में काफी समय लगने की बात सामने आई है। लोगों का कहना है कि यदि दमकल वाहन समय पर पहुंच जाता तो आग को शुरुआती स्तर पर ही नियंत्रित करने की संभावना थी। दुकान में आग तेजी से फैलने के कारण देखते ही देखते पूरा प्रतिष्ठान आग की चपेट में आ गया। मोबाइल फोन, मोबाइल एसेसरीज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण एवं अन्य सामान जलने से दुकान संचालक को भारी आर्थिक क्षति होने का अनुमान है।

घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम अजय शतरंज तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने आग की स्थिति तथा आसपास के प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को लेकर मौके पर मौजूद अधिकारियों एवं संबंधित अमले को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसी तरह नगर पालिका सीएमओ होरी सिंह ठाकुर भी घटनास्थल पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य की निगरानी की। प्रशासनिक एवं पुलिस टीम ने मौके पर मुस्तैदी दिखाते हुए आग को आसपास की दुकानों और अन्य प्रतिष्ठानों तक फैलने से रोकने के लिए आवश्यक प्रयास किए। अजय शतरंज और होरी सिंह ठाकुर की मौजूदगी में प्रशासनिक अमले ने स्थिति को नियंत्रित करने तथा आसपास के क्षेत्र में किसी तरह की अतिरिक्त क्षति न हो,इस दिशा में तत्काल कार्रवाई की। प्रशासनिक अधिकारियों की तत्परता के चलते आसपास के अन्य दुकानों को आग की चपेट में आने से बचाया जा सका।

91 गांवों की सुरक्षा महज 21 आरक्षकों के भरोसे

मुंगेली/नवप्रदेश। थाना फास्टरपुर बल की कमी से जूझ रहा है। बल की कमी के साथ ही पुलिसकर्मियों के लिये निवास और परिसर में बाउण्ड्रीवाल की आवश्यकता महसूस की जा रही है। सेतगंगा क्षेत्र में लगभग 91 ग्राम सम्मिलित है जिनका क्षेत्रफल 224 वर्ग किमी. है जनसंख्या 112776, मुख्यालय से दूरी 22 किमी. की दूरी है। जिसे देखते हुए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराये जाने की मांग जनप्रतिनिधियों ने की है।

सेतगंगा फास्टरपुर परिक्षेत्र अनुसूचित जाति/पिछड़ा वर्ग बाहुल्य क्षेत्र है। जहां अशिक्षा के कारण अपराधिक गतिविधियॉ इजाफा होने से सेतगंगा में लगभग सन् 1994-95 में कुण्डा पुलिस थाना से पुलिस चौकी सेतगंगा के रूप में संचालित की गई। सेतगंगा में कुछ समय तक पुलिस चौकी संचालन करने बाद भवन के अभाव होने के कारण सन् 2004 तक पुलिस चौकी फास्टरपुर में अनिश सेमुअल मसीह के नीजि भवन में संचालित की जा रही थी। सन् 2005 में शासन के द्वारा भवन के लिए राशि स्वीकृति मिली। जिसका उन्नयन 22 जुलाई 2013 को पुलिस थाना के रूप में किया गया। जो इन दिनों पुलिस बल की कमी से जुझ रहा है। थाने में पुलिस सहायक निरीक्षक सहित पुलिस बल की कमी है। थाना परिक्षेत्र में प्रतिवर्ष जनसंख्या मे वृध्दि के साथ-साथ अपराध का भी ग्राफ बढ़ रहा है इसके बावजूद सालों से स्वीकृत हुये पदो पर आज भी पुलिस बल की पूर्ण तैनाती नही हो पाई है।

वर्तमान में फास्टरपुर थाना में स्वीकृत पद निरीक्षक 1, उपनिरीक्षक 2, सहायक उपनिरीक्षक 4, प्रधान आरक्षक 8 और आरक्षक का पद 49 है। जिसमें सहा. निरीक्षक 1, उपनिरीक्षक 1, प्रधान आरक्षक 5, आरक्षक 15 पदस्थ है। निरीक्षक का पद विगत एक वर्षो से रिक्त है वही उपनिरीक्षक 1, सहायक उपनिरीक्षक 3, प्रधान आरक्षक 3, आरक्षक 34 लंबे समय से रिक्त है। इसके उपरांत पदस्थ प्रधान आरक्षक एवं आरक्षक में से न्यायालय कार्य हेतु 1, 112 टीम में 3, सरकारी वाहन चालक में 1, सी.सी.टी.एन.एस. में 2 तथा मुंगेली जिले के विभागीय कार्यालय में 5 आरक्षक कार्यरत् है।

नर्सिंग कॉलेजों की जांच की मांग, सौंपा ज्ञापन

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। सरगुजा जिले में संचालित नर्सिंग कॉलेजों की व्यवस्थाओं और निर्धारित मानकों के पालन को लेकर सरगुजा बचाओ संघर्ष समिति ने सवाल उठाए हैं।

समिति के सदस्य बिहारी लाल उरांव ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सरगुजा को ज्ञापन सौंपकर जिले के सभी नर्सिंग कॉलेजों की जांच कराने की मांग की है। समिति ने आरोप लगाया है कि कुछ नर्सिंग कॉलेज इंडियन नर्सिंग काउंसिल के निर्धारित मानकों और आवश्यक गाइडलाइन का पालन किए बिना संचालित हो रहे हैं। ज्ञापन में कॉलेजों के भवन, प्रशिक्षित फैकल्टी, मान्यता प्राप्त अस्पताल से टाई-अप, विद्यार्थियों के व्यावहारिक प्रशिक्षण और अन्य जरूरी संसाधनों की उपलब्धता की जांच कराने की मांग की गई है। समिति ने जांच के लिए प्रशासन की ओर से विशेष जांच दल गठित करने का आग्रह किया है। साथ ही जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए समिति के एक सदस्य को भी जांच दल में शामिल करने की मांग रखी गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि जांच के दौरान यदि किसी संस्थान में निर्धारित मानकों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित कॉलेज के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। समिति ने कहा कि नर्सिंग शिक्षा की गुणवत्ता सीधे विद्यार्थियों के भविष्य और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी है, इसलिए मामले में तत्काल कार्रवाई जरूरी है। ज्ञापन की प्रतिलिपि राष्ट्रपति, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य विभाग, चिकित्सा शिक्षा संचालनालय, इंडियन नर्सिंग काउंसिल और सरगुजा कलेक्टर सहित संबंधित अधिकारियों को भी भेजी गई है।

एमआईसी की बैठक में 13 प्रस्तावों पर लगी मुहर

रायगढ़/नवप्रदेश। नगर निगम रायगढ़ में महापौर जीवर्धन चौहान की अध्यक्षता में मेयर-इन-काउंसिल (एमआईसी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर के विकास, जल व्यवस्था, सफाई व्यवस्था, नाली एवं सड़क निर्माण सहित विभिन्न जनहित से जुड़े 13 बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में कई विकास कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई। कुल मिलाकर करीब 9 करोड़ 55 लाख रुपये के विकास कार्यों को हरी झंडी दी गई।बैठक में पेंशन योजना से संबंधित प्रकरणों पर भी चर्चा हुई। इसमें 13 व्यक्तियों को पात्र पाए जाने पर योजना का लाभ देने की स्वीकृति दी गई। वहीं परिवार सहायता योजना के तहत 9 महिलाओं को पात्र माना गया। एमआईसी ने जनहित से जुड़े इन मामलों में आवश्यक स्वीकृति प्रदान की।बैठक में शहर की जलापूर्ति व्यवस्था को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। 17 एमएलडी चांदमारी जल प्रदाय संयंत्र एवं 32 एमएलडी गोवर्धनपुर जल प्रदाय संयंत्र तथा दोनों इंटेक वेल के संचालन एवं संधारण की वर्तमान व्यवस्था की जानकारी ली गई। बताया गया कि इन दोनों जल प्रदाय संयंत्रों एवं संबंधित इंटेक वेल का संचालन और संधारण मेसर्स चंद्र निर्माण प्रा. लि. द्वारा किया जा रहा है।

जल व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए नियमित संचालन एवं संधारण का कार्य किया जा रहा है।

कलेक्टर ने उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया

रायगढ़/नवप्रदेश। जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने तथा कक्षा-कक्ष में नवाचार एवं बेहतर शिक्षण पद्धतियों को प्रोत्साहित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों को नई गति मिल रही है। इसी क्रम में जुलाई माह के 'पोस्ट ऑफ द मंथ' एवं 'बोलेगा बचपन' कार्यक्रम के अंतर्गत उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्य एवं नवाचार के लिए चयनित शिक्षकों को कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने प्रमाण पत्र एवं उपहार प्रदान कर सम्मानित किया। यह पहल शिक्षकों के नवाचारों को पहचान देने के साथ जिले के अन्य शिक्षकों

को भी बेहतर कार्य के लिए प्रेरित कर रही है। कलेक्टर ने कहा कि प्राथमिक शिक्षा बच्चों के भविष्य की आधारशिला है। बच्चों को केवल पाठ्यक्रम आधारित ज्ञान देने के बजाय उनकी जिज्ञासा, रुचि और क्षमता के अनुरूप सीखने के अवसर उपलब्ध कराना जरूरी है। उन्होंने शिक्षकों को गतिविधि आधारित एवं नवाचारी शिक्षण पद्धतियों को अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि कक्षा में किया गया।

शिक्षा गुणवत्ता में सुधार को लेकर मैराथन समीक्षा बैठक हुई

रायगढ़/नवप्रदेश। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और आगामी वार्षिक परीक्षा परिणामों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से विकासखंड पुसौर में शिक्षा विभाग की मैराथन समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के दिशा-निर्देश एवं जिला शिक्षा अधिकारी श्यामनंदन साहू के मार्गदर्शन में आयोजित बैठक में विकासखंड शिक्षा अधिकारी भुवनेश्वर पटेल ने विकासखंड के सभी 25 विद्यालयों के प्राचार्यों, संकुल प्राचार्यों एवं 31 संकुलों के शैक्षिक समन्वयकों के साथ

विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। विद्यालयों में वीएसके एप पर पंजीयन एवं उपस्थिति, सीजी स्कूल में पंजीयन और अवकाश की नियमित स्वीकृति, स्मार्ट क्लास एवं आईसीटी की स्थिति, पाठ्यक्रम पूर्णता, पुस्तकों की स्कैनिंग एवं ऑनलाइन वितरण, जाति प्रमाणपत्र निर्माण, जर्जर विद्यालय भवन, शौचालय स्वीकृति तथा मध्यान्ह भोजन व्यवस्था सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने प्रत्येक विद्यालय से कमजोर विद्यार्थियों के चिन्हांकन और उनके लिए अतिरिक्त कक्षाओं के संचालन की जानकारी ली।

विशेष रूप से कक्षा 10वीं एवं 12वीं के कमजोर विद्यार्थियों को चिन्हांकित कर सातवें कालखंड में अतिरिक्त कक्षा संचालित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में विद्यालयों को आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित करने की दिशा में भी चर्चा हुई। प्रत्येक क्षेत्र से एक प्राथमिक एवं एक माध्यमिक शाला को आदर्श शाला के रूप में विकसित करने, उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने तथा शासकीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने को लेकर भी बैठक में विशेष निर्देश दिए गए।

पेज 1 का शेष...

नेपाल जलप्रलय...

से इतनी राशि जुटाए जाने की संभावना जताई है। फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती लापता लोगों तक पहुंचना है। सड़कें और पुल टूटने, बिजली तथा संचार नेटवर्क ठप होने और कई इलाकों में भारी मलबा जमा होने के कारण बचाव अभियान मुश्किल बना हुआ है। अधिकारियों ने चेताया है कि दूरदराज के क्षेत्रों तक टीमें पहुंचने के साथ मृतकों और लापता लोगों का आंकड़ा बदल सकता है।

युवाओं को स्क्रीन से...

और प्लेग्राउंड चाहिए। स्वस्थ समाज और मजबूत परिवार के लिए स्पोर्ट्समैन स्पिरिट जरूरी है। खेल हमें चैंपियन के साथ बेहतर प्रतियोगी बनना सिखाते हैं। पैरा एथलीट्स की सफलता समाज और परिवारों में नई उम्मीद जगाती है।

फंडामेंटल्स ऑफ जेनेटिक्स...

है। बीएससी कृषि प्रथम वर्ष, द्वितीय सेमेस्टर की 'फंडामेंटल्स ऑफ जेनेटिक्स' परीक्षा को विश्वविद्यालय ने निरस्त कर दिया है। यह परीक्षा 19 अगस्त 2026 को आयोजित हुई थी। विश्वविद्यालय की ओर से जारी सर्कुलर के अनुसार, परीक्षा प्रशासनिक कारणों से रद्द की गई है। अब यह परीक्षा सितंबर 2026 के दूसरे सप्ताह में दोबारा आयोजित की जाएगी।इधर विश्व विद्यालय के परीक्षा नियंत्रक ने तेलीबांधा थाना प्रभारी को प्रश्न पत्र लीक की पूर्व में चल रही जांच में इसको भी शामिल करने का आग्रह किया है।

कस्टडी में मौत पर सीबीआई...

सीबीआई को 13 अक्टूबर की अगली सुनवाई से पहले जांच रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के मुताबिक ग्राम मोहरा निवासी 35 वर्षीय श्रवण सूर्यवंशी को पुलिस 17 जनवरी 2024 को लेकर गई थी। 18 जनवरी को पुलिस ने 6 लीटर महुआ शराब के साथ उसकी गिरफ्तारी बताते हुए आबकारी एक्ट में केस दर्ज किया। 19 जनवरी को कोर्ट में पेश करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया। 21 जनवरी को उसकी तबीयत बिगड़ी और सिम्स अस्पताल ले जाया गया, जहां 22 जनवरी को मौत हो गई। मामले की न्यायिक जांच में मौत की वजह सिर में लगी चोट के कारण कार्डियो-रेस्पिरेटरी अरेस्ट बताई गई थी। 22 जुलाई 2024 को सौंपी गई रिपोर्ट में शरीर में किसी तरह का रासायनिक जहर नहीं मिलने की बात भी सामने आई। श्रवण की पत्नी ने जांच में कहा था कि पुलिसकर्मी उसे अपने साथ लेकर गए थे। परिजनों ने पुलिस हिरासत में मारपीट के आरोप भी लगाए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को यह जांचने को कहा है कि श्रवण की मौत किन परिस्थितियों में हुई और क्या कोई अधिकारी हिरासत में हिंसा के लिए जिम्मेदार था। कोर्ट ने राज्य सरकार को मृतक के परिजनों को 25 लाख रुपए अंतरिम मुआवजा देने का भी आदेश दिया है। सीबीआई की टीम बिलासपुर पहुंचकर थाने और सेंट्रल जेल से केस डायरी, मेडिकल रिपोर्ट तथा अन्य जरूरी दस्तावेज जुटा चुकी है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल पर...

मांगने और सामग्री हटाने की बात कही। इसके बाद 19 अगस्त 2026 को उन्होंने शपथपत्र पेश कर फिर माफी मांगी। राज्य सरकार ने भी कड़ी शर्तों के साथ मामले के निपटारे पर सहमति जताई। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि दोनों को सार्वजनिक और न्यायालय के समक्ष माफी मांगनी होगी, आपत्तिजनक पोस्ट व कार्टून हटाने होंगे और भविष्य में ऐसी गलती नहीं करने का शपथपत्र देना होगा।

10 हजार बच्चों में खोजे...

विभिन्न चरणों में चयनित विद्यार्थियों को विशेष प्रशिक्षण के साथ बेंगलुरु भ्रमण और अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से संवाद का अवसर मिलेगा। जिला प्रशासन जशपुर और IDYM Foundation के संयुक्त तत्वावधान में शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के साथ उन्हें अंतरिक्ष विज्ञान, अंतरिक्ष यात्रा और अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण की व्यावहारिक जानकारी देना है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों के बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं है। उन्हें सही अवसर, मार्गदर्शन और आधुनिक वैज्ञानिक संसाधन उपलब्ध कराकर विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ाया जा सकता है।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी, रतनपुर
जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
।। ईश्तहार ।।
रतनपुर, दिनांक.. 29/07/2026
रा.प्र.क्र. (ब-121/2025-26) मौजा ग्राम मझवानी
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनंत सिंह पिता रामचन्द्र जाति गोंड़ निवासी ग्राम मझवानी तहसील रतनपुर जिला बिलासपुर द्वारा अपने स्वयं का जन्म दिनांक 12.12.1987 को ग्राम मझवानी में हो जाने के उपरांत कानूनी अज्ञानतावश ग्राम पंचायत मझवानी में पंजीयन नहीं करा पाने के कारण वर्तमान में जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 के धारा 13 (3) एवं छत्तीसगढ़ जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 के कंडिका 9 (3) अन्तर्गत जन्म प्रमाण पत्र बनाये जाने हेतु रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) एवं सचिव ग्राम पंचायत मझवानी को अनुज्ञा पत्र जारी किये जाने बाबत आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
तत्संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा / आपत्ति हो तो स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से लिखित में नियत तिथि 31/08/2020 को दावा/आपत्ति न्यायालयीन समयावधि में इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 29/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुद्रा से जारी किया गया।
कार्यपालिक दण्डाधिकारी
तहसील-रतनपुर, जिला बिलासपुर

नेपाल त्रासदी: सैलाब में बहते सपने, मलबे में दबी जिंदगी की उम्मीद

काठमांडू/नवप्रदेश/कुमार अभिनव। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया है कि नेपाल त्रासदी में 288 भारतीय नागरिक लापता हैं। इनमें 73 लोग त्रिशूली पावर प्रोजेक्ट में काम कर रहे हैं। इनके अलावा 37 और 39 लोगों के दो समूह तमिलनाडु के हैं, जो कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए हुए हैं। इनके अलावा तीसरा समूह 32 लोगों का है, जो पश्चिम बंगाल के हैं, वे भी कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए हुए हैं। इनके अलावा 61 लोग विभिन्न राज्यों के हैं, जो नेपाल में लापता हैं। साथ ही केरलम के 33 लोगों का भी एक समूह नेपाल में लापता है। इस तरह कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए कुल पांच समूह लापता हैं।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि एक कंट्रोल रूम विदेश मंत्रालय में स्थापित किया गया है और भारतीय दूतावास के हम लगातार संपर्क में हैं। रणधीर जायसवाल ने बताया कि बाढ़ के चलते नेपाल में नेटवर्क बुरी तरह से बाधित हुआ है, जिसके चलते भी कई लोगों से संपर्क नहीं हो पाया है। हमारे नेपाल और बीजिंग में मौजूद दूतावास 24 घंटे हेल्पलाइन चलाकर लोगों की मदद कर रहे हैं।

भारत ने नेपाल भेजी 47 टन राहत सामग्री

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि नेपाल को इस मुश्किल समय में मदद के लिए भारत ने दो विमान भेजे हैं। जिनमें से एक सी-130 जे विमान 10 टन राहत सामग्री लेकर बुधवार को नेपाल हुआ था। इनमें अस्थायी शेल्टर, दवाईयां आदि लेकर गया है। आज भी एक सी-17 विमान 37 टन राहत सामग्री लेकर नेपाल के लिए रवाना हुआ है। इनमें से आठ टन दवाईयां हैं और एक टन खाद्य पदार्थ हैं। इस तरह दो दिनों में नेपाल को 47 टन राहत सामग्री भेजी जा चुकी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि जो भी राहत सामग्री भेजी गई है, वह नेपाल की मांग के आधार पर ही भेजी गई है।

तमिलनाडु के 21 लोगों को सुरक्षित बचाया गया

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि तमिलनाडु के 21 लापता लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। जल्द ही इन लोगों को काठमांडू से नई दिल्ली लाया जाएगा। उन्होंने बताया कि कई कैलाश मानसरोवर तीर्थयात्री चीन में भी फंसे हुए हैं। इन लोगों का करीब 200 का आंकड़ा है। जिन्हें जल्द भारत लाया जाएगा।

लिव-इन में रह रहे बालिग जोड़े को हाईकोर्ट की राहत

हिमाचल प्रदेश :अपनी इच्छा से साथ रहने की मिली अनुमति

शिमला। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे एक बालिग युवक-युवती को बड़ी राहत देते हुए उन्हें अपनी इच्छा के अनुसार साथ रहने और रिश्ते को आगे जारी रखने की अनुमति दी है। अदालत ने कहा कि जब दोनों व्यक्ति बालिग हैं और अपनी मर्जी से कोई निर्णय ले रहे हैं, तो उन्हें अपने निजी जीवन के संबंध में स्वतंत्र फैसला लेने का अधिकार है।मुख्य न्यायाधीश गुरमीत सिंह संधावालिया और न्यायाधीश बिपिन चंद्र नेगी की खंडपीठ ने युवती की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। अदालत के समक्ष बताया गया कि दोनों की उम्र करीब 21 वर्ष है और वे जनवरी 2026 से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे हैं। मामले में युवक के माता-पिता शुरुआत में दोनों के रिश्ते के विरोध में थे। याचिका में आरोप लगाया गया था कि माता-पिता युवक को उसकी इच्छा के विरुद्ध कांगड़ा स्थित घर ले गए और वहां रखा गया। सुनवाई के दौरान युवक के माता-पिता भी अदालत में मौजूद रहे। उन्होंने बाद में स्पष्ट किया कि अब उन्हें युवक-युवती के रिश्ते पर कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, माता-पिता ने अदालत के सामने यह चिंता जरूर जताई कि युवक अभी पढ़ाई कर रहा है और लिव-इन रिलेशनशिप में रहने के फैसले का उसकी शिक्षा पर असर पड़ सकता है। मामले की सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने दोनों युवाओं से बातचीत और काउंसलिंग भी की। अदालत ने उन्हें अपने रिश्ते के साथ-साथ शिक्षा और भविष्य को लेकर भी गंभीर रहने की सलाह दी। अदालत ने परिस्थितियों को देखते हुए स्पष्ट किया कि दोनों बालिग हैं और अपनी इच्छा से साथ रहना चाहते हैं।

‘जो खेलेगा वो खिलेगा’: पीएम मोदी

नई दिल्ली/ए.। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ‘खेलो इंडिया डायलॉग - खेल की बात, प्रधानमंत्री मोदी के साथ’ के तहत गुरुवार को युवा एथलीटों को संबोधित किया। पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि जो खेलेगा वो खिलेगा। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान कहा कि खिलाड़ियों के नाम से ही उनके राज्य और शहर की पहचान होती है। पीएम ने साथ ही सभी को राष्ट्रीय खेल दिवस की बधाई भी दी। यह इवेंट राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के मौके पर 1,500 से ज्यादा शिक्षण संस्थानों में वर्चुअली आयोजित किया गया। आईआईटी, आईआईएम, एम्स, जाने-माने मेडिकल कॉलेज और विश्वविद्यालय कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले संस्थान हैं। यह पहल चार बड़े क्षेत्रों पर फोकस कर रही है, जमीनी स्तर पर खेल संरचना को मजबूत करना, कोचिंग और प्रतियोगी मौके, 2036 ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए प्रतिभाओं को पहचानना और उन्हें विकसित करना, गवर्नेंस और नेतृत्व में युवाओं की भागीदारी बढ़ाना और युवाओं को भविष्य के लिए तैयार स्किल्स, वॉलंटियरिंग के मौके और देश बनाने के रास्ते देना।

प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिए अपने भाषण में पांच से 15 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए देशव्यापी प्रतिभा खोज अभियान शुरू करने की घोषणा की थी जिससे कि ओलंपिक में भारत की भागीदारी बढ़ाई जा सके। प्रधानमंत्री ने कहा, इस 15 अगस्त को मैंने लाल किले की प्राचीर से देश के लिए भारत के खेल संबंधी दृष्टिकोण को सामने रखा। यह विकसित भारत के निर्माण में भारत की खेल शक्ति और युवा शक्ति को एक साथ जोड़ने का अभियान है। पीएम मोदी ने कहा, जब हम 2036 ओलंपिक की बात करते हैं तो हमें अभी से खिलाड़ियों को तैयार करना होगा।

ओलंपिक में भागीदारी बढ़ाने पर दिया जोर

पीएम ने युवा एथलीटों को संबोधित करते हुए कहा, 2036 ओलंपिक के लिए खिलाड़ी तैयार करने हैं। खिलाड़ियों की पहचान के लिए टैलेंट हब कार्यक्रम चलाना है। इसमें हर खेल में पदक आएं उसके लिए भारत को खेलों में महारत हासिल करनी होगी। मेडल टैली बढ़ाने के लिए हर खेल में आगे बढ़ना जरूरी। पांच से 15 साल के खिलाड़ियों की पहचान करनी होगी। खेल के लिए जो भी मदद चाहिए, सरकार उसमें समर्थन देगी। ओलंपिक में भागीदारी बढ़ाने पर जोर देना होगा। इसके लिए सरकार खिलाड़ियों को हर संभव मदद देगी।

सरकार की तरफ से दी जाएगी ट्रेनिंग

पीएम मोदी ने कहा, खेल को लेकर समाज का नजरिया बदला है। अच्छी खिलाड़ी बनने के लिए नशे से दूर रहना जरूरी है। मुझे भारत के युवाओं पर पूरा भरोसा है। कौन सा बच्चा किस खेल के लिए फिट है उसे पहचानें। स्पोर्ट्स इकोसिस्टम बढ़ाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। सरकार की ओर से युवा खिलाड़ियों को ट्रेनिंग भी दी जाएगी।

संघ प्रमुख के अमेरिका में कार्यक्रम को लेकर अलर्ट

वॉशिंगटन/ए.। संघ प्रमुख मोहन भागवत अमेरिका दौरे पर हैं। उनका यह दौरा शुरुआत से ही चर्चाओं में बना हुआ है। अब अमेरिका के एक गैर लाभकारी हिंदू संगठन हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने एक अलर्ट जारी किया है। इस अलर्ट में हिंदू समुदाय के लोगों से मोहन भागवत के मैडिसन स्कवायर गार्डन में होने वाले कार्यक्रम के लिए सतर्क रहने की अपील की गई है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन एक गैर-लाभकारी, शैक्षिक संगठन है, जिसकी स्थापना साल 2003 में हुई थी। इसका मुख्यालय वॉशिंगटन डीसी में है। यह संगठन अमेरिका में रहने वाले हिंदू समुदाय के हितों का ध्यान रखता है। मोहन भागवत के कार्यक्रम से पहले हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने सोशल मीडिया पर साझा एक बयान में कहा- ‘सामुदायिक परामर्श! हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन, न्यूयॉर्क शहर के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में होने वाले सार्वभौमिक एकता समारोह से पहले यह सुरक्षा चेतावनी जारी कर रहा है। सतर्क रहें, हालात से अवगत रहें और शालीनता बनाए रखें।’ संगठन ने कहा, ‘हिंदू अमेरिकियों को निशाना बनाने वाले लोगों ने समारोह को बाधित करने का प्रयास किया है। हम न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी से अपील करते हैं कि वे कार्यक्रम में उपस्थित लोगों सहित सभी न्यूयॉर्कवासियों की रक्षा करने के अपने कर्तव्य का पालन करें और सभी नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा की गारंटी दें।’ हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन की यह चेतावनी ऐसे समय सामने आई है, जब अमेरिकी मानवाधिकार निकाय, यूएससीआईआरएफ ने संघ प मुख के अमेरिका दौरे का विरोध किया है।

भारत ने स्नो लेपर्ड के संरक्षण पर रूस-भारत राउंडटेबल बैठक में लिया हिस्सा

नई दिल्ली/ए.। भारत ने बुधवार को रूस के मॉस्को में रशियन एकेडमी ऑफ साइंसेज के ए.एन. सेवरत्सोव इंस्टीट्यूट ऑफ इकोलॉजी एंड इवोल्यूशन में आयोजित स्नो लेपर्ड (हिम तेंदुए) के अध्ययन और संरक्षण पर रूस-भारत राउंडटेबल बैठक में भाग लिया। यह बैठक इंटररिजनल एसोसिएशन ‘Irbis’ और इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस (IBCA) के बीच दिसंबर 2025 में हुए साझेदारी समझौते के तहत आयोजित की गई। समझौते का उद्देश्य स्नो लेपर्ड पर अनुसंधान और संरक्षण के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) के प्रतिनिधिमंडल ने विज्ञान-आधारित पहलों के माध्यम से स्नो लेपर्ड संरक्षण में भारत की प्रगति को रेखांकित किया। वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (WII) के अधिकारियों ने आबादी अनुमान, रेडियो टेलीमेट्री और जेनेटिक एनालिसिस में हुई उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। उन्होंने संरक्षण रणनीतियों को बेहतर बनाने और प्रजाति की प्रभावी निगरानी के लिए वैज्ञानिक उपकरणों व आधुनिक तकनीकों के बढ़ते महत्व पर जोर दिया।

राउंडटेबल में रूसी संघ के प्राकृतिक संसाधन और पर्यावरण मंत्रालय, ए.एन. सेवरत्सोव इंस्टीट्यूट, मॉस्को चिड़ियाघर, रोस्प्रीरोडनादज़ोर तथा स्नो लेपर्ड अनुसंधान व संरक्षण से जुड़े प्रमुख विशेषज्ञ शामिल हुए। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने चर्चाओं और विशेष सत्रों में सक्रिय भूमिका निभाई। इन सत्रों में स्नो लेपर्ड संरक्षण और वैज्ञानिक अध्ययन के लिए संयुक्त कार्य के तरीकों पर फोकस किया गया। बैठक ने भारत और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान, अनुभव साझा करने तथा अनुसंधान, आबादी निगरानी और संरक्षण प्रयासों में बेहतर सहयोग के अवसरों को तलाशने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया।

भारत की मेजबानी में 12 सितंबर से होगा 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन

नई दिल्ली/ए.। भारत 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है और 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी 12-13 सितंबर 2026 को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में करेगा। सम्मेलन में ब्रिक्स के सदस्य और साझेदार देशों के नेता तथा आउटरीच के लिए आमंत्रित देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का मार्गदर्शन "Building for Resilience, Innovation, Cooperation and Sustainability" यानी "लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण" की थीम से हो रहा है। यह प्रधानमंत्री के "Humanity First" की भावना पर आधारित जन-केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है। सम्मेलन में साझा प्राथमिकताओं पर ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग मजबूत करने के साथ-साथ वैश्विक और क्षेत्रीय महत्व के मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान होगा। भारत की अध्यक्षता के दौरान देश के 25 से अधिक शहरों में 350 से ज्यादा बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इनका उद्देश्य ब्रिक्स की रणनीतिक साझेदारी को तीन प्रमुख स्तंभों राजनीतिक एवं सुरक्षा, आर्थिक एवं वित्तीय तथा सांस्कृतिक एवं जन-से-जन संबंधों के तहत और मजबूत करना है। इन बैठकों के साथ-साथ व्यापार-से-व्यापार और जन-से-जन पहलों के माध्यम से भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता ने व्यावहारिक और विकास-केंद्रित परिणामों के साथ ब्रिक्स सहयोग को आगे बढ़ाने में योगदान दिया है।

अमेरिका में विमान हादसा: अलास्का में क्रैश हुआ प्लेन,हादसे में चार की मौत

अलास्का। अमेरिका के अलास्का में बुधवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त होकर समुद्र के उथले पानी में जा गिरा। इस हादसे में विमान में सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई। हादसा अलास्का के एक दूरदराज के तटीय कस्बे के पास हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, Piper PA-24 विमान अलास्का के सबसे बड़े शहर एंकोरेज से उड़ान भरकर छोटे कस्बे सेल्डोविया के एयरपोर्ट की ओर जा रहा था। सेल्डोविया का एयरपोर्ट एंकोरेज से करीब 219 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। दुर्घटना के बाद विमान सेल्डोविया स्लो में किनारे के पास करीब 15 फीट (लगभग 4.5 मीटर) गहरे पानी में डूब गया। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के अलास्का क्षेत्र के प्रमुख क्लिंट जॉनसन ने बताया कि विमान तक पहुंचने के लिए अधिकारियों को ज्वार का पानी उतरने का इंतजार करना पड़ा।

दिल्ली विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF DELHI

विज्ञापन संख्या R&P/322/2026 दिनांक: 31.07.2026

दिल्ली विश्वविद्यालय के **रसायन विज्ञान, पर्यावरण अध्ययन, आनुवंशिकी , भूविज्ञान , हिंदी, भाषाविज्ञान, ऑपरेशनल रिसर्च, दर्शनशास्त्र और प्राणीशास्त्र** विभागों में **प्रोफेसर** के पद (7वें केंद्रीय वेतन आयोग के वेतन मैट्रिक्स के एकेडमिक पे लेवल-14) पर नियुक्ति के लिए योग्य उम्मीदवारों से निर्धारित आवेदन पत्र में ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि ‘एम्प्लॉयमेंट न्यूज़’ में विज्ञापन प्रकाशित होने की तारीख से दो सप्ताह है। अधिक जानकारी के लिए, कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.du.ac.in पर जाएं और ‘Work with DU’ के अंतर्गत ‘Jobs and Opportunities’ (नौकरियां और अवसर) पर क्लिक करें।

कोई भी अतिरिक्त जानकारी या सुधार केवल विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ही पोस्ट किया जाएगा।

CBC 21231/11/0015/2627 कुलसचिव

शानदार शुरुआत के बाद पिछड़ी ‘टॉक्सिक’

मुंबई। काफी इंतजार के बाद आखिरकार 26 अगस्त को फिल्म ‘टॉक्सिक’ सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। ‘टॉक्सिक’ ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की है। इसने भारत ही नहीं दुनियाभर में भी बेहतरीन कलेक्शन किया है। पहले दिन इस फिल्म ने ‘जवान’, ‘पठान’, ‘एनिमल’ और ‘कल्कि 2898 एडी’ का रिकॉर्ड तोड़ा है।

टॉक्सिक की पहले दिन की कमाई

फिल्म ‘टॉक्सिक’ ने बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन शुरुआत की।

सैकनिल्क से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 101.10 करोड़ रुपये की बड़ी ओपनिंग ली।

हिंदी में इस फिल्म ने 55 करोड़ रुपये, कन्नड़ में 23.30 करोड़ रुपये कमाए।

वहीं इस फिल्म ने तेलुगु में 16 करोड़ रुपये, तमिल में 5.50 करोड़ रुपये वहीं मलयालम में 1.30 करोड़ रुपये कमाए।

बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत के बावजूद फिल्म ‘धुरंधर 2’ के रिकॉर्ड को नहीं तोड़ पाई।

‘धुरंधर 2’ ने बॉक्स ऑफिस पर आते ही तबाही मचा दी थी और पहले दिन 123 करोड़ का कलेक्शन किया था। वहीं इसके मुकाबले में ‘टॉक्सिक’ ने पहले दिन 101.10 करोड़ की कमाई की।

0 **नई दिल्ली/ए.।** भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा ने बुधवार को ग्रैंड चेस टूर (GCT) के खिताबी मुकाबले में अपने दूसरे क्लासिकल गेम में ड्रॉ हासिल किया, लेकिन उनके प्रतिद्वंद्वी फैबियानो कारुआना अब भी छह अंकों की बढ़त बनाए हुए हैं। युवा भारतीय ग्रैंडमास्टर को पहले क्लासिकल गेम में कारुआना के हाथों 6-0 से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन दूसरे क्लासिकल गेम में उन्होंने 3-3 से ड्रॉ खेला।

कार्यालय कलेक्टर, जिला-कोण्डागांव
(आदिवासी विकास शाखा)

क्र./ 2061/आ.वि. / निर्माण / 2026-27 कोण्डागांव, दिनांक 17/08/2026

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना
(प्रथम सूचना)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से कार्यालय कलेक्टर, (सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास शाखा) जिला कोण्डागांव के कार्यालय में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत स्वीकृत कार्यों के लिए एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ शासन रायपुर द्वारा भवन दर अनुसूची जो 01.01.2015 से प्रभावशील एवं अद्यतन संशोधन सहित एस.ओ. आर. पद्धति के तहत ई-टेंडरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर पर पृथक-पृथक 69 कार्यों के लिए 1383.00 लाख (तेरह करोड़ तिरासी लाख) की पृथक-पृथक ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

ई-टेंडरिंग हेतु निर्धारित तिथि निम्नानुसार होगी :-

1- ई निविदा प्रारंभ तिथि	-	16.08.2026
2- ऑनलाइन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	-	10.09.2026 अपरान्ह 5.00 बजे तक
3- निविदा दस्तावेज प्रस्तुत करने हेतु अंतिम तिथि (स्पीड पोस्ट से)	-	15.09.2026 अपरान्ह 3.00 बजे तक
4- निविदा खोलने की तिथि	-	17.09.2026 पूर्वान्ह 11.30 बजे से
5- निविदा प्रपत्र का मूल्य (चालान हेतु)	-	निविदा लागत अनुसार होगी
6- कार्य पूर्णता की अवधि (प्रति कार्य)	-	03 माह
7- ठेकेदार की श्रेणी	-	द वर्ग या अधिक

टीप:- 01. आदिवासी विकास विभाग कोण्डागांव अंतर्गत पूर्व में लिये गये कार्य निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद 03 माह से अधिक समय तक कार्य लंबित होने की स्थिति में संबंधित ठेकेदार/फर्म निविदा हेतु पात्र नहीं होंगे।
02. कार्यों की सूची, निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेन्ट वेबसाईट -https://eproc.cgstate.gov.in में देखी जा सकती है।

जी-262702981/5

सहायक आयुक्त,
आदिवासी विकास, कोण्डागांव

Chhattisgarh Rural Roads Development Agency
VIKASH BHAVAN, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.)

E-Procurement Tender Notice

NIT No. 1188 /TC-T/CGRRDA/2026 Dated- 27.08.2026

Chief Engineer, CGRRDA, Raipur on behalf of Governor of Chhattisgarh invites package wise bids in electronic tendering system for, Construction & Maintenance of Road & Bridge under MMGSVY, sanctioned for districts of the state as per B.O.Q. from the eligible contractors / Firms registered with unified registration system (e-registration) for the works mentioned below.
Date of release of Invitation for Bids through e-procurement :

S. No.	NIT No.	Work Name	Amount (Rs. in Lakhs)	Districts	Rate invited
01	1188	Construction & Maintenance of Road & Bridge under MMGSVY	Total Cost 3696.64 Lakhs (Const. Cost 3566.49 Lakhs, Maint. Cost 130.14 lakhs.) (excluding GST)	Kabirdham, Jashpur, Mungeli, Dantewada, Bastar	Percentage Rate of PMGSY SOR 22.02.2018 & 06.06.2025 issued by CE, CGRRDA Raipur & PWD Bridge SOR 01.01.2025)

Availability of Bid Documents and mode of submission : The bid document is available online and should be submitted online in https://eproc.cgstate.gov.in. The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.

Detailed NIT and other details can be viewed on our website https://eproc.cgstate.gov.in from 31.08.2026 from 5:30 PM & onwards. In future any related corrigendum would be seen in the notice section of this website.

Chief Engineer
Chhattisgarh Rural Road Development Agency
Civil Lines, Raipur (C.G.)
E-mail: pmgsyrc4@yahoo.co.in

S- 48890/2

महतारी वंदन की मदद से रैमती मौर्य संवार रहीं परिवार की खुशियां

■ बिहान समूह से जुड़कर सब्जी उत्पादन से बढ़ाई आमदनी, नाती की पढ़ाई में भी बनीं सहारा

जगदलपुर/नव प्रदेश। तोकापाल विकासखंड के ग्राम मेटावाड़ा निवासी रैमती मौर्य महतारी वंदन योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता का उपयोग परिवार की जरूरतों के साथ अपने नाती की पढ़ाई में भी कर रही हैं। हर माह मिलने वाली राशि से वे बच्चों के लिए पेन, कॉपी सहित अन्य शैक्षणिक जरूरतें पूरी करती हैं और घरेलू खर्च में भी सहयोग देती हैं। उनका कहना है कि योजना से महिलाओं को छोटी-छोटी जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भरता कम करने का अवसर मिला है।

रैमती मौर्य करीब दस वर्ष पहले राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के बिहान समूह से जुड़ी थीं। वर्तमान में वे अमृता स्व सहायता समूह की सक्रिय सदस्य हैं। समूह के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों से जुड़कर उन्होंने आत्मनिर्भरता की राह

पकड़ी। क्लस्टर संगठन से आर्थिक सहायता लेकर वे साग-सब्जी का उत्पादन कर रही हैं। खेत की सब्जियां तोकापाल के साप्ताहिक बाजार और केशलूर में बेचकर नियमित आय अर्जित कर रही हैं।

रक्षाबंधन से पहले महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त मिलने पर रैमती ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि योजना की राशि उनके लिए रक्षाबंधन की सौगात है। महतारी वंदन की आर्थिक सहायता और बिहान समूह से जुड़ी आजीविका गतिविधियों ने उनका आत्मविश्वास बढ़ाया है। इससे वे परिवार की जरूरतें पूरी करने के साथ नाती की पढ़ाई में भी सहयोग कर पा रही हैं।

रैमती की आत्मनिर्भरता की कहानी

बिहान समूह से जुड़ने के बाद रैमती ने खेती को आय का जरिया बनाया। अब वे सब्जी उत्पादन और बाजार में बिक्री के माध्यम से परिवार की आमदनी बढ़ाने में योगदान दे रही हैं। महतारी वंदन की सहायता ने उनकी घरेलू जरूरतों का सहारा मजबूत किया है। उत्पादन को आजीविका का साधन बनाया। योजना की 31वीं किस्त ने रक्षाबंधन से पहले उनके परिवार को आर्थिक सहारा दिया। रैमती इसे महिलाओं के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा में उपयोगी पहल मानती हैं।

कोंटा नगर पंचायत चुनाव के लिए प्रभारी व सहप्रभारियों की नियुक्ति

जगदलपुर/नव प्रदेश। भारतीय जनता पार्टी ने कोंटा नगर पंचायत चुनाव के लिए प्रभारी एवं सहप्रभारियों की नियुक्ति की है। प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की सहमति से प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रामाश्रय सिंह को प्रभारी तथा बस्तर जिला कार्यसमिति सदस्य संग्राम सिंह राणा और जमुना मांझी को सहप्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।नवनियुक्त पदाधिकारियों ने दायित्व सौंपे जाने पर प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव और कोंटा प्रभारी मंत्री केदार कश्यप के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी की विचारधारा और संगठन की रीति-नीति को जन-जन तक पहुंचाने के साथ कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर चुनावी तैयारियों को मजबूत किया जाएगा।

नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई : इस अवसर पर सभी नवनियुक्त प्रभारी एवं सहप्रभारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी गईं। संगठन के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए सशक्त संगठन और विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य की दिशा में पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने की बात कही गई।

खेलो इंडिया युवा संवाद में युवाओं ने सुना प्रधानमंत्री का संदेश

जगदलपुर/नव प्रदेश।शासकीय गर्ल्स पॉलिटेक्निक जगदलपुर में मेरा युवा भारत एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में खेलो इंडिया युवा संवाद 2026 के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में युवाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल संबोधन उत्साह के साथ सुना। प्रधानमंत्री के संदेश से युवाओं में खेल भावना, अनुशासन और राष्ट्र सेवा की भावना को बढ़ावा मिला। कार्यक्रम में सांसद बस्तर महेश कश्यप,महापौर संजय पांडे सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सांसद ने कहा कि युवा अपनी प्रतिभा,अनुशासन और मेहनत के बल पर देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सक्षम हैं। उन्होंने युवाओं से सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। महापौर ने युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर और अनुशासित दिनचर्या सफल जीवन की आधारशिला है। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और खेल गतिविधियों में भाग लेने पर जोर दिया।

बारिश के बीच प्रकृति ने चित्रकोट को दिया नया रूप, जलधारा का रौद्र सौंदर्य बना आकर्षण

मिनी नियाग्रा चित्रकोट का बदला रूप 90 फीट की गहराई अब महज 5 फीट!

■ उफनती इंद्रावती ने बढ़ाई जलप्रपात की भव्यता,देश-विदेश से उमड़ रहे पर्यटक

जगदलपुर/नव प्रदेश।भारत के नियाग्रा के नाम से प्रसिद्ध बस्तर का चित्रकोट जलप्रपात इन दिनों अपने सबसे मनमोहक और रोमांचकारी रूप में नजर आ रहा है। घोड़े की नाल के आकार में फैला यह विश्वप्रसिद्ध जलप्रपात सामान्य दिनों में करीब 90 फीट की ऊंचाई से इंद्रावती नदी की धाराओं को नीचे गिरते देखना अपने आप में अद्भुत अनुभव है। लेकिन बारिश के मौसम में बढ़े जलप्रवाह ने इसकी तस्वीर ही बदल दी है। जलप्रवाह इतना अधिक है कि पानी गिरने की ऊंचाई अब कई स्थानों पर महज 5 से 10 फीट जैसी दिखाई दे रही है। इसके बावजूद चौड़ी जलधारा और तेज वेग ने चित्रकोट की खूबसूरती को और भव्य बना दिया है।

इंद्रावती नदी का उद्गम ओडिशा के कालाहांडी क्षेत्र से होता है। ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश का असर बस्तर में साफ दिखाई दे रहा है। नदी में बढ़े जलस्तर के बीच ओडिशा में जलाशयों और इंद्रावती परियोजना के द्वार खोले जाने की भी चर्चा है। हालांकि किन-किन द्वारों को खोला गया है, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बढ़ी जलधारा ने चित्रकोट को एक अलग ही स्वरूप दे दिया है।

चित्रकोट का यह बदला हुआ रूप पर्यटकों को खासा आकर्षित कर रहा है। ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना सहित देश के अलग-अलग हिस्सों से पर्यटक बड़ी संख्या में यहां पहुंच रहे हैं। चारों ओर फैली हरियाली, बादलों से घिरा आसमान और बीच में पूरे वेग से बहती इंद्रावती का दृश्य बरबस कैमरे में कैद करने को मजबूर कर रहा है। ड्रोन से लिया गया दृश्य तो मानो प्रकृति की विशाल चित्रकारी जैसा नजर आता है। जलप्रपात की ऊंचाई भले ही जलप्रवाह के कारण कम दिखाई दे रही हो,लेकिन उसकी चौड़ाई,गर्जना और रौद्र सौंदर्य इसे इस समय और भी खास बना रहे हैं।

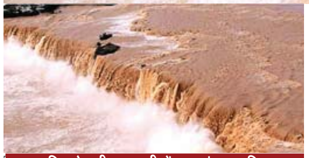

.चित्रकोट की खूबसूरती में चार चांद लगा दिए

इंद्रावती के बढ़े जलस्तर ने चित्रकोट की खूबसूरती में चार चांद लगा दिए हैं। बारिश के इस मौसम में यहां पहुंचने वाले पर्यटकों को जलप्रपात का ऐसा रूप देखने को मिल रहा है, जो सामान्य दिनों से बिल्कुल अलग है। प्रकृति के इस अद्भुत नजारे ने चित्रकोट को एक बार फिर बस्तर के सबसे आकर्षक पर्यटन स्थलों में अग्रिम पंक्ति में ला खड़ा किया है।

प्रकृति का अद्भुत रंग.......

बारिश के बाद चित्रकोट के आसपास की पहाड़ियां और जंगल घने हरे रंग से ढक गए हैं। इंद्रावती की विशाल जलराशि के बीच सफेद फेन उगलती धाराएं दूर से बेहद आकर्षक दिखाई देती हैं। यही दृश्य इन दिनों पर्यटकों और छायाकारों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण बना हुआ है।

महतारी वंदन की किस्त से रक्षाबंधन की खुशियां दोगुनी

त्योहार की जरूरतों के साथ भविष्य के लिए कर रहीं बचत

जगदलपुर/नव प्रदेश। महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ की महिलाओं के लिए आर्थिक संबल का माध्यम बन रही है। योजना के तहत मिलने वाली मासिक एक हजार रुपये की सहायता से महिलाएं घरेलू जरूरतों के साथ त्योहारों की तैयारियां और भविष्य के लिए बचत भी कर रही हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर योजना की 31वीं किस्त मिलने से महिलाओं की खुशियां और बढ़ गईं।

बस्तर विकासखंड के ग्राम देवड़ा निवासी उर्मिला यादव भी योजना की लाभार्थी हैं। रक्षाबंधन के समय मिली एक हजार रुपये की राशि से उन्होंने मिठाई,राखी और उपहार खरीदने की तैयारी की। उनका कहना है कि त्योहार के समय मिली यह सहायता परिवार के लिए काफी उपयोगी रही। उर्मिला ने बताया कि वह योजना से मिलने वाली राशि में से हर माह 300 रुपये बैंक में जमा कर रही हैं,ताकि जरूरत के समय यह बचत काम आ सके। उन्होंने कहा कि नियमित आर्थिक सहायता से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे अपनी तथा परिवार की जरूरतों के बारे में बेहतर निर्णय ले पा रही हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताते हुए उर्मिला ने कहा कि महतारी वंदन योजना से हर महीने आर्थिक सहारा मिल रहा है। रक्षाबंधन पर किस्त मिलने से त्योहार की खुशी दोगुनी हो गई। उन्होंने मुख्यमंत्री को कोटि-कोटि धन्यवाद दिया।

त्योहार के साथ भविष्य की चिंता भी कम

महतारी वंदन योजना की राशि महिलाओं के लिए तत्काल जरूरतों के साथ बचत और आत्मनिर्भरता का आधार भी बन रही है। रक्षाबंधन जैसे अवसर पर मिली आर्थिक सहायता ने महिलाओं को त्योहार की खुशियां मनाने के साथ भविष्य के लिए राशि सुरक्षित रखने का अवसर दिया है।

बचत की राह.......

नियमित आर्थिक सहायता से महिलाओं में बचत की आदत विकसित हो रही है। छोटी राशि से शुरू हुई यह बचत भविष्य की आकस्मिक जरूरतों में परिवार के लिए सहारा बन सकती है।

बांदे में गांजा तस्करी का भंडाफोड़

3.750 किलो गांजा के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

पखांजुर/नव प्रदेश। बांदे थाना क्षेत्र में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे उजियारा अभियान के तहत पुलिस ने गांजा तस्करी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 3 किलो 750 ग्राम गांजा बरामद किया। इसके साथ ही दो मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन सहित करीब 2 लाख 76 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की गई है।

पुलिस के अनुसार मुखबिर से गांजा तस्करी की सूचना मिलने पर बांदे पुलिस ने बीएसएफ जवानों के साथ ग्राम तोड़हुर प्राथमिक शाला के सामने घेराबंदी की। इस दौरान मोटरसाइकिल से पहुंचे दो संदिग्धों को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में कमल मंडल के कब्जे से 2 किलो 230 ग्राम तथा चिरंजीत मंडल के कब्जे से 1 किलो 520 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों की मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन भी जब्त कर लिए। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया और न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

उजियारा अभियान के तहत कांकेर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

कापसी/नव प्रदेश। उजियारा अभियान के तहत भानुप्रतापपुर पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए घर की बाड़ी में गांजा की खेती करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से गांजा के छोटे-बड़े 850 पौधे जड़ और मिट्टी सहित बरामद किए। जब्त गांजा का कुल वजन 8 किलो 660 ग्राम तथा अनुमानित कीमत 4 लाख 30 हजार रुपये बताई गई है।
पुलिस के अनुसार 26 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम भरसा तरहेल निवासी एक व्यक्ति अपने घर की बाड़ी में अरहर और अन्य फसलों के बीच गांजा के पौधे लगाकर खेती कर रहा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर संदिग्ध सुभाष कोरेटी (40) को पकड़ा। बाड़ी की तलाशी लेने पर गांजा के पौधे बरामद हुए। मामले में थाना भानुप्रतापपुर में अपराध क्रमांक 173/2026 के तहत एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8, 20(ए) में अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन में की गई।

बारिश में थम जाता है रास्ता ऊंची पुलिया निर्माण की मांग

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर जिले की ग्राम पंचायत गरावंडकला में गरावंडकला-हाटगुड़ा मार्ग पर नाले में ऊंची पुलिया निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीण एकजुट हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पुजारीगुड़ा से हाटगुड़ा के बीच स्थित छोटे नाले में हल्की बारिश के बाद भी पानी भर जाता है, जिससे आवागमन बाधित हो जाता है।

यह मार्ग कुम्डाकोट होते हुए नगरनार और सांसद निवास क्षेत्र को जोड़ता है। नाले में पानी भरने के कारण ग्रामीणों, किसानों और राहगीरों को दूसरे मार्ग से लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। ग्रामीणों ने कहा कि पर्याप्त ऊंचाई वाली पुलिया बनने से बरसात में भी आवागमन सुचारू रह सकेगा।समस्या को लेकर गरावंडकला के सरपंच दयाराम कश्यप ने बुधवार को ग्राम पंचायत के वार्डवासियों के साथ शासन-प्रशासन तक ग्रामीणों की मांग पहुंचाई। ग्रामीणों ने कहा कि समस्या लंबे समय से बनी हुई है,इसलिए क्षेत्र की सुविधा को देखते हुए पुलिया निर्माण को प्राथमिकता देते हुए जल्द स्थायी समाधान किया जाए।

ग्रामीणों की मांग

नाले पर पर्याप्त ऊंचाई वाली पुलिया का शीघ्र निर्माण, ताकि बारिश के दौरान मार्ग बंद होने की समस्या समाप्त हो और गरावंडकला,हाटगुड़ा सहित आसपास के गांवों का आवागमन सुचारू बना रहे।

सड़क सुरक्षा पर सांसद समिति सख्त यातायात सुधार की बनेगी ठोस रणनीति

■ ग्रामीण क्षेत्रों में मुनादी से जागरूकता,नशे में वाहन चलाने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

जगदलपुर/नव प्रदेश। जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए सांसद सड़क सुरक्षा समिति ने ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टोरेट के आस्था हॉल में समिति अध्यक्ष एवं सांसद महेश कश्यप की अध्यक्षता में हुई बैठक में ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों में जागरूकता अभियान, यातायात नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई और दुर्घटना संभावित क्षेत्रों को सुरक्षित बनाने पर जोर दिया गया। बैठक में कलेक्टर आकाश छिकारा और पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों में कोटवारों के माध्यम से मुनादी कर हेलमेट, वैध वाहन चालक अनुज्ञप्ति और बीमा के प्रति जागरूकता फैलाने तथा हाट-बाजारों और ग्राम पंचायतों में समझाइश देने का निर्णय लिया गया। तेज रफ्तार और शराब के नशे में वाहन चलाना दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण सामने आने पर ऐसे चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई के साथ अनुज्ञप्ति निलंबन पर जोर दिया गया।

आमागुड़ा चौक,पुराना पुल-आसना मार्ग,गीदम रोड और पंडरीपानी जैसे दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में गति अवरोधक, परावर्तक,संकेतक और प्रकाश व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए गए। स्कूल-कॉलेजों में नियमित जागरूकता कार्यक्रम चलाने तथा अभिभावकों से नाबालिगों को वाहन नहीं देने की अपील करने पर भी सहमति बनी।

शहर में पार्किंग और यातायात व्यवस्था होगी व्यवस्थित

शहर में बेतरतीब खड़े ऑटो-टैक्सियों के लिए व्यवस्थित स्टैंड, अतिक्रमण हटाने और लंबे समय से खड़े खराब वाहनों को हटाने के निर्देश दिए गए। बस्तर दशहरा और त्योहारी सीजन को देखते हुए पुराने बस स्टैंड के बेसमेंट, चांदनी चौक और संजय मार्केट के आसपास पार्किंग व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया गया।

रक्षाबंधन : स्व सहायता समूहों की महिलाओं ने तैयार की आकर्षक राखियां,ग्रामीण क्षेत्रों में भी बाजार गुलजार

राखी के रंग में रंगा जगदलपुर,बाजारों में सजीं बांस-कपास और धान की राखियां

गोल बाजार से संजय मार्केट तक सजे राखी बाजार,स्थानीय उत्पादों की बढ़ी मांग

जगदलपुर/नवप्रदेश। भाई-बहन के पवित्र प्रेम और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन नजदीक आते ही बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर का बाजार राखियों के रंग में रंग गया है। मुख्य मार्ग स्थित गोल बाजार चौक से लेकर जगन्नाथ मंदिर के सीरासार भवन के सामने, संजय मार्केट, कुम्हारपारा, अनुपमा चौक और नया बस स्टैंड मार्ग के ठाकुर रोड सहित शहर के प्रमुख स्थानों पर राखी की दर्जनों दुकानें सज गई हैं। बाजार में सुबह से शाम तक राखी खरीदने पहुंच रहे लोगों से रौनक बढ़ी हुई है।

इस वर्ष बाजार में पारंपरिक राखियों के साथ स्थानीय स्तर पर तैयार की गई राखियां भी लोगों को आकर्षित कर रही हैं। जिला प्रशासन की पहल से स्व सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा बांस, कपास और धान जैसी स्थानीय सामग्री से तैयार राखियां बिक्री के लिए उपलब्ध कराई गई हैं। इन राखियों में बस्तर की स्थानीय कला और ग्रामीण महिलाओं की मेहनत की झलक देखने को मिल रही है। लोगों में स्थानीय उत्पादों के प्रति रुचि बढ़ने से इन राखियों की मांग भी अच्छी बताई जा रही है।

रक्षाबंधन की तारीख को लेकर इस बार चंद्रग्रहण और पूर्णिमा तिथि के कारण लोगों में कुछ भ्रम की स्थिति बनी रही। पंचांगों के अनुसार इस वर्ष रक्षाबंधन 28 अगस्त शुक्रवार को मनाया जाएगा। पूर्णिमा तिथि 27 अगस्त सुबह से शुरू होकर 28 अगस्त सुबह 9:48 बजे तक रहेगी। उपलब्ध पंचांग के अनुसार राखी बांधने का शुभ समय भी 28 अगस्त की सुबह बताया गया है।

बस्तर से लगे ओडिशा के क्षेत्रों में भी पर्व को लेकर बाजारों में चहल-पहल बनी हुई है। वहीं जगदलपुर सहित छत्तीसगढ़ में शुक्रवार को भाई-बहन रक्षाबंधन का पर्व मनाएंगे। ग्रामीण अंचलों में भी राखी बाजार की रौनक कम नहीं है। आड़ावाल में बड़ा राखी बाजार सजा है,जबकि आसना सहित आसपास के गांवों में किराना दुकानदारों ने भी अपनी दुकानों के सामने राखी के स्टॉल लगाए हैं।

स्थानीय राखियों से महिलाओं को स्वरोजगार का संबल : बाजार में इस बार स्थानीय स्तर पर तैयार राखियों की मौजूदगी केवल त्योहार की खरीदारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण और स्व सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के लिए आय का माध्यम भी बन रही है। बांस,कपास और धान से तैयार राखियां बस्तर की स्थानीय पहचान को राखी पर्व से जोड़ रही हैं। इससे एक ओर खरीदारों को पारंपरिक और स्थानीय उत्पाद मिल रहे हैं।

मां दंतेश्वरी को समर्पण

बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी को रक्षाबंधन पर सबसे पहले कच्चे सूत (कपास के धागे) से बनी विशेष राखी अर्पित की जाती है।प्राचीन परंपराः यह परंपरा करीब 800 साल पुरानी है, जिसे मंदिर के सेवादार कच्चे सूत को भिगोकर और लाल रंग (प्राकृतिक रंगों) में रंगकर पूरी विधि-विधान से तैयार करते हैं।त्यौहार की शुरुआतः जब देवी दंतेश्वरी को यह सूत की राखी बांधी जाती है,उसके बाद ही बस्तर क्षेत्र में आम लोग अपने घरों में रक्षाबंधन का त्योहार मनाते हैं।

शहीद पार्क की व्यवस्था सुधारने महापौर से मिले वरिष्ठ नागरिक

जगदलपुर/नव प्रदेश। शहर के वरिष्ठ नागरिकों ने महापौर संजय पांडे से मुलाकात कर शहीद पार्क की बदहाल व्यवस्थाओं में सुधार की मांग को लेकर पत्र सौंपा। वरिष्ठ नागरिकों ने बताया कि पार्क में प्रतिदिन बड़ी संख्या में वरिष्ठजन,महिलाएं और बच्चे सुबह-शाम टहलने, व्यायाम एवं मनोरंजन के लिए पहुंचते हैं, लेकिन वर्तमान में कई सुविधाएं जर्जर और अव्यवस्थित हैं।

पत्र में पार्क की नियमित साफ सफाई,उद्यान के रखरखाव, शौचालयों की मरम्मत, जिम उपकरणों एवं झूलों की मरम्मत, चहारदीवारी को सुरक्षित करने और क्षतिग्रस्त वॉकिंग ट्रैक के सुधार की मांग की गई। साथ ही खुली नाली को ढकने,टॉय ट्रेन एवं ट्रैक्टर को चालू कराने तथा बैठक स्थल पर शेड निर्माण की मांग भी रखी गई। इस दौरण पी गुप्तावर राव,एएसएस नाइक डी. बामिला पंछी (उमेंद्र पामोहरी), छबिलेश्वर जोशीजी अध्यक्ष, रामन्ना राब,नागेश कापेवार,राजेंद्र पांडे,सुनिमहेश तिवारी एस महन्ती, कमलेश मंडन, योगेश कुमार वर्मा, पी गुप्तेश्वर राव सम्मलित थे।

धुएं वाले चूल्हे से मिली महिलाओं को मुक्ति, उज्ज्वला ने आसान की रक्षाबंधन की खुशियां

गैस कनेक्शन से बदली रसोई की तस्वीर, बिंदेश्वरी राजपूत अब बिना धुएं के बना रहीं त्योहार के पकवान

बिलासपुर/नवप्रदेश। कभी लकड़ी और गोबर के कंडों से जलने वाले चूल्हे के धुएं के बीच खाना पकाने वाली बिलासपुर की बिंदेश्वरी राजपूत के लिए उज्ज्वला गैस योजना सुविधा और राहत का माध्यम बनी है। गैस कनेक्शन मिलने के बाद न केवल उनकी रसोई धुएं से मुक्त हुई, बल्कि खाना पकाने में लगने वाला समय और मेहनत भी कम हुई है। इस रक्षाबंधन पर्व पर वे इसी सुविधा के सहारे परिवार के लिए तरह-तरह के स्वादिष्ट पकवान तैयार कर रही हैं।

श्रीमती बिंदेश्वरी राजपूत बताती हैं कि उज्ज्वला गैस योजना का लाभ मिलने से पहले खाना बनाने के लिए लकड़ी और गोबर के कंडों पर निर्भर रहना पड़ता था। चूल्हे से निकलने वाले धुएं से पूरी रसोई और कई बार घर भी धुएं से भर जाता था। आंखों में जलन होने के साथ ही लंबे समय तक रसोई में खड़े रहना मुश्किल हो जाता था। त्योहारों के दौरान जब सामान्य दिनों की तुलना में अधिक पकवान बनाने पड़ते थे, तब परेशानी और बढ़ जाती थी।

गैस कनेक्शन ने बदली दिनचर्या

उज्ज्वला गैस योजना के तहत गैस कनेक्शन मिलने के बाद उनके दैनिक जीवन में बड़ा बदलाव आया है। अब लकड़ी और कंडों की व्यवस्था करने की जरूरत नहीं पड़ती।

गैस सिलेण्डर की सुविधा से कम समय में आसानी से खाना तैयार हो जाता है। रसोई में धुआं नहीं होने से खाना पकाना भी पहले की अपेक्षा अधिक सुविधाजनक और आरामदायक हो गया है। उन्होंने उज्ज्वला गैस योजना के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि योजना से उनके घर की रसोई में सुविधा, स्वच्छता और खुशियां आई हैं। इस रक्षाबंधन पर वे परिवार के साथ उत्साहपूर्वक पर्व मना रही हैं और गैस की सुविधा से तैयार किए जा रहे स्वादिष्ट पकवान त्योहार की खुशियों को और खास बना रहे हैं।

पकवानों में सुविधा का स्वाद

रक्षाबंधन पर्व को लेकर इन दिनों उनके घर में उत्साह का माहौल है। भाई-बहन के स्नेह और प्रेम के पर्व पर घर आने वाले परिजनों के लिए वे मनपसंद पकवान और स्वादिष्ट व्यंजन तैयार कर रही हैं। बिंदेश्वरी बताती हैं कि पहले चूल्हे के धुएं के बीच त्योहार के लिए पकवान बनाना काफी कठिन होता था, लेकिन अब गैस की सुविधा से बिना परेशानी के अलग-अलग व्यंजन तैयार कर पा रही हैं। इससे त्योहार की तैयारियां भी आसान हो गई हैं और परिवार के साथ खुशी के पल बिताने के लिए अधिक समय मिल रहा है।

न्यूज गैलरी

पूर्व सीएम बघेल ने मोहभट्ठा में की पूजा

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिलासपुर जिले के बिल्हा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मोहभट्ठा में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पहुंचकर भगवान भोलेनाथ जी के पूजा अर्चना अभिषेक व आरती पश्चात भोग प्रसाद ग्रहण किए । इस अवसर पर पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ हजारों के तादाद में ग्रामीण जन व श्रद्धालु उपस्थित थे। सावन मास के पुनीत अवसर पर शिव जी के पूजा में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी के साथ गिरीश देवांगन प्रदीप शर्मा विधायक अटल श्रीवास्तव दिलीप लहरिया पूर्व विधायक सियाराम कौशिक शैलेंष पांडेय पूर्व मंडी अध्यक्ष राजेंद्र शुक्ला छत्तीसगढ़ योग आयोग के पूर्व सदस्य रविंद्र सिंह सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष प्रमोद नायक जिला अध्यक्ष घनश्याम वर्मा महेंद्र गंगोत्री ब्लॉक अध्यक्ष गीतांजलि कौशिक शिव सिंह ठाकुर लक्ष्मी साहू शिवबालक कौशिक प्रशांत पांडेय सुभाष ठाकुर नानक रेलवानी बब्लू केसरवानी प्रकाश बिंदल विक्की नानवानी बृजेश शर्मा राम श्याम आर्य आशुतोष पांडेय विनोद कुर्रे व मंदिर के संस्थापक सदस्य अजीत तिवारी सहित हजारों श्रद्धालु जन पूजन कार्यक्रम में शामिल होकर प्रसाद प्राप्त किये।

सेवानिवृत्ति पर लता वासिंग को दी भावभीनी विदाई

बिलासपुर/नवप्रदेश। राज्य कर विभाग, बिलासपुर में विभागीय समिति की पूर्व अध्यक्ष लता वासिंग के सेवानिवृत्त होने पर विभागीय समिति की ओर से गरिमामय विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके दीर्घ एवं समर्पित सेवाकाल को याद करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में राज्य कर बिलासपुर के संयुक्त आयुक्त एम.के. धनेलिया, सहायक आयुक्त आशीष कुमार मंडावी तथा विभागीय समिति के अध्यक्ष राजेंद्र फाये सहित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों और कर्मचारियों ने श्रीमती वासिंग के कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें सुखद, स्वस्थ एवं समृद्ध सेवानिवृत्त जीवन की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर लता वासिंग को स्मृति-चिह्न एवं प्रशस्ति-पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान उनके विभागीय योगदान और कार्यशैली को याद करते हुए वक्ताओं ने उनके सेवाकाल को प्रेरणादायी बताया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के सचिव सुनील शर्मा, रीता घोष, कोषाध्यक्ष अखिलेश कश्यप, श्रद्धा शर्मा, अल्का साहू, अभिषेक ठाकुर, प्यारे लाल, रोहिणी देवांगन, सरोज हुमने, देवेंद्र एवं जयप्रकाश का विशेष सहयोग रहा। ईश्वर पटेल ने मंच का संचालन किया। अंत में उपस्थित सभी अधिकारी-कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

स्कूटी सवार तीन युवकों ने महिला के गले से छीनी थी सोने की चैन

दो लुटेरे राउरकेला से गिरफ्तार रिमांड पर जेल भेजे गए

बिलासपुर/नवप्रदेश। थाना सिरगिट्टी पुलिस ने लूट के प्रकरण में फरार चल रहे दो आरोपियों को राउरकेला, ओडिशा से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल किया है। गिरफ्तार आरोपियों में सोनू सोनकर उर्फ टेनी (29), निवासी न्यू बस स्टैण्ड मछली मार्केट, थाना प्लांट साइड, राउरकेला तथा मोह. इरफान अंसारी उर्फ झुले (19), निवासी माल गोदाम मदरसा, थाना उदित नगर, राउरकेला शामिल हैं। मामले में प्रार्थिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 19 जून 2026 को सुबह करीब 8:15 बजे घर के पास फूल तोड़ते समय स्कूटी सवार तीन युवकों ने मारपीट कर उसके गले से करीब एक तोला वजन की सोने की चैन, जिसमें लॉकेट लगा था, कीमत लगभग 80 हजार रुपये, लूट ली और फरार हो गए। विवेचना के दौरान दो आरोपियों नवीन साहू एवं प्रमोद सिंह को पूर्व में गिरफ्तार किया गया था। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश एवं थाना प्रभारी प्रशिक्षु डीएसपी आकाश चौधरी के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर राउरकेला पहुंचकर दोनों फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

दुकान का शटर तोड़कर नकदी राशन की चोरी, आरोपी बंदी

सिरगिट्टी पुलिस ने चोरी के आरोपी को 24 घंटे में किया गिरफ्तार थाना सिरगिट्टी पुलिस ने दुकान का ताला तोड़कर चोरी करने वाले आरोपी को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया।

गिरफ्तार आरोपी राहुल महतो पिता दिनेश महतो (26 वर्ष), निवासी भवानी नगर, शिव मंदिर के पास, सिरगिट्टी, बिलासपुर है।मामले में प्रार्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 22 अगस्त 2026 की रात करीब 9 बजे दुकान बंद कर घर चला गया था। 24 अगस्त की सुबह करीब 8 बजे दुकान खोलने पहुंचा तो शटर का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखने पर गल्ले में रखी नकदी एवं राशन सामग्री, कुल कीमत करीब 35 हजार रुपए, चोरी होना पाया गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर 26 अगस्त को अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश एवं थाना प्रभारी प्रशिक्षु डीएसपी आकाश चौधरी के मार्गदर्शन में पुलिस ने संदेहियों से पूछताछ की। पूछताछ में राहुल महतो ने चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी का सामान बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल किया।

लेखा प्रशिक्षण के लिए 30 सितंबर तक आवेदन

बिलासपुर/नवप्रदेश। शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला बिलासपुर में आगामी लेखा प्रशिक्षण सत्र नवंबर 2026 से फरवरी 2027 तक आयोजित किया जाएगा। इसके लिए इच्छुक लिपिक वर्गीय कर्मचारियों से 1 सितंबर से 30 सितंबर 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।प्राचार्य, शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला बिलासपुर ने बिलासपुर संभाग के अधीनस्थ समस्त कार्यालय प्रमुखों से कहा है कि उनके विभाग एवं कार्यालय में पदस्थ ऐसे लिपिक वर्गीय कर्मचारी, जिन्होंने तीन वर्ष की नियमित सेवा पूर्ण कर ली है और लेखा प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक हैं, उनके आवेदन निर्धारित प्रपत्र में शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला, न्यू कम्पोजिट बिल्डिंग, तृतीय तल, बिलासपुर को भेजे जाएं।

आवेदन इस प्रकार प्रेषित करने के निर्देश दिए गए हैं कि वे 1 सितंबर से 30 सितंबर 2026 तक निर्धारित कार्यालयीन समय में प्रशिक्षण शाला कार्यालय को प्राप्त हो जाएं। विशेष रूप से स्पष्ट किया गया है कि पूर्व में आवेदन कर चुके कर्मचारियों को भी प्रवेश के लिए इस सूचना के प्रकाशन के बाद पुनः आवेदन करना अनिवार्य होगा।

बुके नहीं, बुक भेंट करें: रक्षाबंधन को जोड़ा शिक्षा और ज्ञान से

बिलासपुर/नवप्रदेश। औपचारिक उपहार के रूप में दिए जाने वाले बुके की जगह किताबें, कॉपी-पेन और उपयोगी अध्ययन सामग्री भेंट करने के उद्देश्य से बिलासपुर में 'बुके नहीं, बुक भेंट करें' अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज में शिक्षा, ज्ञान और अध्ययन के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करना है। कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं डीआईजी/एसएसपी रजनेश सिंह के मार्गदर्शन में आर्यन फिल्म टीम द्वारा इस अभियान का संचालन किया जा रहा है। इसी पहल के तहत रक्षाबंधन के अवसर पर बिलासपुर डीआईजी/एसएसपी रजनेश सिंह ने बहनों के लिए उपहार स्वरूप कॉपी, पेन एवं अन्य अध्ययन सामग्री आर्यन फिल्म टीम को प्रदान की। टीम द्वारा यह शैक्षणिक सामग्री शहर के विभिन्न स्कूलों में पहुंचकर बहनों के बीच वितरित की जाएगी। इस पहल के माध्यम से रक्षाबंधन जैसे पारंपरिक पर्व को शिक्षा और ज्ञान से जोड़ते हुए बच्चों को बेहतर भविष्य के लिए पढ़ाई के प्रति प्रेरित करने का संदेश दिया जा रहा है। कार्यक्रम में आर्यन फिल्म की ओर से डायरेक्टर रामा नन्द तिवारी, दिनेश चंदानी (होटल बंशीवाला), उमा शंकर पाण्डेय, सनी, मनीष भटेजा, जीतेन्द्र सिदार एवं रवि सहित टीम के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। अभियान के आयोजकों का कहना है कि बुके कुछ समय बाद मुरझा जाते हैं, जबकि किताबें और शैक्षणिक सामग्री लंबे समय तक विद्यार्थियों के काम आती हैं और उनके ज्ञान को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसी उद्देश्य से लोगों से अपील की जा रही है कि जन्मदिन, वर्षगांठ, त्योहार अथवा अन्य विशेष अवसरों पर बुके की जगह किताबें, कॉपी-पेन और उपयोगी अध्ययन सामग्री भेंट करें, ताकि उपहार के साथ किसी विद्यार्थी के भविष्य को संवारने में भी योगदान दिया जा सके।

बहनों ने पुलिसकर्मियों को बांधी राखी

मल्हार/नवप्रदेश। रक्षाबंधन के पावन पर्व की पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), बद्री प्रसाद देवांगन मध्य नगरीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मल्हार की बहनों ने पुलिस सहायता केंद्र मल्हार (पुलिस चौकी मल्हार) पहुंचकर पुलिसकर्मी भाइयों के साथ रक्षाबंधन का पर्व आत्मीयता एवं सम्मान के साथ मनाया।

इस अवसर पर एनएसएस की बहनों ने पुलिसकर्मी भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की तथा उन्हें मिठाई खिलाई। पुलिसकर्मी भाइयों ने भी बहनों को मिठाई खिलाकर उनके प्रति स्नेह एवं सम्मान व्यक्त किया और सदैव उनकी सुरक्षा के लिए तत्पर रहने का संकल्प व्यक्त किया। एनएसएस की बहनों द्वारा पुलिसकर्मी भाइयों का सम्मान करते हुए उन्हें पेन एवं रुमाल भेंट किए गए। इस भावनात्मक एवं आत्मीय अवसर पर पुलिसकर्मियों द्वारा बहनों को आशीर्वाद देते हुए सुरक्षा का वचन दिया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिसकर्मियों ने बहनों एवं उपस्थित विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव एवं साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की जानकारी दी। उन्होंने अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने, एवं बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करने तथा साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना देने के लिए प्रेरित किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी करुणेश कुमार नापित ने पुलिसकर्मी भाइयों एवं एनएसएस की बहनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्षाबंधन का यह आयोजन पुलिस और समाज के बीच विश्वास, आत्मीयता एवं सुरक्षा की भावना को और मजबूत करता है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित

आगासोद स्टेशन में यार्ड रिमॉडलिंग कार्य, कई ट्रेनों का मार्ग भी परिवर्तित

बिलासपुर/नवप्रदेश। रेलवे प्रशासन द्वारा अधोसंरचना विकास के साथ ही ट्रेनों के परिचालन गतिशीलता संबंधी कार्य किए जा रहे हैं 7 इसी क्रम में उत्तर मध्य रेलवे झाँसी मंडल के वीरांगना लक्ष्मी बाई झाँसी-बीना सेक्शन के मध्य स्थित आगासोद स्टेशन में यार्ड रिमॉडलिंग कार्य कार्य किया जायेगा 7 इसके फलस्वरूप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने/गुजरने वाली कुछ गाडियाँ प्रभावित रहेगी विवरण इस प्रकार है परिवर्तित मार्ग से चलने वाली गाडियां :- दिनांक 26 सितम्बर से 14 अक्टूबर 2026 तक कोरबा से चलने वाली संख्या 18237 कोरबा-अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग व्हाया भोपाल-मक्सी-नागदा-मथुरा मार्ग होकर अमृतसर जाएगी ।
दिनांक 10 अक्टूबर 2026 को दुर्ग से चलने वाली गाड़ी संख्या 12823 दुर्ग-निजामुद्दीन संपर्कक्रांति एक्सप्रेस एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग व्हाया कटनी-ओहन-वीरांगना लक्ष्मी बाई झाँसी मार्ग होकर निजामुद्दीन जाएगी । 07 अक्टूबर 2026 को पुरी से चलने वाली गाड़ी संख्या 18477 दुर्ग-योगनगरी ऋषिकेश संपर्कक्रांति एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग व्हाया कटनी-ओहन-वीरांगना लक्ष्मी बाई झाँसी मार्ग होकर निजामुद्दीन जाएगी। 08 अक्टूबर 2026 को अम्बिकापुर से चलने वाली गाड़ी संख्या 22407 अम्बिकापुर-निजामुद्दीन एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग व्हाया कटनी-ओहन-वीरांगना लक्ष्मी बाई झाँसी मार्ग होकर निजामुद्दीन जाएगी । 14 अक्टूबर 2026 को विशाखापटनम से चलने वाली गाड़ी संख्या 12807 विशाखापटनम-निजामुद्दीन समता एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग व्हाया इटारसी-जबलपुर-ओहन-वीरांगना लक्ष्मी बाई झाँसी मार्ग होकर निजामुद्दीन जाएगी। देरी से रवाना होने वाली गाडियां :- दिनांक 15 अक्टूबर 2026 को निजामुद्दीन से चलने वाली गाड़ी संख्या 12808 निजामुद्दीन-विशाखापटनम समता एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 03 घंटे देरी से रवाना होगी ।दिनांक 14 अक्टूबर 2026 को अमृतसर से चलने वाली गाड़ी संख्या 18238 अमृतसर-बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 03 घंटे देरी से रवाना होगी ।

विरोध : निजीकरण के खिलाफ आपत्ति दाखिल करेगा ऑल इंडिया पॉवर इंजीनियर्स फेडरेशन

बिजली वितरण लाइसेंस के लिए टाटा पावर की दस्तक, फेडरेशन ने खोला मोर्चा

***कर्मचारियों-उपभोक्ताओं को आंदोलन के लिए लामबंद करने की तैयारी**

बिलासपुर/नवप्रदेश। रायपुर, धरसींवा, मंदिर हसौद और अभनपुर तहसील क्षेत्रों में विद्युत वितरण लाइसेंस हासिल करने के लिए टाटा पावर कंपनी लिमिटेड की ओर से छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के समक्ष प्रस्तुत आवेदन ने प्रदेश की बिजली व्यवस्था में निजीकरण की बहस को फिर तेज कर दिया है। ऑल इंडिया पॉवर इंजीनियर्स फेडरेशन ने आवेदन का कड़ा विरोध करते हुए आयोग के समक्ष विस्तृत आपत्ति दाखिल करने का निर्णय लिया है। फेडरेशन ने चेतावनी दी है कि बिजली वितरण के समानांतर या अलग-अलग निजी लाइसेंस देने की दिशा में किसी भी कदम के खिलाफ बिजली कर्मचारियों, इंजीनियरों और उपभोक्ताओं को एकजुट कर व्यापक जन आंदोलन खड़ा किया जाएगा। फेडरेशन के चेयरमैन इंजीनियर शैलेन्द्र दुबे और संरक्षक पी.एन. सिंह ने कहा कि बिजली वितरण महज व्यावसायिक गतिविधि नहीं, बल्कि आवश्यक सार्वजनिक सेवा है। ऐसे में आर्थिक रूप से आकर्षक और अधिक राजस्व वाले क्षेत्रों में निजी कंपनियों को वितरण लाइसेंस दिए जाने से सार्वजनिक क्षेत्र की सीएसपीडीसीएल की वित्तीय स्थिति पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। इसका अंतिम प्रभाव प्रदेश के सभी वर्गों के बिजली उपभोक्ताओं पर पड़ने की आशंका है। लाभ वाले क्षेत्रों का निजीकरण, घाटे का बोझ सार्वजनिक कंपनी पर फेडरेशन ने निजी वितरण लाइसेंस के प्रस्ताव को लेकर क्रॉस-सब्सिडी व्यवस्था, लाभकारी उपभोक्ताओं के चयन (चेरी-पिकिंग), सार्वजनिक विद्युत नेटवर्क के इस्तेमाल, सीएसपीडीसीएल पर पड़ने वाले वित्तीय प्रभाव, उपभोक्ता टैरिफ और सभी वर्गों को बिजली आपूर्ति के दायित्व को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। फेडरेशन का कहना है कि यदि निजी कंपनियां मुख्य रूप से अधिक राजस्व वाले क्षेत्रों में वितरण करेंगी तो सार्वजनिक वितरण कंपनी के सामने कम आकर्षक क्षेत्रों और सामाजिक दायित्वों का भार बना रह सकता है। जनता के पैसे से बने नेटवर्क के इस्तेमाल पर सवाल फेडरेशन के मुताबिक प्रदेश का विद्युत वितरण नेटवर्क दशकों के सार्वजनिक निवेश और जनता के धन से तैयार हुआ है।

कर्मचारियों के साथ उपभोक्ताओं के हित भी मुद्दे में

फेडरेशन ने स्पष्ट किया कि बिजली वितरण के निजीकरण का मुद्दा केवल कर्मचारियों और इंजीनियरों के भविष्य तक सीमित नहीं है। इसका सीधा असर किसानों, घरेलू उपभोक्ताओं, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और राज्य की सार्वजनिक विद्युत वितरण व्यवस्था की दीर्घकालीन स्थिरता पर पड़ सकता है। फेडरेशन ने छत्तीसगढ़ के बिजली इंजीनियरों और कर्मचारियों से एकजुट रहने तथा निजीकरण के किसी भी प्रयास के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष की तैयारी करने का आह्वान किया है।

आदिवासी एकता का स्वर मल्हार में गूंजा

बिलासपुर/नवप्रदेश। प्राचीन ऐतिहासिक नगरी मल्हार में 27 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस हर्षोल्लास, उत्साह और सामाजिक एकजुटता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रभर से बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग, युवा, मातृशक्ति, सामाजिक पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि शामिल हुए। पारंपरिक वेशभूषा, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और रैली ने पूरे आयोजन को आकर्षक बना दिया। कार्यक्रम में सर्व आदिवासी समाज छत्तीसगढ़ के युवा प्रदेश अध्यक्ष सुभाष सिंह परते बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल हुए। मंच से अपने संबोधन में उन्होंने सामाजिक एकता, शिक्षा, संस्कृति और अधिकारों के प्रति जागरूकता को समाज की प्रगति का आधार बताया।

शक्कर महंगी, दुकानदारों ने ग्राहकों को राहत देने के लिए मिठाई के दाम थामे

रक्षाबंधन की मिठास पर महंगाई की मार

निलांचल गौड़

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। रक्षाबंधन से पहले बाजार में महंगाई का असर साफ दिखाई दे रहा है। रोजमर्रा की जरूरत की शक्कर महंगी होने से मिठाई कारोबारियों की लागत बढ़ गई है। इसके बावजूद कई दुकानदारों ने फिलहाल मिठाइयों के दाम नहीं बढ़ाने का फैसला किया है, ताकि त्योहार पर ग्राहकों पर अतिरिक्त बोझ न पड़े और वर्षों पुराना भरोसा कायम रहे।

शक्कर महंगी, मिठाई की लागत बढ़ी: रक्षाबंधन के साथ मिठाइयों की मांग बढ़ने लगी है। ऐसे में शक्कर के दामों में हुई बढ़ोतरी ने मिठाई कारोबारियों का गणित बिगाड़ दिया है। कारोबारियों के मुताबिक शक्कर के अलावा तेल और अन्य कच्चे माल की लागत भी बढ़ी है। यदि महंगाई का यह दौर जारी रहा तो आने वाले दिनों में मिठाइयों के दाम बढ़ाना उनकी मजबूरी बन सकता है। व्यापारियों का कहना है कि लागत बढ़ने के बावजूद ग्राहक त्योहार की खरीदारी के लिए बाजार पहुंच रहे हैं। हालांकि महंगी मिठाई देखकर ग्राहक मात्रा कम करने या सस्ते विकल्प चुनने लगे तो बिक्री प्रभावित होने की आशंका है।

काजू कतली से लड्डू तक बढ़ सकती है कीमत: मिठाई कारोबारियों के मुताबिक यदि शक्कर और तेल की लागत में कमी नहीं आती है तो काजू कतली और लड्डू जैसी मिठाइयों की कीमतों पर भी असर पड़ सकता है। हालांकि फिलहाल कई दुकानदार रक्षाबंधन को देखते हुए दाम बढ़ाने से बच रहे हैं।

एआई ईमेज

स्टॉक की कमी से बढ़ी कीमत, आयात से राहत की आस

व्यापारियों के अनुसार शक्कर की मौजूदा तेजी के पीछे कैरी फॉरवर्ड स्टॉक में कमी भी एक प्रमुख कारण है। नया पेराई सत्र अक्टूबर के मध्य के आसपास शुरू होने की उम्मीद है। तब तक बाजार को मौजूदा स्टॉक पर निर्भर रहना होगा। बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण के लिए केंद्र सरकार की ओर से रॉ शुगर के आयात की व्यवस्था और आयात शुल्क में छूट की जानकारी के बाद व्यापारियों को आने वाले दिनों में बाजार में नरमी की उम्मीद है। उनका मानना है कि आयातित शक्कर की उपलब्धता बढ़ने पर थोक बाजार में राहत मिल सकती है।

ग्राहक भी कर रहे हैं बजट का हिसाब

शक्कर की तेजी का असर केवल मिठाई की दुकानों तक सीमित नहीं है। घरों में भी त्योहार का बजट नए सिरे से बनाया जा रहा है। ग्राहकों का कहना है कि रोजमर्रा की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के बीच त्योहार पर मिठाई खरीदना अतिरिक्त खर्च बन गया है। कई परिवार अब कम मात्रा में मिठाई खरीदने या अपेक्षाकृत सस्ते विकल्प तलाशने की बात कह रहे हैं।

व्यापारियों के सामने दोहरी चुनौती

रक्षाबंधन पर मिठाई कारोबारियों के सामने इस बार अजीब स्थिति है। दाम बढ़ाएं तो ग्राहक प्रभावित होने का डर और दाम न बढ़ाएं तो लागत निकालना मुश्किल। ऐसे में कई दुकानदार त्योहार की बिक्री और ग्राहकों के वर्षों पुराने भरोसे को प्राथमिकता दे रहे हैं। फिलहाल कारोबारियों की नजर शक्कर के बाजार रुझान पर टिकी है। उन्हें उम्मीद है कि कीमतों में जल्द राहत मिलेगी और त्योहार की मिठास महंगाई की कड़वाहट पर भारी पड़ेगी।

'ग्राहकों से रिश्ता है, राखी पर कीमत नहीं बढ़ाएंगे'

मिठाई कारोबारी मनोज सिंह (स्वाद रेस्टोरेंट) ने बताया कि उनके कई ग्राहक वर्षों से लगातार उनसे मिठाई खरीदते आ रहे हैं। यह केवल कारोबारी संबंध नहीं, बल्कि विश्वास और अपनत्व का रिश्ता बन चुका है। दुकानदार ने कहा कि राखी जैसे त्योहार पर कीमत बढ़ाकर वे अपने पुराने ग्राहकों की खुशियों में कमी नहीं करना चाहते। इसी वजह से इस बार शक्कर महंगी होने के बावजूद उन्होंने मिठाइयों के पुराने दाम बरकरार रखने का फैसला किया है। दुकानदारों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में शक्कर की कीमतों में कुछ राहत मिल सकती है। इसी उम्मीद के चलते फिलहाल बढ़ी लागत का भार खुद उठाकर त्योहार की बिक्री बनाए रखने की कोशिश की जा रही है।

दूसरी ओर बढ़ते दाम का डर

हालांकि हर दुकानदार के लिए कीमतों को पुराने स्तर पर बनाए रखना संभव नहीं है। कारोबारियों का कहना है कि यदि कच्चे माल के दाम लगातार बढ़ते रहे तो उन्हें मिठाइयों की कीमतें बढ़ानी पड़ सकती हैं। लेकिन इसका सबसे बड़ा डर ग्राहक खोने का है। व्यापारियों के मुताबिक कीमतों में बड़ा अंतर आने पर ग्राहक मिठाई की मात्रा कम कर सकते हैं। उदाहरण के तौर पर जो परिवार पहले एक किलो मिठाई खरीदता था, वह अब 250 या 500 ग्राम तक सीमित हो सकता है। इससे दुकानदारों की बिक्री पर सीधा असर पड़ेगा।

त्यौहारी सीजन में महंगाई का असर, बिगड़ा बजट

बिलासपुर/नवप्रदेश। त्योहारी सीजन में बाजार में खरीदारी बढ़ने के साथ ही जरूरी खाद्य वस्तुओं के दाम भी तेजी से बढ़ गए हैं। सब्जियों से लेकर फल और किराना सामग्री तक महंगाई की मार दिखाई दे रही है। खासकर सब्जियों के बढ़ते दाम ने आम परिवारों की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है।

कोई भी वर्ग इस महंगाई से अछूता नहीं है। सबसे ज्यादा तेजी प्याज की कीमतों में देखने को मिल रही है। कुछ समय पहले तक करीब 5 रुपए किलो बिकने वाला प्याज अब स्थानीय बाजार में 60 रुपए किलो तक पहुंच गया है। इसी तरह आलू के दाम भी बढ़कर 25 से 30 रुपए किलो हो गए हैं। हरी सब्जियों की कीमतों में भी लगातार उछाल बना हुआ है। बाजार में टमाटर, भिंडी, बरबट्टी और करेला 25 से 50 रुपए किलो तक बिक रहे हैं। अदरक की कीमत तो 200 रुपए किलो तक पहुंच गई है। सब्जी और फल बाजार के स्थानीय विक्रेताओं के मुताबिक लगातार बारिश और किसानों के खेती-किसानी के काम में व्यस्त होने के कारण बाजार में सब्जियों की आवक प्रभावित हुई है।

शक्कर-गुड़ के भाव फिलहाल स्थिर

सब्जियों के उलट शक्कर और गुड़ के थोक बाजार में बुधवार को कारोबार लगभग स्थिर रहा। थोक कारोबारियों के अनुसार इन दोनों वस्तुओं के भाव में फिलहाल कोई बड़ी तेजी या गिरावट नहीं देखी गई है। हालांकि त्योहारी सीजन में मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ने के कारण बाजार पर नजर बनी हुई है।

दाम नियंत्रण को लेकर प्रशासन की कार्रवाई पर उठे सवाल

आवश्यक वस्तुओं के दाम में लगातार हो रही बढ़ोतरी के बावजूद जिला प्रशासन की ओर से कीमतों को नियंत्रित करने के लिए अब तक कोई प्रभावी कदम नजर नहीं आ रहा है। आम उपभोक्ताओं का कहना है कि त्योहारी सीजन में पहले ही घरेलू खर्च बढ़ जाता है, ऐसे में रोजमर्रा की जरूरत वाली वस्तुओं की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि ने परेशानी और बढ़ा दी है। उपभोक्ताओं ने बाजार में कीमतों की नियमित निगरानी, जमाखोरी और अनावश्यक मूल्यवृद्धि की जांच तथा दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई की मांग की है।

रेशम के धागों पर महंगाई की गांठ: मिठाइयों से लेकर कूरियर के बढ़े दाम, फिर भी नहीं घटा बहनों का उत्साह

धमतरी/नवप्रदेश। भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन का त्योहार आते ही बाजारों में रौनक छा गई है। हालांकि, इस बार बाजार पर महंगाई का सीधा असर देखने को मिल रहा है। कच्चे माल की बढ़ती कीमतों, पैकेजिंग कॉस्ट और कूरियर भाड़े में बढ़ोतरी के कारण राखी से लेकर मिठाइयों तक के बजट में 10 से 15 फीसदी का उछाल आया है। इसके बावजूद बहनों के उत्साह में कोई कमी नहीं है; लोग अपने बजट को संतुलित करने के लिए खरीदारी के नए तरीके तलाश रहे हैं।

धागों से लेकर डिब्बों तक सब महंगा

स्थानीय विक्रेताओं के अनुसार, राखियों में इस्तेमाल होने वाले रेशमी धागे, फोम, नगीने और पैकेजिंग मटीरियल के दाम बीते एक साल में काफी बढ़े हैं। जो साधारण राखी पिछले साल 20 से 30 में उपलब्ध थी, वह अब 35 से 45 तक बिक रही है। वहीं, फैंसी और ब्रास की राखियों की कीमतों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मिठाई का जायका भी हुआ फीका दूध, खोया, चीनी और ड्राई फ्रूट्स के दामों में बढ़ोतरी से मिठाइयों के रेट भी चढ़ गए हैं। काजू कतली और मावे की मिठाइयों पर प्रति किलो 50 से 60तक का इजाफा हुआ है। मिलावट के डर और बढ़ती कीमतों के कारण इस बार लोग 'होम-मेड', पैक्ड ब्रांडेड चॉकलेट्स और ड्राई फ्रूट्स के ऑप्शन चुन रहे हैं।

सार्थक के विशेष बच्चो ने बनाई राखियां एवं शगुन के लिफाफे

इन सब के बीच सार्थक के विशेष बच्चो द्वारा बनाई राखी को अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है संस्था की सरिता दोषी ने बताया की हर बार की तरह इस बार बच्चो ने उत्साह के साथ राखिया बनाई है सार्थक स्कूल के विशेष बच्चों के सहयोग से राखियों एवं शगुन के लिफाफों का स्टॉल लगाया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य विशेष बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहन देने के साथ उन्हें स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाना है। इस पहल के माध्यम से समाज ने लोगों से अपील की कि वे बाजार से राखियां एवं शगुन के लिफाफे खरीदने के बजाय इस स्टॉल से सामग्री खरीदकर विशेष बच्चों के हुनर को प्रोत्साहित करें। आयोजकों का कहना है कि लोगों का छोटा-सा सहयोग इन बच्चों के सपनों को नई उड़ान देने के साथ उनके आत्मविश्वास और स्वाभिमान को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। संस्था की सरिता दोषी ने बताया की स्टेटस ,स्टोरी सोशल मीडिया में राखियों की फोटो देखकर बहुत लोगों ने राखियां ऑर्डर की। रायपुर भिलाई दुर्ग नागपुर और मुंबई में भी राखियां कोरियर और स्पीड पोस्ट से मंगवाई गई। कीमतें बहुत सुलभ रखी गई थी ताकि ज्यादा लोगों तक बच्चों की बनाई राखियां पहुंच सके।

हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण निर्णय: महिला कर्मचारियों के मातृत्व अधिकारों को लेकर सुनाया अहम फैसला

लीव बैलेंस कम, फिर भी देना होगा मातृत्व लाभ

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने महिला कर्मचारियों के मातृत्व अधिकारों को लेकर अहम फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि मिसकैरेज के दौरान लिया गया अवकाश बाद की गर्भावस्था के मातृत्व अवकाश में समायोजित नहीं किया जा सकता। केवल लीव बैलेंस कम होने के आधार पर भी मातृत्व लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता। चीफजस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) की अपील खारिज कर सिंगल बेंच के आदेश को बरकरार रखा। मामला एफसीआई रायपुर जिला कार्यालय में असिस्टेंट ग्रेड-2 के पद पर कार्यरत महिला का है। वर्ष 2019 में महिला जुड़वा बच्चों की गर्भवती थीं। 25 अप्रैल को मेडिकल जटिलता के कारण मिसकैरेज हो गया। दूसरे भ्रुण की गर्भावस्था को हाई रिस्क बताते हुए डॉक्टरों ने लंबे समय तक बेड रेस्ट की सलाह दी।

महिला कर्मी के कटे 80 हजार रुपए लौटाने का आदेश

3 सितंबर 2019 को उन्होंने बच्ची को जन्म दिया। एफसीआई ने उनके 68 दिनों के अवकाश को एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी लीव मानकर वेतन नहीं दिया और 80,254 रुपए की कटौती की। सिंगल बेंच ने 13 मई 2026 को उन्हें मिसकैरेज और मातृत्व अवकाश के कुल 90 दिन का लाभ देने तथा कटौती की राशि वापस करने का आदेश दिया था। मेडिकल खर्च की प्रतिपूर्ति पर नियमों के अनुसार दोबारा निर्णय लेने कहा था।

स्वास्थ्य, सम्मान की रक्षा

डिवीजन बेंच ने कहा कि मातृत्व लाभ महिला के स्वास्थ्य, सम्मान और कल्याण की रक्षा के लिए हैं। इन्हें तकनीकी आधार पर खत्म नहीं किया जा सकता। पर्याप्त लीव बैलेंस नहीं होने के आधार पर मातृत्व लाभरोकना उचित नहीं है। मेडिकल बिलों की जांच कर एफसीआई को नियमानुसार नए सिरे से निर्णय लेने के निर्देश दिए गए हैं।

राजधानी के राजकुमार कॉलेज से हटाई गई शिक्षिका होगी बहाल

हाईकोर्ट बोला-18 साल बाद नौकरी से निकालना अवैधानिक, ब्याज सहित पूरी सैलरी देने का आदेश

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफजस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने राजकुमार कॉलेज के शिक्षक को 18 साल बाद नौकरी से निकालने के फैसले को अवैध बताया है। कोर्ट ने सिंगल बेंच के फैसले को सही ठहराते हुए शिक्षक को दोबारा नौकरी पर रखने और बकाया वेतन 9% ब्याज के साथ देने का आदेश दिया है। साथ ही हाईकोर्ट ने रायपुर के राजकुमार कॉलेज प्रबंधन की अपील खारिज कर दी।

जानिए क्या है पूरा मामला: दरअसल, रायपुर के राजकुमार कॉलेज में सविता मोहंती को 21 जून 1990 को ओडिया भाषा पढ़ाने के लिए सहायक शिक्षिका के पद पर नियुक्त किया गया था। 1994 में उनकी नौकरी पक्की कर दी गई और उन्हें हर साल वेतन बढ़ोतरी भी मिलती रही। करीब 18 साल तक नौकरी करने के बाद 19 जून 2008 को कॉलेज प्रबंधन ने उन्हें अचानक नौकरी से निकाल दिया। प्रबंधन ने कहा कि स्कूल में ओडिया पढ़ने वाले छात्रों की संख्या कम हो गई है। साथ ही सविता के पास बीएड की डिग्री नहीं है, इसलिए उन्हें दूसरे विषय की शिक्षिका के तौर पर भी नहीं रखा जा सकता।

शिक्षिका ने फैसले के खिलाफ अपील की: प्रबंधन के नौकरी से निकालने के फैसले के खिलाफ शिक्षिका ने अपील की। 8 मई 2012 को संबंधित अधिकारी ने शिक्षिका के पक्ष में फैसला सुनाया। उन्हें दोबारा नौकरी पर रखने और पिछला पूरा वेतन 9त्न चक्रवृद्धि ब्याज के साथ देने का आदेश दिया गया।

सिंगल बेंच ने खारिज की थी याचिका, डिवीजन बेंच में दी चुनौती: अपीलीय अधिकारी के इस आदेश के खिलाफ कॉलेज प्रबंधन ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। सिंगल बेंच ने 17 मार्च 2026 को प्रबंधन की याचिका खारिज कर दी। इसके बाद प्रबंधन ने डिवीजन बेंच में अपील की। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद डिवीजन बेंच ने कहा कि 1990 के नियुक्ति पत्र में बीएड की डिग्री जरूरी नहीं थी। 1994 में शिक्षिका की नौकरी पक्की करते समय भी प्रबंधन ने बीएड को लेकर कोई आपत्ति नहीं की थी।

नक्सल प्रभाव घटा तो अबूझमाड़ में फिर गूंजने लगी मांदर की थाप

■ घोटुलों में लौटी रौनक, चेलिक-मोटियारिन फिर गीत-नृत्य से सहेज रहे आदिवासी संस्कृति

नारायणपुर/नवप्रदेश। लंबे समय तक नक्सल हिंसा और भय के साये में रहे अबूझमाड़ के गांवों की तस्वीर अब बदल रही है। कभी शाम होते ही जहां सन्नाटा पसर जाता था, वहीं अब घोटुलों में मांदर की थाप और पारंपरिक गीतों की गूंज सुनाई देने लगी है। चेलिक और मोटियारिन फिर सामूहिक नृत्य कर रहे हैं और गांवों में आदिवासी संस्कृति की पुरानी रौनक लौटती दिखाई दे रही है। घोटुल आदिवासी समाज की महत्वपूर्ण सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था मानी जाती है। यहां नई पीढ़ी लोकगीत, नृत्य, अनुशासन, सामुदायिक जीवन और अपनी परंपराओं से परिचित होती है। ऐसे में घोटुलों में बढ़ती चहल-पहल को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक जीवन के पुनर्जीवन के रूप में देखा जा रहा है।

बुजुर्गों में खुशी, युवाओं में उत्साह: घोटुलों की लौटती रौनक से बुजुर्ग भी उत्साहित हैं। उनके लिए यह अपनी पुरानी परंपराओं की वापसी है, जबकि युवाओं को अपनी सांस्कृतिक पहचान से जुड़ने का अवसर मिल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि शांति बढ़ने के साथ खेतों, बाजारों और आसपास के गांवों तक आवाजाही भी सहज हुई है। त्योहार और पारंपरिक आयोजन अब खुलकर मनाए जाने लगे हैं। अबूझमाड़ में घोटुलों से गूंजती मांदर की थाप सिर्फ संगीत नहीं, बल्कि सामान्य जीवन की वापसी की आवाज बन गई है। यह संकेत है कि भय पीछे हट रहा है और आदिवासी समाज अपनी सांस्कृतिक पहचान के साथ फिर से अपनी पुरानी लय में लौट रहा है।

कभी शाम होते ही घरों में सिमट जाते थे लोग

ग्रामीणों के मुताबिक नक्सल प्रभाव के दौर में शाम के बाद गांवों में निकलना आसान नहीं था। सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच संघर्ष तथा अनहोनी की आशंका के कारण त्योहार, सामुदायिक आयोजन और पारंपरिक गतिविधियां प्रभावित हुई थीं। कई जगह घोटुलों की गतिविधियां भी थम गई थीं। अब सुरक्षा अभियानों और नक्सल प्रभाव में कमी के बाद हालात बदल रहे हैं। शाम ढलते ही युवा घोटुलों में जुट रहे हैं। मांदर की थाप पर पारंपरिक नृत्य हो रहे हैं और जंगल, नदी, पहाड़, खेती तथा सामाजिक जीवन से जुड़े लोकगीत फिर सुनाई देने लगे हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित,
RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर धोटे*, स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, समाचार संपादक-संदीप दीवान, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com